रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:38 शुक्रवार,10 अक्टूबर

ब्रीफ न्यूज

राज्य की सभी जेलों में हाईटेक व्यवस्था लागू

संवादाता

रांची, 9 अक्तूबरः राज्य की जेलों में कैदियों की अपनों से मुलाकात की व्यवस्था अब बड़े स्क्रीन पर आ गई है। इसका नाम इन पेयर विजिटर इंटरकॉम वाइस लॉगर सिस्टम है। पहले खिड़की पर होने वाले मुलाकात में बातचीत में संकोच, कोलाहल व आवाज की अस्पष्टता से भी मुक्ति मिल गई है। राज्य में छोटे-बड़े सभी जेलों की संख्या 31 है।इन सभी जेलों में मुलाकाती कक्ष को हाईटेक किया जा रहा है। 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरे हो गए हैं। इसमें कैदी व उनके परिजन के बीच खिड़की के बदले में एक दीवार है। दोनों तरफ आठ- आठ, दस-दस केबिन बने हैं और उसमें इलेक्ट्रानिक स्क्रीन और इंटरकॉम लगे हैं।दीवार की एक तरफ कैदी व दूसरी ओर उसके स्वजन बैठकर दस मिनट तक एक-दूसरे को देखकर बातकर सकते हैं।

धनबाद एफसीआई रेलवे यार्ड में गोलीबारी

संवादाता

धनबाद, 9 अक्तूबरः जिले के धनसार थाना क्षेत्र के बरमसिया स्थित एफसीआई रेलवे यार्ड लोडिंग पॉइंट पर अंधाधुंध गोलीबारी हुई।इस घटना में एक व्यक्ति को गोली लगी है। गोलीबारी से इलाके में अफरा-तफरी मच गई।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घायल व्यक्ति की पहचान ट्रक ड्राइवर श्रवण यादव के रूप में हुई है। ट्रक एसोसिएशन और अन्य लोगों ने तीन लोगों को मौके परपकड़ा है।

मप्र में कप सिरफ से अब तक 22 बच्चों की मौत

एजेंसी

भोपालः मध्य प्रदेश में जहरीले कफ सिरप की वजह से बच्चों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार देर रात एक अन्य बच्चे की मौत हो गई। छिंदवाड़ा की उमरेठ तहसील के पचधार गांव के तीन वर्षीय मयंक सूर्यवंशी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह 25 सितंबर से नागपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती था। इसके बाद मृतक बच्चों की कुल संख्या 22 हो गई है। इनमें 19 बच्चे छिंदवाड़ा, दो बैतूल और एक पांढुर्णा जिले का था।

बंगाल आपदा : मृतकों की संख्या पहुंची 39

उत्तर बंगाल के पहाड़ी,तराई और डुआर्स क्षेत्रों में भारी वर्षाऔर भूस्खलन से हुई तबाही के बीच पिछले 24 घंटे में तीन और शव मिलने से मृतकों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। यह जानकारी राष्ट्रीय आपदा मोचनबल (एनडीआरएफ) और दार्जिलिंग व जलपाईगुड़ी जिला प्रशासन ने दी है।

सीएम हेमंत सोरेन ने किया जेसोवा दिवाली मेला का उद्घाटन, सराहना करते हुए बोले-

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहा बेहतर कार्य

संवादाता

रांची : गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित पांच दिवसीय झारखंड आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (जेसोवा) दिवाली मेला-2025 का उद्घाटन किया। मौके पर विधायक कल्पना सोरेन भी उपस्थित रहीं।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (जेसोवा) अपने शुरुआती दौर से ही जनहित कार्यों के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि यह संस्था एक लंबी यात्रा तय

करते हुए आज अपना रजत जयंती मना रही है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी इस संस्था के जरिए रांची के इस
ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में बड़ी उत्साह और उमंग के साथ पांच दिवसीय जेसोवा दिवाली मेला-2025 का भव्य आयोजन किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जेसोवा मेला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य यही है कि इस मेले से होने वाली पूरी आमदनी गरीब, जरूरतमंदों के कल्याणार्थ एवं अन्य सामाजिक उत्थान जैसे कार्यों एवं गतिविधियों में लगाई जाए।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने मेले का परिभ्रमण किया। विधायक कल्पना सोरेन ने जेसोवा के सभी सदस्यों को अपनी ओर से दिवाली मेले की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विभिन्न विभागों के सचिव, वरीय अधिकारियों सहित झारखंड आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (जेसोवा) की अध्यक्ष प्रीति कुमार, उपाध्यक्ष अनीता सिन्हा, सचिव मनु झा एवंअन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मुंबई में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद पीएम मोदी बोले-

भारत-ब्रिटेन के संबंधों में आई नई ऊर्जा और गति, साझेदारी मजबूत

एजेंसी

नई दिल्लीःगुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने यहां प्रतिनिधिमंडल स्तर
की वार्ता के बाद कहा कि भारत और ब्रिटेन के संबंधों में नई ऊर्जा और गति आई है। दोनों नेताओं नेसंयुक्त वक्तव्य में कहा कि व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और यह साझेदारी वैश्विक स्थिरता तथा प्रगति में भी अहम भूमिका निभाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री स्टार्मर के नेतृत्व में भारत-ब्रिटेन संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने
कहा कि इसी वर्ष जुलाई में मेरी ब्रिटेन यात्रा के दौरान हमने ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) पर सहमति बनाई थी। इस समझौते से व्यापार में वृद्धि होगी, आयात लागत घटेगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे। इससे हमारे उद्योगों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होगा। मोदी ने बताया कि इस समझौते के कुछ ही महीनों में ब्रिटिश प्रधानमंत्री का भारत दौरा और

दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा सीईटीए

- वैश्विक स्थिरता तथा प्रगति में भी अहम भूमिका निभाएगी साझेदारी
- दोनों देशों ने क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का लिया निर्णय
- समझौते से व्यापार में होगी वृद्धि, घटेगी आयात लागत, पैदा होंगे रोजगार के नए अवसर
- भारत बातचीत व कूटनीति के माध्यम से शांति बहाली के प्रयासों का करता हैसमर्थन

उनके साथ आया अब तक का सबसे बड़ा व्यापार प्रतिनिधिमंडल, भारत-ब्रिटेन साझेदारी में आई नई ऊर्जा औरव्यापक दृष्टि का प्रतीक है।दोनों नेताओं ने हिंद-प्रशांत, पश्चिम एशिया और यूक्रेन संघर्ष की स्थिति पर भी विचार साझा किए। प्रधानमंत्री मोदी ने
कहा कि भारत बातचीत और कूटनीति के माध्यम से शांति बहाली के सभी प्रयासों का समर्थन करता है।हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत और ब्रिटेन के बीच प्रौद्योगिकी साझेदारी पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि टेक्नोलॉजी, टैलेंट और ट्रस्ट पर आधारित ।

दोनों नेताओं ने कई मुद्दों पर किया विचार

दोनों नेताओं ने हिंद-प्रशांत, पश्चिम एशिया और यूक्रेन संघर्ष की स्थिति पर भी विचार साझा किए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत बातचीत और कूटनीति के माध्यम से शांति बहाली के सभी प्रयासों का समर्थन करता है। हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत और ब्रिटेन के बीच प्रौद्योगिकी साझेदारी पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि टेक्नोलॉजी, टैलेंट और ट्रस्ट पर आधारित यह साझेदारी आने वाले समय में वैश्विक स्थिरता में अहम भूमिका निभाएगी। दोनों देशों ने क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का भी निर्णय लिया है। इसके तहत एक इंडस्ट्री गिल्ड और सप्लाई चेनऑब्जर्वेटरी की स्थापना की जाएगी।

बिहार, झारखंड समेत 8 राज्यों में होने वाले चुनावों और उपचुनावों के लिए व्यापक तैयारी

8.5 लाख अधिकारियों की होगी तैनाती

नई दिल्ली, 9 अक्तूबर (एजेंसियां): बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के साथ झारखंड की अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित घाटशिला विधानसभा सीट समेत देश के 8 राज्यों में होनेवाले चुनावों और उपचुनावों के लिए चुनाव आयोग 8.5 लाख पदाधिकारियों की नियुक्ति करेगा। चुनाव आयोग ने पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव कराने का फैसला किया है। इसके तहत यह फैसला लिया गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को यह जानकारी दी। चुनाव आयोग ने कहा है कि 2 चरणों में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए करीब 8.5 लाख मतदान पदाधिकारियों की तैनाती की जायेगी। इनमें करीब 4.53 लाख मतदानकर्मी होंगे। 2.5 लाख पुलिसकर्मी और अधिकारी, 28,370 मतगणना कर्मी, 17,875 माइक्रो ऑब्जर्वर, 9,625 सेक्टर ऑफिसर, मतगणना के लिए 4,840 माइक्रो ऑब्जर्वर और 90,712 आंगनवाड़ी सेविकाओं को तैनात किया जायेगा। इलेक्शन मशीनरी की बात करें, तो 90,712 बीएलओ और 243

ईआरओ मतदाताओं के किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैनात रहेंगे। मतदाताओं के लिए पहली बार ईसीआई नेट ऐप की शुरूआत की गयी है, जहां से मतदाता कोई भी जानकारी ले सकते हैं। इस ऐप की मदद से वे अपने बीएलओ और ईआरओ से अपनी समस्या का निराकरण करवाने के लिए उनसे टाइम बुक कर सकते हैं। इतना ही नहीं, एक कॉल सेंटर की भी शुरूआत की गयी है, जहां लोग जानकारी ले सकेंगे, डीईओ और आरओ लेवल पर शिकायत भी कर सकेंगे। फोन करने के लिए +91(एसटीडी कोड)1950 पर डायल करना होगा। एसटीडी कोड आपके क्षेत्र का होगा, बाकी सभी नंबर यथावत रहेंगे।

रिम्स में गरीब मेधावी छात्रों को मिलेगी नीट की निःशुल्क कोचिंग, टॉपर्स पढ़ाएंगे

एजेंसी

रांची : झारखंड के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज रिम्स (राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान) में अब गरीब और मेधावी छात्रों के लिए मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) की निःशुल्क कोचिंग शुरू की जाएगी। यह निर्णय गुरुवार को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित रिम्स शासी परिषद की बैठक में लिया गया। बैठक में तय हुआ कि रिम्स के एमबीबीएस प्रथम और द्वितीय वर्ष के टॉपर छात्र राज्य भर से चुने जाने वाले 30 गरीब मेधावी विद्यार्थियों को इस कोचिंग सेंटर में पढ़ाएंगे। कक्षाएं सप्ताह में चार दिन चलेंगी। इस कोचिंग सेंटर में पढ़ाने वाले एमबीबीएस टॉपर्स को प्रति घंटे 2,500 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इसे राज्य के गरीब और मेधावी छात्रों के लिए चिकित्सा शिक्षा के दरवाजे खोलने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया।रिम्स शासी परिषद की बैठक

रिम्स में मौत हुई तो अंतिम संस्कार के लिए तुरंत मिलेंगे ₹5000

अमित शाह पर टिप्पणी से संबंधित मानहानि केस

राहुल गांधी को झारखंड हाईकोर्ट से राहत, चाईबासा कोर्ट का आदेश रद्द

संवाददाता

रांची : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तात्कालिक तौर पर कानूनी राहत मिली है। झारखंड हाईकोर्ट ने चाईबासा एमपी-एमएलए कोर्ट की ओर से उनके खिलाफ संज्ञान लेने और समन जारी करने के आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की पीठ

ने गुरुवार को यह आदेश पारित करते हुए मामले को पुनर्विचार के लिए निचली अदालत को वापस भेज दिया। पीठ ने कहा कि सीनियर मजिस्ट्रेट ने संज्ञान लेने का आदेश सत्र न्यायालय के आदेश से प्रभावित होकर पारित किया था। मामला वर्ष 2018 के कांग्रेस अधिवेशन में राहुल गांधी के उस बयान से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह को 'हत्यारा' कहकर संबोधित किया था। इस बयान के बाद चाईबासा निवासी भाजपा नेता प्रताप कटियार ने राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायतदर्ज कराई थी।

न्यूज स्टडी वोटर वेरिफिकेशन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त : चुनाव आयोग से पारदर्शिता पर सवाल

3.66 लाख मतदाताओं की जानकारी अब 9 अक्टूबर तक सुप्रीम कोर्ट मे पेश करनी होगी

एजेंसी

पटनाःदेश के भावी उखक जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा, ह्यह्यहम चाहते हैं कि सभी को अपील करने का उचित अवसर दिया जाए और उनके पास विस्तृत आदेश होने चाहिए कि उनके नाम क्यों शामिल नहीं किए गए। एक पंक्ति का गूढ़ आदेश नहीं होना चाहिए।ह्लह्ल पीठ ने ये बी कहा कि रक्फ्र प्रक्रिया के बाद निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए मतदाताओं की अपील को निर्धारित समयसीमा में और कारण सहित आदेश के माध्यम से निपटाने के प्रश्न पर 16 अक्टूबर को अगली सुनवाई में विचार किया जाएगा।योगेन्द्र यादव की क्या थी दलील?
इसी बीच, राजनीतिक कार्यकर्ता और

चुनाव विश्लेषक योगेंद्र यादव ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि बिहार में रक्फ्रके कारण भारत के इतिहास में अब तक का सबसे बड़े मतदाता वर्ग को वोटर लिस्ट से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग द्वारा प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में 45,000 नाम अस्पष्ट हैं, जबकि 4 लाख से ज्यादा मतदाताओं के मकान नंबर '0' लिखे गए हैं, जो गड़बड़ी की ओर संदेह पैदा करते हैं।बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, योगेंद्र यादव ने आज की सुनवाई के अंत में पीठ से कहा, ह्लअभी भी मतदाता सूचियों में सुधार की जरूरत है और कोई भी यह नहीं कह सकता कि चुनाव आयोग ऐसा नहीं कर सकता क्योंकि ऐसा करना उनका कर्तव्य भी है। यह संशोधन की प्रकृति पर प्रश्नचिह्न है।

संशोधन की प्रकृति पर प्रश्नचिह्न

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, योगेंद्र यादव ने आज की सुनवाई के अंत में पीठ से कहा, ह्लअभी भी मतदाता सूचियों में सुधार की जरूरत है और कोई भी यह नहीं कह सकता कि चुनाव आयोग ऐसा नहीं कर सकता क्योंकि ऐसा करना उनका कर्तव्य भी है। यह संशोधन की प्रकृति पर प्रश्नचिह्न है। इस विशेष गहन संशोधन ने एक सौम्य प्रक्रिया को हथियार बना दिया है। पहला हथियार सिस्टम से बहिष्कार है। इसके बाद संरचनात्मक बहिष्कार है और फिर लक्षित बहिष्कार की संभावना है।यादव ने आगे कहा कि देश भर में मतदाता सूचियों का मूल्यांकन पूर्णता, सटीकता और निष्पक्षता के आधार पर किया जाता है। उन्होंने अदालत को बताया कि इन तीनों ही पहलुओं पर हमारे सामने एक बहुत ही गंभीर समस्या है। उन्होंने दलील दी, ₹हम इसकी पूर्णता के पक्ष में हैं। एसआईआर के कारण मतदाता सूची में अब तक की सबसे बड़ी कमी आई है। 47 लाख की कमी आई है। इतिहास में, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। बिहार की वयस्क जनसंख्या देखिए। ये केंद्र सरकार के विशेषज्ञ समूह के अनुमान हैं। सितंबर 2025 में यह 8 करोड़ 22 लाख थी। जब एसआईआर शुरू हुआ, तब यह संख्या 7.89 लाख थी।बिहार में किए गए रक्फ्र के बारे में यादव ने आगे कहा,

जहरीले कोल्ड्रिफ सिरप से अब तक 25 बच्चों की मौत, दवा कंपनी का डायरेक्टर गिरफ्तार

एजेंसी

भोपाल/नागपुर : मध्य प्रदेश में जहरीली कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। ताजा मामला छिंदवाड़ा के मोरडोगरी परासिया निवासी एक साल के गर्विक का है, जिसकी गुरुवार को नागपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई।इस बीच, कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली श्रीसन फार्मा के डायरेक्टर गोविंदन रंगनाथन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मध्य प्रदेश सरकार की एसआईटी ने बुधवार रात चेन्नई में दबिश देकर उसे पकड़ा। टीम ने फैक्ट्री से दस्तावेज, दवाओं के नमूने और प्रोडक्शन रिकॉर्ड जब्त किए हैं। रंगनाथन पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित था। इस बीच, इस मामले की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सुनवाई कर सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को नागपुर पहुंचे और अस्पताल में भर्ती चार बच्चों से

मुलाकात की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार इस जांच में सहयोग नहीं कर रही है। सीएम ने कहा, 'कंपनी की गलती स्पष्ट है। हमने ड्रग कंट्रोलर को हटाया है, असिस्टेंट कंट्रोलर को निलंबित किया है और सिरप लिखने वाले डॉक्टर पर कार्रवाई की है।' उन्होंने कहा कि तमिलनाडु से रिपोर्ट आने के बाद राज्य सरकार ने कंपनी को बैन करदिया है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, 'जो सवाल उठा रहे हैं, वे तमिलनाडु जाकर धरना दें। राहुल गांधी भी चाहें तो वहां जाकर देखें कि लाइसेंस कैसे रिन्यू हुआ।' जांच में खुलासा हुआ है कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप में डाईएथिलीन ग्लायकॉल और एथिलीन ग्लायकॉल जैसे जहरीले रसायन निर्धारित सीमा से 486 गुना अधिक पाए गए हैं।

रांची में आधुनिक एमआरएफ केंद्रों की तैयारी, झारखंड में पहली बार लागू होगी नई तकनीक

रांची, संवाददाता ।

राजधानी में ठोस कचरा प्रबंधन को आधुनिक और वैज्ञानिक तरीके से सुधारने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है. रांची नगर निगम ने शहर के विभिन्न इलाकों में मेटेरियल रिकवरी फैसिलिटी केंद्रों की स्थापना की प्रक्रिया तेज कर दी है. झारखंड में यह तकनीक पहली बार लागू होने जा रही है, जो गीले और सूखे कचरे की पहचान कर उन्हें स्वचालित रूप से अलग करने में सक्षम होगी. यह पहल रांची को न केवल स्वच्छ बनाएगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नगर निगम की आय बढ़ाने में भी मदद करेगी.

रांची की 12 जगहों पर आधुनिक एमआरएफ केंद्र स्थापित करने की योजना

रांची नगर निगम द्वारा जारी योजना के अनुसार, जिले के 12 स्थानों पर आधुनिक टफ्क्र केंद्र स्थापित किए जाएंगे. हरमू, मधुकम और कर्बला चौक में एक-एक करोड़ रुपये की लागत से यह केंद्र तैयार किए जा रहे हैं. आईटीआई बस स्टैंड में 1 करोड़ 25 लाख, जगन्नाथपुर में 1.5 करोड़ और नागा बाबा खटाल, टेकर स्टेंड व हटिया क्षेत्र में संयुक्त रूप से डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से यह सुविधा स्थापित की जाएगी. इसके अलावा बड़ा घाघरा में भी डेढ़ करोड़ जबकि कांटाटोली में 80 लाख रुपये की लागत से निर्माण होगा. वहीं मोरहाबादी और खेलगांव में भी यह परियोजना प्रस्तावित हैं. सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधा या एक ऐसा केंद्र होता है जहां घरों, दुकानों और संस्थानों से एकत्रित कचरे को वैज्ञानिक तरीके से छांटा जाता है. यहां मशीनों और श्रमिकों की मदद से कचरे को अलग-अलग वर्गों में विभाजित किया जाता है- जैसे कागज, प्लास्टिक, धातु, बोतल आदि. इसके बाद जो सामग्री दोबारा उपयोग में लाई जा सकती है, उन्हें पुनर्चक्रण केंद्रों या उद्योगों को बेचा जाता है. इस प्रक्रिया से दो बड़े लाभ होते हैं, पहला, शहर के लैंडफिल साइट पर कम कचरा जाता है, जिससे पर्यावरण पर दबाव कम पड़ता है. दूसरा, नगर निगम को पुनर्चक्रण से राजस्व प्राप्त होता है और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं.

झारखंड के लिए नई दिशा

यह पहली बार है जब झारखंड में ऐसी स्वचालित तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है. टफ्क्र मशीन कचरे को गीला और सूखा पहचानकर खुद ही अलग कर देती है, जिससे मैन्युअल छंटाई की आवश्यकता काफी कम हो जाती है. इससे कचरा प्रबंधन प्रक्रिया तेज, साफ-सुथरी और प्रभावी बनती है. पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि यह तकनीक रांची जैसे विकसित हो रहे शहरों के लिए बेहद जरूरी है. एक ओर यह स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग दिलाने में मदद करेगी, वहीं दूसरी ओर शहर में सतत विकास के लक्ष्य को भी आगे बढ़ाएगी.

कचरा प्रबंधन से सड़कों और मोहल्लों में बढ़ेगी स्वच्छता

नगर निगम की योजना है कि आने वाले महीनों में इन केंद्रों का निर्माण पूरा कर संचालन शुरू हो जाएगा. इससे न केवल कचरा प्रबंधन में सुधार होगा बल्कि शहर की सड़कों और मोहल्लों में स्वच्छता का स्तर भी बढ़ेगा. संक्षेप में, एमआरएफ केंद्र रांची के लिए एक नया अध्याय साबित होंगे, जहां कचरे को बोझ नहीं बल्कि संसाधन के रूप में देखा जाएगा. इससे शहर साफ होगा, पर्यावरण बचेगा और 'स्वच्छ रांची हरित रांची' का सपना साकार होगा.

सीयूजे में उद्यमशीलता, अनुसंधान व विकास को बढ़ावा देने के लिए संवाद कार्यक्रम आयोजित

रांची, संवाददाता ।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) में आईआईटी खड़गपुर के सहयोग से उद्यमशीलता, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में सफल स्टार्ट-अप करने वाले युवा उद्यमियों ने विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए और स्टार्ट-अप से जुड़ी चुनौतियों एवं अवसरों पर संवाद किया. इस प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन सीयूजे के करियर डेवलपमेंट सेल और इंस्टीट्यूट इनोवेशन सेल द्वारा किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो केबी पंडा, अध्यक्ष, नैक प्रकोष्ठ, सीयूजे ने की. उन्होंने कहा कि भारत में स्टार्ट-अप संस्कृति को प्रोत्साहित करने में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है. सीयूजे अपने विद्यार्थियों को स्टार्ट-अप के लिए तैयार करने हेतु प्रशिक्षण देगा और उन्हें नवाचार के क्षेत्र में मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगा.

प्रो पंडा ने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय जल्द ही इनक्यूबेशन सेंटर और सेक्शन 8 कंपनी की स्थापना करने जा रहा है जहां छात्र अपने विचारों को व्यवसाय में बदल सकेंगे. कार्यक्रम के समन्वयक प्रो डीबी लाटा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा इस संवाद का मुख्य उद्देश्य छात्रों में उद्यमशीलता की सोच, समस्या समाधान क्षमता और बाजार मूल्य को समझने की दृष्टि विकसित करना है. उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय आईआईटी खड़गपुर के साथ मिलकर इस दिशा में और ठोस कदम उठाएगा ताकि झारखंड से अधिक संख्या में युवा उद्यमी सामने आ सकें.

इन दोनों ने अपनी स्टार्ट-अप यात्रा, चुनौतियां, संघर्ष और सफलता की कहानियां साझा कीं. उन्होंने सीयूजे के विद्यार्थियों को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया. आईआईटी खड़गपुर के उद्यमी प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि हितंकर जैन ने कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य भारत में एक ऐसा वातावरण बनाना है जहां युवा खुद प्रेरित होकर रोजगार देने वाले बनें. सीयूजे जैसे संस्थानों की भागीदारी से यह सपना जल्दी साकार हो सकेगा. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कई प्राध्यापक उपस्थित रहे, जिनमें डॉ भास्कर सिंह, डॉ पीके परिदा, डॉ सुदर्शन यादव, डॉ सुमित कुमार, डॉ डाली रामू, डॉ अंकित सिंह आदि प्रमुख रहे. कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राएं काफी उत्साहित और प्रेरित नजर आए.

पेसा नियमावली मामले में 30 अक्तूबर को सुनवाई

रांची, संवाददाता ।

पेसा नियमावली लागू नहीं होने से जुड़ी अवमानना याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. गुरूवार की सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि नियमावली लागू करने के लिए विभागों से मंतव्य प्राप्त किए जाने की प्रकिया चल रही है इसलिए सरकार को समय दिया जाए. वहीं, सरकार की ओर से उपस्थित महाधिवक्ता ने हाईकोर्ट द्वारा पिछली सुनवाई में बालू घाट की नीलामी के बाद अलॉटमेंट पर लगाई गई रोक के आदेश को हटाने के लिए दायर आईए (हस्तक्षेप याचिका) पर सुनवाई के दौरान अपने आदेश में बदलाव नहीं किया. इस संबंध में आदिवासी बुद्धिजीवी मंच की ओर से अवमानना याचिका दायर की गई है.

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार कोर्ट में उपस्थित रहे. अदालत अब इस अवमानना याचिका पर अगली सुनवाई 30 अक्तूबर को करेगी. हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में इस अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई. प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने पक्ष रखा.

कोयला वारियर्स और कोल इंडिया के विरासत को समर्पित डाक विभाग द्वारा स्पेशल कवर लॉन्च

संवाददाता, रांची

रांचीः रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा आयोजित ह्लनेशनल पीआर कॉनक्लेवह्ण2025ह्व का सफलता पूर्वक समापन हुआ। आज दूसरे दिन सीसीएल मुख्यालय स्थित गंगोत्री कन्वेंशन सेंटर, रांची में संवाद, नवाचार और प्रेरणा से भरे कई सत्रों का आयोजन हुआ। ह्लरिडीफाइनिंग पीआर :: फ्रॉम इनफार्मेशन टू इंगेजमेंट इन द एरा ऑफ डिजिटलाइजेशन ह्व अर्थात ह्लजनसंपर्क का पुनर्परिभाषण : सूचना से सहभागिता तक, डिजिटल युग के संदर्भ मेंह्व विषय पर आधारित इस दो दिवसीय आयोजन में जनसंपर्क जगत के दिग्गजों, मीडिया विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने मिलकर संवाद, अनुभव और नवाचार का एक जीवंत मंच तैयार किया। कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरूआत ह्लरोल ऑफ रेडियोः इनफार्मेशन टू इंगेजमेंट स्पेशली इन रूरल एरियाज ह्व विषय से हुई। रेडियो ऑरेंज, नागपुर की सीईओ इनू मजूमदार ने प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि रेडियो केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि यह भावनाओं का सेतु है जो ग्रामीण भारत को एक सूत्र में जोड़ता है। उन्होंने कहा कि साउंड की शक्ति संवाद को जीवंत बनाती है और जनजागरूकता अभियानों में रेडियो आज भी सबसे प्रभावी माध्यम है।इसके बाद ह्लन्यू ऐज ऑफ पीआर इन द चेंजिंग डिजिटल वर्ल्ड ह्व विषय पर डॉ. समीर कपूर, डायरेक्टर, ऐड फैक्टर्स, दिल्ली ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि आज पीआर 2.0 का युग है, जहाँ डिजिटल मीडिया, यूट्यूबर्स और इंफ्लुएंसर्स जनसंपर्क की दिशा तय कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज हर क्लिक, हर व्यू, और हर पोस्ट कंपनी की छवि गढ़ने में अहम भूमिका निभाता है। साथ ही उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में एंगेजमेंट की भूमिका काफी अधिक मायने रखता है और यह तभी संभव है जब संवाद रणनीतिक और भावनात्मक हो।

इसके उपरांत ह्लरिलेवांस ऑफ कस्टमिजेड स्टाम्प फॉर कोल इंडस्ट्री इन गोल्डन जुबिली ईयर ह्व विषय पर आलोक कुमार गुप्ता, विभागाध्यक्ष, सीसी एवं पीआर, सीसीएल ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर कोल इंडिया के 50 वर्ष पूरे होने पर अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, सीसीएल, निलेंदु कुमार सिंह, निदेशक (वित्त), पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक, पोस्टल सर्विस, झारखंड, आर. वी.चौधरी, ने डाक विभाग द्वारा स्पेशल कवर एवं सॉवेनियर ह्लनवचेतनाह्व का भव्य लोकार्पण किया।

झारखंड चैंबर ने डीजीपी के साथ की बैठक, कानून-व्यवस्था सुधार व अपराध रोकथाम पर चर्चा

रांची, संवाददाता ।

झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने और अपराध नियंत्रण के लिए डीजीपी अनुराग गुप्ता के साथ आज पुलिस मुख्यालय में महत्वपूर्ण बैठक की. बैठक का नेतृत्व चैम्बर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने किया. बैठक में निर्णय लिया गया कि सोमवार 13 अक्तूबर 2025 को डीजीपी की अध्यक्षता में एक ऑनलाइन विस्तृत बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और जिला चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष एवं सचिव शामिल होंगे. डीजीपी कार्यालय ने निर्देश दिया है कि सभी जिलों के पुलिस अधिकारी बैठक से पहले अपने जिले में स्थानीय चैम्बर ऑफ कॉमर्स के साथ बैठक कर व्यापारिक समस्याओं और सुझावों को एकत्र करें. चैम्बर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि यह पहल व्यापारिक गतिविधियों के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है. बैठक में साइबर क्राइम की बढ़ती घटनाओं पर भी चिंता व्यक्त की गई और प्रतिनिधिमंडल ने बैंकों की जवाबदेही सुनिश्चित करने का सुझाव दिया. डीजीपी ने साइबर अपराध रोकथाम और बैंकिंग सुरक्षा पर विशेष सेशन आयोजित करने का आश्वासन दिया और बताया कि आईटी एक्ट की धारा 46 के तहत पीड़ितों के लिए मुआवजे का प्रावधान है. इसके अलावा बैठक में राजधानी रांची की ट्रैफिक व्यवस्था पर भी चर्चा हुई और इसे सुधारने की आवश्यकता पर जोर दिया गया.

दीपावली और छठ के लिए कांटाटोली बस स्टैंड से चलेगी अतिरिक्त 10 बसें

रांची, संवाददाता ।

दीपावली 20 अक्टूबर को मनाई जाएगी. फिर छठ पूजा 25 से शुरू हो जाएगी. इसके लिए रांची से बिहार जाने के लिए रांची के बस स्टैंडों में बुकिंग भी शुरू हो गई है. बिरसा मुंडा बस टर्मिनल कांटाटोली में इन दिनों करीब बिहार के लिए हर दिन 20 बसें रोजाना चल रही है. इसके अलावा करीब दस राज्यों तक रांची से बसों का आना-जाना शुरू हो चुका है. छठ पूजा से एक सप्ताह पहले रांची से बिहार जाने वाली अधिकांश बसों की सीट भर जाती है. यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए रांची में अतिरिक्त दस बसें चलाना पड़ता है. बिरसा मुंडा बस टर्मिनल के अध्यक्ष मुहम्मद इरफान खान ने बताया कि छठ पूजा के दौरान यात्रियों का भीड़ बढ़ जाती है. बस स्टैंड के मैनेजर अफरोज खान ने बताया कि छठ पूजा में बस का किराया बढ़ जाता है. बस एजेंटों ने बताया कि बिहार को जोड़ने वाली अब बहुत सारी रांची से ट्रेन शुरू हो गई है. बिहार तक जाने के लिए अधिकांश लोग ट्रेन पर सफर करना पसंद करते हैं. यहां पर ट्रेन से ज्यादा यात्री भाड़ा लगता है. रांची का बिरसा मुंडा बस टर्मिनल सबसे बड़ा है. इसमें करीब 19 काउंटर बनाये गये हैं. यहां से करीब 350 बसें रोजाना चलती हैं. साथ ही दस राज्यों के लिए भी यहां से बसें चलती हैं. जिसमें छत्तीसगढ़, दुर्ग, भिलाई, रायपुर, बनारस, आजमगढ़, इलाहाबाद, बंगाल, बिहार, ओडिशा तक चलती है. इन सभी राज्यों में चलने वाली बसों के लिए माइक से उनाउंस किया जाता है और लोगों को बस के बारे निर्देश दिया जाता है.

आईटीआई बस स्टैंड से चलती है बिहार के लिए एक बस

रांची का दूसरा आईटीआई बस स्टैंड दूसरे स्थान पर है. यहां से करीब 200 बसें रोजाना चलती है. इस बस स्टैंड से केवल झारखंड के जिलों लोहरदगा, गुमला, पाकुड़, साहबेगंज समेत अन्य जिलों तक बस चलती है. यहां पर केवल एक कृष्णा रथ ही पटना तक चलती है.

रिम्स में फायर सुरक्षा पर विवाद : प्रशासन ने दी सफाई, एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने की चेतावनी

रांची, संवाददाता ।

राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) प्रशासन ने फायर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्ती दिखाते हुए जिम्मेदार एजेंसी को लीगल नोटिस भेजा है और जल्द कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं. रिम्स प्रशासन के अनुसार, संस्थान में फायर एक्सटिंग्विशर के संचालन की जिम्मेदारी वाह्यश्रोतीय एजेंसी मेसर्स Value spaces Pvt Ltd को सौंपी गई है. एजेंसी द्वारा कुल 866 फायर एक्सटिंग्विशर लगाए गए हैं, जिनमें से 501 का रिफिल कार्य पूरा कर लिया गया है. जबकि शेष उपकरणों का रिफिल कार्य प्रक्रिया में है. संस्थान ने बताया कि एजेंसी को कई बार पत्राचार किया गया है और निविदा शर्तों का पालन नहीं करने एवं कार्य में लापरवाही बरतने पर ब्लैकलिस्ट करने की चेतावनी दी गई है. रिम्स ने यह भी जानकारी दी कि फायर सेफ्टी व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए नई निविदा जारी कर दी गई है. साथ ही फायर सेफ्टी ऑफिसर एवं तकनीकी कर्मचारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी प्रगति पर है. रिम्स प्रशासन ने कहा है कि संस्थान अपने सभी कर्मचारियों, मरीजों और आगंतुकों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की लापरवाही को स्वीकार नहीं किया जाएगा.

सीयूजे में पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन, वीसी बोले-शोध व पठन-पाठन को मिलेगा नया आयाम

सोशल मीडिया के युग में पुस्तकें बनेंगी शोध और नवाचार की आधारशिला : कुलपति

रांची, संवाददाता ।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में दो दिवसीय (8-9 अक्टूबर) पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है. आज प्रदर्शनी का दूसरा और आखिरी दिन है. प्रदर्शनी में 100 से अधिक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक भाग ले रहे हैं, जिनमें एल्सेविएर, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, सेज, पीयरसन, रूटलेज जैसे नाम प्रमुख हैं. प्रदर्शनी में 20 से अधिक स्टॉल्स लगाए गए हैं, जिसमें विभिन्न विषयों की पुस्तकें प्रदर्शित की गई हैं. यह पुस्तक विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी.

कुलपति ने किया उद्घाटन

प्रदर्शनी कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने किया. उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर में पुस्तकों का महत्व और भी बढ़ गया है. ज्ञान के इस अपार भंडार से छात्र और शोधार्थी न केवल व्यक्तिगत रूप से लाभान्वित होंगे, बल्कि देश में शोध और नवाचार को भी नई ऊंचाई देंगे. कुलपति ने आयोजन में शामिल पुस्तकालय टीम के प्रयासों की भी सराहना की. उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विश्वविद्यालय को एक जीवंत शिक्षण केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक होंगे.

पठन संस्कृति को मिलेगा प्रोत्साहन

आयोजन संयोजक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ सुजीत कुमार पांडेय ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देना और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सामग्री से जोड़ना है. विद्यार्थी और शिक्षक अपनी पसंद की किताबों की अनुशंसा कर सकते हैं, जिन्हें पुस्तकालय खरीदेगा. उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ शंभु राज उपाध्याय ने बताया कि प्रदर्शनी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पुस्तकों को भी प्रमुखता दी गई है. इस अवसर पर प्रो कुंज बिहारी पंडा, प्रो भगवान सिंह, प्रो एके पाधी, डॉ सौमेन डे, डॉ नागपवन चिंतालपति समेत कई गणमान्य शिक्षक उपस्थित रहे.

खूंटी में कांग्रेस के 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान पर सियासत तेज, बीजेपी ने बच्चों की मौजूदगी पर उठाए सवाल

रांची, संवाददाता ।

जिले में कांग्रेस का 'वोट चोर, गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान जोर-शोर से चल रहा है. इस अभियान में कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश सहित कई वरिष्ठ नेता विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों तक पहुंच रहे हैं. मंगलवार को तोरपा में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों की मौजूदगी ने सियासी विवाद को जन्म दे दिया है. भाजपा ने इस मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बच्चों को राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल करने पर सवाल उठाए हैं.

भाजपा का कांग्रेस पर कटाक्ष, बिहार का दिया हवाला

भाजपा के जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता ने कांग्रेस के अभियान में बच्चों की भागीदारी पर तंज कसते हुए कहा कि बिहार में भी कांग्रेस ने इसी तरह के कार्यक्रम में बच्चों को शामिल किया था, जहां बच्चों ने 'देश का नेता मोदी जैसा हो' और 'प्रधानमंत्री कैसा हो, मोदी जैसा हो' के नारे लगाए थे. उन्होंने चेतावनी दी कि खूंटी में भी ऐसा हो सकता है. गुप्ता ने कांग्रेस को नसीहत देते हुए कहा, ₹बच्चों को राजनीतिक कार्यक्रमों से दूर रखें. प्रजातंत्र में विरोध करना आपका संवैधानिक अधिकार है, लेकिन बच्चों को लेकर सावधानी बरतें.

कांग्रेस का पलटवार, 'भाजपा की जमीन खिसक रही'

कांग्रेस जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने भाजपा के बयानों का जवाब देते हुए कहा कि जहां भी राहुल गांधी का नाम आता है, वहां बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों में उत्साह देखने को मिलता है. उन्होंने स्वीकार किया कि तोरपा के एक पंचायत में बच्चे कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने नेताओं का फूलों से स्वागत किया. मिश्रा ने कहा कि हमारे नेताओं ने बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया. झारखंड प्रभारी ने बच्चों से कहा कि वे पढ़-लिखकर आईएएस बनें और खूंटी का नाम रोशन करें. उन्होंने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा बैकफुट पर है और अपनी खिसकती जमीन बचाने के लिए कुछ भी बोल रही है. खूंटी में उनकी जमीन खत्म होने वाली है. सांसद प्रतिनिधि ने बताया कि झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, जो स्वयं आईएएस रह चुके हैं और मनरेगा, जेएसएलपीएस जैसी योजनाओं के निर्माण से जुड़े हैं, उनके स्वागत में शिक्षिकाएं और बच्चियां शामिल हुईं. उन्होंने कहा कि स्कूल का समय हो या न हो, बच्चे स्वागत के लिए आ जाते हैं.

मांडर में ऐतिहासिक मुड़मा जतरा शांतिपूर्वक संपन्न, हजारों श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

मुड़मा जतरा समापन समारोह में शामिल हुए मंत्री चमरा लिंडा, शिल्पी नेहा तिर्की और जेसीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव

संवाददाता । रांची

मांडर : झारखंड राज्य का दो दिवसीय ऐतिहासिक मुड़मा जतरा मेला गुरुवार को शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। यह जतरा आदिवासी समाज के सामाजिक और धार्मिक विचारों के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण केंद्र है, जिसमें देश-विदेश के हजारों लोगों ने भाग लिया।

समापन समारोह में मंत्री और गणमान्य हुए शामिल

जतरा के समापन समारोह में आदिवासी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने मुख्य अतिथि और कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की व जेसीए के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।नेताओं ने सरना धर्मगुरु बंधन तिग्गा के साथ जतरा स्थल पर स्थित शक्ति खूंटा की पूजा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति के लिए आशीर्वाद मांगा।भविष्य में जतरा को और भव्य बनाने का आह्वानसमारोह को संबोधित करते हुए चमरा लिंडा ने कहा कि मुड़मा जतरा की गरिमा को समझते हुए इसे और भव्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जतरा स्थल को आदिवासियों का तीर्थ स्थल मानते हुए, बगैर किसी विवाद के जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। उन्होंने पिछले 25 वर्षों में आई सामाजिक, धार्मिक, वैचारिक और राजनीतिक चेतना का उल्लेख किया और समाज को आगे बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि मुड़मा जतरा का देश-विदेश में नाम है और मांडर विधानसभा में होने के नाते इसे भव्य रूप से आयोजित करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि झारखंड सरकार आदिवासी और मूलवासी की जनभावना के साथ खड़ी है और उनके लिए काम कर रही है।जेसीए के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव ने मुड़मा जतरा को आदिवासी समाज की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान बताया और इसके सफल आयोजन के लिए सरना धर्मगुरु बंधन तिग्गा और राजी पाड़हा जतरा संचालन समिति को बधाई दी। उन्होंने इसे मिल-जुलकर आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

सांस्कृतिक परंपरा और भीड़

समापन से पहले, परंपरा के अनुसार 40 पाड़हा के खोड़हा अपने पारंपरिक पाड़हा निशान जैसे काठ के हाथी, घोड़े, मगरमच्छ, बाघ, चीता, मछली आदि के साथ, मांदर व नगाड़े की थाप पर थिरकते हुए जतरा स्थल पर पहुँचे और शक्ति खूंटा की परिक्रमा की।ऐसी मान्यता है कि इस जतरा में तमाम गाँव के देवी-देवता भी शामिल होते हैं।

इस वर्ष की दो दिवसीय जतरा मेला में भारी भीड़ उमड़ी। नेपाल के अलावा भूटान, बांग्ला देश, असम, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार के लोग भी शामिल हुए। कई पाड़हा के पाड़हा राजा लकड़ी के हाथी, घोड़ा व ऊंट पर सवार होकर अपने खोड़हा के साथ जतरा में पहुँचे थे।समारोह में राजी पाड़हा प्रार्थना सभा के विद्यासागर केरकेट्टा ने स्वागत भाषण दिया और रवि तिग्गा ने संचालन किया। इस अवसर पर आगत अतिथियों को सरना गमछा व पौधा देकर सम्मानित किया गया।

झारखण्ड पुलिस और भारतीय स्टेट बैंक के बीच हुए एम0ओ0यू0 में विस्तार

संवाददाता । रांची

रांची। आज दिनाक-09.10.2025 को पुलिस मुख्यालय, झारखण्ड, राँची स्थित सभागार में पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड की उपस्थिति में एस०बी०आई० के वरीय अधिकारियों के द्वारा राज्य पुलिस कर्मियों के हित में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ हुए सैलरी पैकेज टड्ढव से संबंधित नई सुविधाओं के संबंध में व्यापक रूप से चर्चा करते हुए जानकारी साझा किया गया। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक की ओर से पटना मंडल के मुख्य महाप्रबंधक श्री अनुराग जोशी एवं पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड दोनों ने पुष्छगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर एक-दूसरे को सम्मानित किया।

बैठक में बताया गया कि अब इस टड्ढव के अंतर्गत 10 लाख का ग्रुप टर्म लाइफ इंश्योरेंस (जीवन बीमा) भी जोड़ा गया जिसमें यदि किसी पुलिसकर्मी की मृत्यु आकस्मिक दुर्घटना के अतिरिक्त किसी अन्य कारण से होती है, तो भी उनके परिजनों को 10 लाख का बीमा लाभ प्रदान किया जाएगा।कवरेज शामिल है, इसके साथ ही पुलिसकर्मियों के परिवारों को भी कई प्रकार के लाभ उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

आगे बैठक में बताया गया कि वर्ष 2023 में हुए हुए पहले टड्ढव के बाद से अब तक 32 पुलिसकर्मियों के परिजनों को आकस्मिक बीमा लाभ प्रदान किया गया है. जबकि टड्ढव से पहले की घटनाओं में 9 परिवारों को यह लाभ मिला है। इस प्रकार, पिछले दो वर्षों में कुल 43 परिवारों को सहायता प्रदान की गई है।

पुलिस महानिदेशक, झारखंड ने इस अवसर पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एस०बी०आई० बैंक ने पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के हित में अत्यत सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक श्री विकाश कुमार पांडे को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।इस अवसर पर झारखण्ड पुलिस की ओर से श्री प्रभात कुमार पुलिस महानिरीक्षक, विशेष शाखा, झारखण्ड, श्रीमती ए० विजयालक्ष्मी, पुलिस महानिरीक्षक, प्रशिक्षण, झारखण्ड, श्री क्रांति कुमार गडिदेशी, पुलिस महानिरीक्षक, मानवाधिकार, झारखण्ड, डॉ० माईकलराज एस०. पुलिस महानिरीक्षक, अभियान, झारखण्ड, श्री अनुप बिरथरे, पुलिस महानिरीक्षक, जगुआर, झारखण्ड, श्री इंद्रजीत माहथा, पुलिस उप-महानिरीक्षक, जगुआर, झारखण्ड, श्री एस० कार्तिक, उप-महानिरीक्षक, झा०स०पु०, झारखण्ड, श्री सुरेन्द्र कुमार झा. पुलिस उप महानिरीक्षक, कार्मिक, झारखण्ड, श्री चौथे मनोज रतन, पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष शाखा, झारखण्ड, श्रीमती संध्या रानी मेहता, पुलिस उप-महानिरीक्षक, बजट, झारखण्ड एवं पुलिस एसोसिएशन / पुलिस मेन्स एसोसिएशन के सदस्य तथा एस०बी०आई० के श्री विवेक चंद्र जयसवाल,

शहर के प्रसिद्ध चर्म रोग विशेषज्ञ डॉक्टर बीएन प्रसाद जी का निधन

संवाददाता । रांची

रांची:शहर के वरीय पैथोलॉजिस्ट डॉ. बीएन प्रसाद का निधन शुक्रवार को पटना के एक अस्पताल में हो गया। वह 65 वर्ष के थे और कुछ समय से बीमार थे। पटना में उनका इलाज चल रहा था। अपने पीछे इकलौत पुत्र डॉ. कृष्णनंदन को छोड़ गये हैं। पुत्र कटिहार मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर हैं। उनके निधन से शहर के चिकित्सकों में शोक की लहर है। ब्रह्मपुरा स्थित आवास पर पार्थिव शरीर पहुंचने के बाद अंतिम दर्शन के लिए शहरवासियों का तांता लगा रहा। डॉ. उपेंद्र प्रसाद, डॉ. बीएन झा, डॉ. निशिन्द्र किंजल्क, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. प्रवीण चंद्रा, डॉ. ओमप्रकाश, डॉ. ब्रजमोहन, डॉ. डीएन साहू समेत अन्य ने पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। भाजपा नेता भूपाल भारती ने उनके निधन को चिकित्सा जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। देर शाम पहलेजा घाट पर डॉ. बीएन प्रसाद का अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि पुत्र डॉ. कृष्णनंदन ने दी।

शहर के वरीय पैथोलॉजिस्ट डॉ. बीएन प्रसाद का निधन शुक्रवार को पटना के एक अस्पताल में हो गया। वह 65 वर्ष के थे और कुछ समय से बीमार...

खेलो झारखंड के तहत राज्य स्तरीय वूशु, ताइक्वांडो और तैराकी प्रतियोगिता का हुआ भव्य शुभारंभ

संवाददाता । रांची

रांची :स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (खएढउ) रांची के तत्वाधान में खेलो झारखंड के तहत राज्य स्तरीय वूशु, ताइक्वांडो और तैराकी प्रतियोगिताओं का भव्य शुभारंभ आज गुरुवार को किया गया। खेलगांव स्थित ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में वूशु, गणपत राय इंडोर स्टेडियम में ताइक्वांडो तथा सिद्धू कान्हु स्विमिंग स्टेडियम में तैराकी प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।आज प्रतियोगिता का संयुक्त उद्घाटन समारोह टाना भगत इंडोर स्टेडियम में हुआ, जहां सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर वूशु, ताइक्वांडो और योग के खिलाड़ियों ने मनमोहक डेमोंस्ट्रेशन का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री मधुकांत पाठक, महासचिव, झारखंड ओलंपिक संघ; विशिष्ट अतिथि श्री शिवेंदु दुबे, कोषाध्यक्ष, झारखंड ओलंपिक संघ; श्री संजय झा, महासचिव योग संघ; श्री मिथलेश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष, झारखंड ताइक्वांडो संघ; श्री उपेंद्र तिवारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।जिन्हें राज्य खेल कोषांग के सदस्यों द्वारा पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, पौधा और मोमेंटो प्रदान कर स्वागत किया गया।दिनभर चली प्रतियोगिताओं में राज्य के विभिन्न जिलों से आए हजारों खिलाड़ियों ने वूशु, ताइक्वांडो, तैराकी के साथ-साथ योग, मुक्केबाजी, नेटबॉल, बास्केटबॉल, वेटलिफ्टिंग और मलखंभ जैसे खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। खिलाड़ी राज्य टीम में चयन के लिए पसीना बहाते दिखे। मुख्य अतिथि श्री मधुकांत पाठक ने अपने संबोधन में कहा ह्लएक अच्छा ओलंपियन बनने के लिए 10 हजार घंटे का अभ्यास जरूरी है। वहीं 16 वर्ष से कम उम्र के खिलाड़ियों को सप्ताह में 7 से 8 घंटे ही अभ्यास करना चाहिए।श्री शिवेंदु दुबे, कोषाध्यक्ष, झारखंड ओलंपिक संघ ने कहा ह्लशिक्षा विभाग खेल प्रतिभाओं को निखारने में पूरी तरह समर्पित है। हमने जो सपना देखा था, वह आज धीरे-धीरे साकार होता दिख रहा है।ह्व स्वागत भाषण में श्री धीरसेन ए. सोरेंग, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, जेईपीसी, रांची ने कहा खेलो झारखंड केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक संकल्प है, झारखंड के हर गाँव, हर स्कूल और हर घर में खेल की भावना को जगाने का।

विधि-व्यवस्था एवं अपराध की रोकथाम हेतु डीजीपी के साथ झारखण्ड चैम्बर की बैठक

संवाददाता । रांची

रांची ।प्रदेश की कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और अपराध नियंत्रण को लेकर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा के नेतृत्व में आज झारखण्ड चैम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी श्री अनुराग गुप्ता से पुलिस मुख्यालय में विस्तृत चर्चा की। वार्ता के क्रम में यह निर्णय लिया गया कि सोमवार, 13 अक्टूबर 2025 को डीजीपी की अध्यक्षता में विधि-व्यवस्था एवं अपराध की रोकथाम हेतु एक ऑनलाइन वृहद बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी जिलों के वरीय पुलिस अधीक्षक / पुलिस अधीक्षक तथा जिला चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष एवं सचिव शामिल होंगे।डीजीपी कार्यालय द्वारा इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों को यह कहा गया है कि वे बैठक से पूर्व अपने-अपने जिले में स्थानीय जिला चैम्बर ऑफ कॉमर्स के साथ बैठक कर व्यापार जगत से संबंधित समस्याओं एवं सुझावों को संकलित करें। इस अवसर पर चैम्बर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य प्रदेश की कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाना तथा व्यापारिक गतिविधियों के लिए एक सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करना है। इस संबंध में झारखण्ड चैम्बर द्वारा सभी जिलों के चैम्बर ऑफ कॉमर्स को पत्राचार कर जानकारी दी गई है।बैठक के दौरान राज्य में साइबर क्राइम की बढ़ती घटनाओं पर भी चिंता व्यक्त की गई। प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि साइबर अपराध की घटनाओं में बैंकों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। चैम्बर के आग्रह पर डीजीपी ने जल्द ही साइबर अपराध की रोकथाम एवं बैंकिंग सुरक्षा पर एक विशेष सेशन आयोजित करने के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि आईटी एक्ट की धारा 46 के अंतर्गत पीड़ितों के लिए मुआवजे का प्रावधान है। बैठक के दौरान राजधानी रांची की ट्रैफिक व्यवस्था पर भी चर्चा की गई और इसे सुधारने की आवश्यकता पर बल दिया गया।प्रतिनिधिमंडल में चैम्बर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष राम बांगड़, प्रवीण लोहिया, सह सचिव नवजोत अलग और रोहित पोद्दार शामिल थे।

थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए रक्तदान-महादान अभियान थैंक्यू अंकल के नाम से अध्याय-2 का शुभारंभ हुआ...लहू बोलेगा

संवाददाता । रांची

रांची। आज थैलेसीमिया/सिकल सेल/अप्लास्टिक एनीमिया पीड़ितों के लिए ₹लहू बोलेगा₹ रक्तदान संगठन रांची एवं झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में रांची सदर अस्पताल ब्लड बैंक से रक्तदान-महादान शिविर अभियान की शुरूआत ₹थैंक्यू अंकल₹ के नाम से अध्याय-2 से हुआ जो पीड़ितों/रक्तदाताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ।जिसमें रक्तदान-महादान के जनजागरुकता एवं शिविर का अभियान विभिन्न संगठनों/सरकार/अधिकारियों/संस्थानों से वार्ता कर शिविर आयोजित हो,पीड़ितों को सरकारी सुविधाओं का लाभार्थी बनाना एवं योजनाओं/मुद्दों/समस्याओं एवं निदान पर कार्य करना शामिल है।

आज के रक्तदान-महादान शिविर में 08 यूनिट रक्तदान हुआ और अतिरिक्त 07 रक्तदाताओं रिजेक्ट हुए(होमोग्लोबिन कम/वजन कम/मौसमी दवा खाने पर).वहीं तीन थैलेसीमिया पीड़ितों को ब्लड दिलाया गया।रक्तदान-महादान शिविर में भारत सरकार की दिव्यंजनों की छात्रवृत्ति/जीविकोपार्जन ₹एनएसपी₹ योजना के तहत 13 से 30 वर्षीय दिव्यंजनों/थैलेसीमिया/सिकल सेल/अप्लास्टिक एनीमिया के पीड़ितों के लिए सालाना 40,000 से 80,000 हजार की एनएसपी योजना के तहत 14 पीड़ितों का ऑन स्पॉट ऑन लाईन फॉर्म दिव्यंजनों के विशेष शिक्षक पॉवेल कुमार और विशेष शिक्षक सपना कुमारी के द्वारा लाभुक बनाया गया।

वहीं शिविर में थैलेसीमिया पीड़ित नीट छात्रा साक्षी सिंह का जन्मदिन केक/बिस्कुट/चॉकलेट/फल/भोजन के साथ मनाया गया।

रक्तदान करने वाले में दिव्यंजनों के विशेष शिक्षक पॉवेल कुमार,सपना कुमारी,रोहित कुमार,सोनू कुमार,आशीष कुमार एवं अन्य थे।

कार्यक्रम में थैलेसीमिया पीड़ितों ने सभी रक्तदाताओं को पुष्प और फल देकर थैंक्यू अंकल कहा अतिथियों को झारखंडी अंगवस्त्र देकर स्वागत किया।कार्यक्रम में नदीम खान,पॉवेल कुमार,सुखनाथ लोहरा,इंजीनियर राजीव राजू,मो तौसिफ,सीमा देवी,देवकी देवी,मोना सिंह,रीना मुंडा,नीलम देवी,पीड़ित सोनम कुमारी,साक्षी सिंह,प्रगति कुमारी,चंद्रदेब महतो,मुस्कान कुमारी,लीला देवी,शुभाशीष महतो एवं बिरसा विकलांग उत्थान एवं कल्याण समिति,धुर्वा राँची विशाल कुमार,मो शाकिब सहित अकरम राशिद,मो मोजाहिद, साजिद उमर,मो बब्बर,मो बुलंद,डॉ दानिश रहमानी शामिल थे।

ब्रीफ न्यूज

भाजपा शासन में प्रतियोगी परीक्षाओं का बेडागर्क किया गया, हेमंत सरकार ने परीक्षाएं पारदर्शी बनाई : विनोद पांडेय

संवाददाता । रांची

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव विनोद पांडेय ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि झारखंड के युवाओं के साथ वास्तविक विश्वासघात वे लोग कर रहे हैं, जिन्होंने 17-18 साल इस राज्य पर शासन किया और एक भी नियमित भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं की। उन्होंने कहा कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (खरसउ) की परीक्षा रद्द करने का फैसला पारदर्शिता और तकनीकी शुचिता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। यही निर्णय एक जिम्मेदार सरकार का संकेत है। भाजपा शासन काल में प्रतियोगी परीक्षाओं का बेडागर्क किया गया जिसे सुधार कर हेमंत सरकार ने पारदर्शी बनाया है। विनोद पांडेय ने कहा, ह्लभाजपा के नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए कभी-कभी कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं। सरकार जो भी निर्णय ले रही है वह युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए ले रही है। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी युवाओं के नाम पर सस्ती राजनीति कर रहे हैं। वे यह भूल जाते हैं कि भाजपा शासनकाल में कितनी बार नियुक्तियों की अधिसूचनाएं जारी कर उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। बाबूलाल मरांडी के मुख्यमंत्री रहते जेपीएससी की जो दुर्दशा हुई उसे ये राज्य कभी भुला नहीं सकता। रघुवर सरकार के समय खरसउ परीक्षा में पेपर लीक के मामलों की जांच दबा दी गई थी।विनोद पांडेय ने कहा कि - हेमंत सोरेन की सरकार युवाओं के हित में पूरी जिम्मेदारी से फैसले लेती है। हमारी प्राथमिकता किसी भी परीक्षा को शुचिता के साथ पूरा कराना है, न कि किसी नेता की बयानबाजी को शांत करना है। उन्होंने भाजपा से सवाल किया कि जिन युवाओं को आज अवसर मिल रहा है, उनके लिए भाजपा ने सरकार में रहते कौन-सा रोजगार सृजन कार्यक्रम चलाया था? उन्होंने आगे कहा- मरांडी जी को झूठ की राजनीति छोड़कर युवाओं को यह बताना चाहिए कि हेमंत सरकार उनके कल्याण के लिए कौन-कौन सी योजनाएं चला रही है।

मिशन वात्सल्य पर भाजपा की बयानबाजी सिर्फ राजनीतिक नौटंकी : विनोद पांडेय

भाजपा द्वारा मिशन वात्सल्य को लेकर लगाए गए आरोपों पर झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा को बाल अधिकारों की चिंता अब याद आ रही है, जब केंद्र ने खुद इस योजना के तहत फंड वितरण में कई तकनीकी अड़चनें पैदा की हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं में वित्तीय साझेदारी के तहत केंद्र और राज्य दोनों को अपने हिस्से का योगदान देना होता है, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा जानबूझ कर लोकतांत्रिक रूप से प्रचंड बहुमत से चुनी गई लोकप्रिय सरकार को बदनाम करने की साजिश के तहत फंड का आवंटन नहीं किया जा रहा है। केंद्र के इस सौतेला व्यवहार का हिसाब जनता ने लगातार दूसरी बार हेमंत सोरेन को सत्ता की बागडोर सौंप कर चुकता कर दिया है। विनोद पांडेय ने कहा कि झारखंड सरकार बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मिशन वात्सल्य के सरकार हर बाल गृह, उहउ और खखइ के संचालन को मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। पांडेय ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि जो पार्टी स्वयं बाल श्रम और मानव तस्करी रोकने के बजाए झारखंड के गरीब परिवारों को पलायन की ओर धकेलती रही, उसे आज बच्चों के भविष्य की बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।उन्होंने कहा कि ह्लभाजपा की राजनीति केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस और झूठे आंकड़ों तक सीमित है। हकीकत यह है कि मिशन वात्सल्य के लिए राज्य ने केंद्र से बार-बार धन जारी करने की मांग की, लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक पैसा नहीं भेजा है। विनोद पांडेय ने कहा कि हेमंत सरकार का फोकस बच्चों का भविष्य है। बाल अधिकारों की रक्षा के लिए राज्य में महिला एवं बाल विकास विभाग और समाज कल्याण तंत्र को मजबूत किया गया है। आज पूरे देश में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की चर्चा हो रही है। भाजपा सिर्फ आरोपों की राजनीति कर रही है, जबकि हेमंत सरकार संवेदनशीलता और ज़िम्मेदारी के साथ राज्य के हर बच्चे और हर परिवार की सुरक्षा के लिए समर्पित है।

बहुजन समाज पर बढ़ते अत्याचार पर मोदी सरकार कब देगी जवाब? : रांची विश्वविद्यालय एनएसयूआई अध्यक्ष कैफ अली

संवाददाता । रांची

रांची :हाल ही में रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की भीड़ द्वारा की गई निर्मम पिटाई से मौत और देश के दूसरे दलित सीजेआई बी.आर. गवई पर सर्वोच्च न्यायालय में जूता फेंकने का प्रयास, लोकतंत्र, संविधान और न्यायपालिका की गरिमा पर सीधा हमला है। ये घटनाएँ साबित करती हैं कि बहुजन समाज आज भी सुरक्षित नहीं है और न्याय की उम्मीद सत्ता की चुप्पी में दम तोड़ रही है।

मोदी सरकार की नीतियों और मौन रवैये के खिलाफ रांची विश्वविद्यालय एनएसयूआई अध्यक्ष कैफ अली के नेतृत्व में डोरंडा कॉलेज, रांची के पास शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसमें एनएसयूआई रांची जिला अध्यक्ष सतीश केशरी, नगर अध्यक्ष अरोहन मंडल, उपाध्यक्ष विश्वजीत सिंह, शादमान खान, तल्हा अफरोज, आयुष शर्मा, मेराज खान, शाद गौहर, अली रजा, सुधांशु कुमार, ऋतिक कुमार, हतिक ओझा सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे। प्रदर्शन में न्याय और समानता की मांग करते हुए केंद्र सरकार की नाकामी पर तीखी आलोचना की गई।

कैफ अली ने कहा, यह सिर्फ दो घटनाओं का दर्द नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की सच्चाई है जो बहुजन समाज के अस्तित्व पर वार कर रही है। हरिओम वाल्मीकि की हत्या और बी.आर. गवई पर हमला, यह दोनों बताती हैं कि संविधान और न्यायपालिका तक सुरक्षित नहीं। एनएसयूआई देश भर में इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठा रही है और हम मोदी सरकार से पूछते हैं कब तक बहुजन समाज को न्याय से दूर रखोगे?

एनएसयूआई ने यह स्पष्ट किया कि उनका यह संघर्ष शांतिपूर्ण होगा और संविधान के रास्ते पर चलेगा। हम बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के दिखाए मार्ग पर चलकर अन्याय के हर रूप का विरोध करेंगे। हमारा संकल्प है कि जिस भारत का सपना बाबा साहब ने देखा था वह भारत जहाँ कोई भी नागरिक डर, दमन या भेदभाव के बिना जी सके उसे हम वास्तविकता में लाएँगे

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी कोषांगों के नोडल एवं सहायक प्रभारी पदाधिकारियों के साथ की बैठक

कहा निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन का अनुपालन कर सभी कोषांग दायित्वों का करें निर्वहन

जमशेदपुर, संवाददाता

समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में घाटशिला उपचुनाव को लेकर सभी कोषांगों के वरीय, प्रभारी एवं सहायक प्रभारी पदाधिकारी के साथ बैठक आहूत की गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी कोषांग के वरीय पदाधिकारी कोषांगों की कार्ययोजना के अनुरूप मिशन मोड में कार्य शुरू कर दें। उन्होंने क्रमवार निर्वाचन कोषांग, कार्मिक कोषांग, ईवीएम कोषांग, स्वीप कोषांग, सामग्री कोषांग, व्यय लेखा कोषांग, मतपत्र कोषांग, वाहन कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, सूचना एवं तकनीकी कोषांग, एमसीसी कोषांग, मीडिया एवं एमसीएमसी कोषांग, कंट्रोल रूम, प्रेक्षव कोषांग, पीडब्लूडी कोषांग के कार्ययोजना की जानकारी भी ली। साथ ही क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा भी की गई। उन्होंने सभी कोषांगों के पदाधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्वाचन कार्य की सुचिता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाये रखने के लिए जरूरी है कि प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मी अपने दायित्वों को अच्छी तरह से समझ लें। उन्होंने सभी कोषांगों को निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन के अनुरूप तैयार कार्ययोजना एवं उसके सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के संदर्भ में निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने मतदाता जागरूकता पर विशेष बल देते हुए कहा कि स्वीप कोषांग व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम संचालित करे ताकि एक-एक मतदाता को मताधिकार के प्रयोग को लेकर जागरूक किया जा सके। कार्मिक कोषांग को त्रुटिरहित कर्मियों की शुद्ध सूची तैयार करने, प्रशिक्षण कोषांग को अंतिम रूप से प्रशिक्षण कैलेंडर तैयार कर कर्मियों को समय पर प्रशिक्षण देने, ईवीएम कोषांग को प्रशिक्षण कार्य के लिए उपयोग होने वाले ईवीएम का आकलन कर उपलब्ध कराने, विधानसभावार तैयार किये जाने वाले डिस्पैच सेंटर पर निर्धारित एसओपी के अनुरूप सभी व्यवस्था किए जाने, निर्वाचन के दिन बूथ पर प्रयुक्त होने वाली सभी सामग्रियों की वास्तविक संख्या के आधार पर उपलब्धता सुनिश्चित कराने, वाहन कोषांग को वाहनों की आवश्यकता के अनुरूप उपलब्धता सुनिश्चित कराने, सोशल मीडिया पर गहन निगरानी रखे जाने समेत निर्वाचन कार्य के सफल संपादन को लेकर अन्य महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में उप विकास आयुक्त, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर, विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी, डीटीओ, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, एलआरडीसी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस समेत अन्य भी मौजूद थे।

गुटका, मिलावटी खाने का समान बेचने वालों पर कारवाई होगी : लातेहार डीसी

लातेहार, संवाददाता

आगामी पर्व त्योहार को देखते हुए उपायुक्त लातेहार उत्कर्ष गुप्ता ने जिले में खाद्य पदार्थ गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डा० मोइन अख्तर के नेतृत्व में लगातार जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया है,जिसमें कारवाई भी हुई है, इन दिनों सोशल मीडिया/इंटरनेट पर पुराने आलू को कृत्रिम रूप से नया आलू बनाने से संबंधित खूब चर्चा हो रही है। आमजनो का मानना है की इस प्रक्रिया से उपभोक्ताओ के स्वास्थ्य पर प्रतिकुल प्रभाव पड़ेगा , इस तथ्य की पुष्टि हेतु खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, लातेहार द्वारा आज दिनांक-09.10.225 को लातेहार शहरी क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न खाद्य कारोबारियों को औचक निरीक्षण कर रसायनिक जांच हेतु आलू, का नमूना लिया गया। नमूना मुख्यतः बाजार टांड़ स्थित थोक व्यवसाय सुरेश प्रजापति एवं श्री गोविन्द प्रसाद साहु से लिया गया ,

निरीक्षण के क्रम थाना चौक के पास प्रतिबंधित गुटखा/जर्दा पाए जाने पर दो कारोबारियों से कोटपा के तहत 400/- रुपए का अर्थदण्ड लगाया गया , सब्जी बाजार स्थित जेनरल स्टोर श्री राजेश कुमार के दुकान से Expiry Bread को नष्ट कराया गया, दोबारा ऐसा नहीं करने की चेतावनी दी गई। मेन रोड स्थित मे हिन्दुस्तान बेकरी को अपने सारे उत्पाद मे FSSAI License, निमार्ता का नाम एवं पता Expiry Date इत्यादि अंकित करने का निदेश दिया गया। मे० प्रियंका ग्रोसरी जेनरल स्टोर को बिना अनुज्ञप्ति के प्रतिष्ठान संचालन करने पर नोटिस जारी किया गया 14 दिनों के अंदर अनुज्ञप्ति लेने हेतु निदेश दिया गया। मेन रोड स्थित मे० आयुष्मा स्वीट्स में मिठाइयों की गुणवत्ता की जांच कि गई। कालाकंद एवं खोवा सही पाया गया परन्तु रसगुल्ला में स्टार्च की मिलावट पाई गई। उसे सुधार हेतु नोटिस जारी किया गया।

कदमा जयप्रकाश नगर बस्ती से पिस्टल, कट्टा और कारतूस के साथ आशीष मछुआ गिरफ्तार

❖जुआ खेलने के दौरान नाल के पैसों को लेकर आशीष और तरुण मछुआ में हुआ था विवाद

जमशेदपुर, संवाददाता

बीते गुरुवार की रात्रि लगभग 9 बजे कदमा थाना अंतर्गत शास्त्री नगर ब्लॉक नंबर 5 स्थित जयप्रकाश नगर बस्ती से देसी पिस्टल, कट्टा और चार जिंदा कारतूस के साथ पुलिस ने छापेमारी कर आशीष मछुआ, रविनाथ मछुआ समेत अन्य को गिरफ्तार किया है। जिसके बाद सभी से थाने में पूछताछ चल रही है। मामले में सूत्रों के अनुसार तरुण मछुआ बस्ती में जुआ खेलवाता था। इस दौरान खिलाड़ियों से नाल स्वरुप पैसों की वसूली भी होती थी। जिसको लेकर तरुण मछुआ और आशीष मछुआ में विवाद हुआ और जो मारपीट तक पहुंच गई। वहीं घटना के बाद तरुण ने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में शिकायत की। जिसमें उसने हथियार के बट से मारने का आरोपी आशीष मछुआ पर लगाया था। जिसपर पुलिस ने अनुसंधान के क्रम में रविनाथ मछुआ के घर की अलमारी और फ्रीज से हथियार और कारतूस भी बरामद किया। गिरफ्तार आरोपी आशीष मछुआ पर पूर्व से मामले भी दर्ज है। संभवतः शुक्रवार को पुलिस मामले का खुलासा करेगी। फिलहाल पुलिस थाने में सभी से पूछताछ भी कर रही है।

इस्पात मंत्रालय के सचिव ने की टासरा परियोजना के विकास कार्यों की समीक्षा

पुनर्वासन कॉलोनी के कार्यों में तेजी लाने का दिया निर्देश

धनबाद, संवाददाता

भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंड्रिक ने सेल के महत्वाकांक्षी टासरा परियोजना का भ्रमण कर परियोजना में किए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर सेल के महाप्रबंधक (प्र.) टासरा, सिबराम बनर्जी ने विस्तारपूर्वक टासरा परियोजना की जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि इस परियोजना के विस्तार के प्रथम चरण में 295 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। साथ ही एफ.सी.आई.एल. से प्राप्त 61 एकड़ भूमि पर 3.5 मिलियन टन वार्षिक क्षमता की कोल वाशरी का निर्माण प्रारंभ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अर्जनाधिन भूमि से विस्थापित होने वाले परिवारों को बलियापुर अंचल के मौजा आसनबनी में पुनर्वासन करने की योजना है। जिसके लिये 41.11 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। टासरा खदान के भ्रमण के पश्चात केन्द्रीय इस्पात सचिव ने आसनबनी में निमार्णाधीन पुनर्वासन कालोनी का निरीक्षण किया। उन्होंने पुनर्वासन कॉलोनी के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। वहीं परियोजना के कार्यों की समीक्षा के दौरान केन्द्रीय सचिव एवं सेल के अधिकारियों ने राज्य एवं केंद्र सरकार से वांछित सहयोग प्रदान करने का आस्वासन दिया एवं संबंधित विभाग के साथ सामंजस्य स्थापित कर समयबद्ध रूप से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर इस्पात मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार आशीष चटर्जी, सी.एम.डी. सेल अमरेंदु प्रकाश, इस्पात मंत्रालय के संयुक्त सचिव अभिजीत नरेंद्र, सेल के निदेशक (तकनीकी) मनीष राज गुप्ता, कार्यपालक निदेशक सेल एस.के. सिंह, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेम प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, बलियापुर के अंचल अधिकारी मुरारी नायक, झरिया के अंचल अधिकारी मनोज कुमार तथा सेल एवं एमडीओ के अधिकारी उपस्थित थे।

13 अक्टूबर को आदिवासी संगठन की ओर से आक्रोश महा रैली

धनबाद, संवाददाता

सिंदूरपुर पंचायत भवन में गुरुवार को सोनोत संथाल समाज की बैठक राजेंद्र किस्कू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 13 अक्टूबर को आदिवासी संगठन की ओर से धनबाद में आक्रोश महा रैली को सफल बनाने की रणनीति पर विचार विमर्श किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि पूर्वी टुंडी के संदीप हांसदा ने समाज को मजबूत करने के लिए सभी को एकजुट होने का आह्वान किया। बैठक में 13 अक्टूबर को आक्रोश महारैली की सफलता के लिए बलियापुर से हजारों की संख्या में ढोल नगाड़े के साथ गोल्फ ग्राउंड धनबाद चलने का आह्वान किया है। बैठक में पूर्व मुखिया समीर मुर्मू, महालाल हेंब्रम, योगेश्वर हेंब्रम, सिकंदर किस्कू, नुनुलाल हेंब्रम, शारदा टुडू, दशरथ हेंब्रम, रघु किस्कू, रामलाल टुडू, संदीप हांसदा, जीतलाल किस्कू, बबलू सोरेन, बैधनाथ मरांडी, कुंअर बेसरा, रंजीत, राजकुमार,परेश सोरेन आदि थे.

लाखो देवी हत्याकांड का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

पलामू, संवाददाता

लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के सांगबार कुंवर बांध टोला निवासी लाखो देवी हत्याकांड का पुलिस ने पदार्फाश कर दिया है। पुलिस ने घटना के मुख्य आरोपी, उसी गांव के 26 वर्षीय संदीप कुमार को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने बताया कि 30 सितंबर की रात संदीप ने 35 वर्षीय लाखो देवी की सिर को लोडहा (चकला) से कुचलकर निर्मम हत्या कर दी थी। इस संबंध में मृतका के ननदोसी, नावाजयपुर निवासी अवधेश भुइयां द्वारा अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध मामला दर्ज कराया गया था।

अनुसंधान के क्रम में संदीप का नाम सामने आने के बाद पुलिस ने 8 अक्टूबर को रांची रेलवे स्टेशन के पास से उसे दबोच लिया। पूछताछ में संदीप ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उसका लाखो देवी से पहले संपर्क था और दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी थे। बेंगलुरु से लौटने के बाद उसे जानकारी मिली कि लाखो देवी किसी अन्य व्यक्ति से बातचीत करती है, जिससे क्रोधित होकर उसने हत्या की योजना बनाई।

घटना की रात वह वेंटिलेटर के रास्ते घर में घुसा, सहमति से संबंध बनाया और बाद में कहासुनी के दौरान लोडहा से वार कर लाखो देवी की हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने खून से सने कपड़े, चादर और मोबाइल लेकर फरार हो गया तथा सबूत मिटाने के लिए कपड़ों को कुएं में फेंक दिया। आरोपी की निशानदेही पर मृतका का मोबाइल फोन, खून से सना चादर, गंजी, शर्ट सहित अन्य सामान बरामद किया गया। छापेमारी दल में थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय, पु०अ०नि० विक्रम शील, राजू मांझी, अजय कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

सीसीएल ढ़ोरी क्षेत्र मे काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

बेरमो, संवाददाता

सीसीएल ढ़ोरी क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय सभागार में गुरूवार को राजभाषा माह के अवसर पर राष्ट्र व मातृभाषा हिंदी के प्रति रुझान बढ़ाने व इसके महत्व को दशार्ने के लिए काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें ढ़ोरी क्षेत्र के अधिकारी और कर्मचारीगण ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की गई।काव्य पाठ प्रतियोगिता में अधिकारी और कर्मचारीगण ने हिंदी साहित्य के प्रमुख कवियों की वेशभूषा में सुंदर काव्य पाठ प्रस्तुत कर हिंदी के समृद्ध साहित्य की स्मृति ताजा कर दिया. सीसीएल सीकेएस के केंद्रीय उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार मिश्रा ने हिंदी के राजभाषा और राष्ट्रभाषा होने के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने लोगो से तार्किक वैचारिकी अपनाने और हिंदी के संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता एसओपी कुमारी माला व संचालन सहायक कार्मिक प्रबंधक शालिनी यादव द्वारा किया गया। अरूण कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उज्जवल पाठक, अरविंद ठाकुर, कमल कुमार, अनूप नोनिया, संजीव कुमार, प्रशांत कुमार, अनिरुद्ध राय आदि मुख्य रूप शामिल हुए ।

मोतियाबिंद निवारण में उत्कृष्ट कार्य के लिए जन विकास ट्रस्ट को सम्मान

पलामू, संवाददाता

झारखंड में अंधापन निवारण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली संस्थाओं को गुरुवार को रांची सदर अस्पताल सभागार में सम्मानित किया गया। राज्य अंधापन नियंत्रण समिति एवं साइट सेवर संस्था द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में चार जिलों की चयनित संस्थाओं को सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर राज्य अंधापन नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. पंकज कुमार एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया। पलामू जिले में बेहतर कार्य के लिए जन विकास ट्रस्ट को विशेष सम्मान से नवाजा गया। संस्था के सचिव अजीत कुमार को मोतियाबिंद के निशुल्क ऑपरेशन शिविरों के सफल आयोजन एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक दृष्टि पुनर्स्थापना का अभियान चलाने के लिए सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में डॉ. पंकज कुमार ने कहा,

मोतियाबिंद निवारण एक सामूहिक प्रयास है। प्रशासन, स्वास्थ्यकर्मी, सहिया-आशा दीदी एवं स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर ही लोगों को अंधापन से बचा सकती हैं। रांची के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने सभी विभागों – स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत एवं प्रखंड प्रशासन के बीच मजबूत समन्वय पर बल दिया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक लकड़ा, साइट सेवक राज्य प्रभारी सपना सोरेन, राज्य समन्वयक देवाशीष पाल सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे। हजारीबाग के दिव्यांग बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर दृष्टि के महत्व को भावपूर्ण अंदाज में उजागर किया। पलामू उपायुक्त एवं सिविल सर्जन के सहयोग से जन विकास ट्रस्ट गांव-गांव तक मोतियाबिंद ऑपरेशन पहुंचाने में सफल रहा है। संस्था का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक दृष्टि लौटाना है।

पुलिस ने 12 घंटे में चोरी हुई मोटरसाइकिल की बरामदगी कर मालिक को सौंपी

पलामू, संवाददाता

टिओपी-3 प्रभारी अजय कुमार गुप्ता की तत्परता और प्रभावी कार्रवाई के चलते चोरी हुई मोटरसाइकिल को मात्र 12 घंटे के भीतर बरामद कर मालिक को सौंप दिया गया। टिओपी-3 प्रभारी अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि शहर थाना क्षेत्र के बीएन कॉलेज नदी किनारे के रहने वाले रामदिवस विश्वकर्मा ने मंगलवार की रात अपने घर के पास मोटरसाइकिल (संख्या- जेएच 03 एआर 1567) खड़ी की थी और चाबी वाहन में ही छोड़ दी थी। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने मौके का फायदा उठाकर मोटरसाइकिल चोरी कर ली और फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही रामदिवस विश्वकर्मा ने टिओपी-3 प्रभारी को सूचित किया। सूचना मिलते ही अजय कुमार गुप्ता टाइगर मोबाइल टीम के साथ तुरंत सक्रिय हो गए और छापेमारी अभियान शुरू किया। पुलिस ने अथक प्रयास के बाद बैरिया सामता आहार की झाड़ियों से मोटरसाइकिल को बरामद कर लिया। बरामद वाहन को विधिवत रूप से मालिक रामदिवस विश्वकर्मा को सौंप दिया गया।

डीएवी पब्लिक स्कूल स्वांग में करियर काउंसलिंग का आयोजन

बोकारो, संवाददाता

डीएवी पब्लिक स्कूल स्वांग में करियर काउंसलिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस करियर काउंसलिंग में LPU, RKDF, IILMU, CENTURION , AMITY UNIVERSITY के साथ साथ कुल 12 यूनिवर्सिटी के कोऑर्डिनेटर व करियर काउंसलर ने विद्यार्थियों को विशेष जानकारियां प्रदान की । छात्रों के जीवन में उचित मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है । विद्यार्थियो को किस विश्वविद्यालय में दाखिला लेना है, किस स्ट्रीम में लेना है , इसे काफी जांच पड़ताल कर व सोच विचार कर निर्णय लेना आवश्यक है। उचित परामर्श एवं निर्देशन के आधार पर छात्र-छात्राओं को विभिन्न संकायों में नामांकन लेना चाहिए। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से विद्यार्थियों को पर्यावरण विज्ञान, डाटा विज्ञान, व कंप्यूटर साइंस , एम बी ए, मेडिकल, इंजीनियरिंग में अपना विषय का चयन करने के लिए प्रेरित किया गया। वर्तमान समय में पर्यावरण साइंस छात्रों के विकास के लिए परमावश्यक है। विज्ञान और तकनीकी के माध्यम से छात्र विभिन्न विश्वविद्यालय में दाखिला ले सकते हैं। इन सभी विश्वविद्यालयों से यूजी व पीजी में नामांकन ले सकते हैं। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती डी बनर्जी ने विद्यार्थियों को सोच समझकर विभिन्न संस्थाओं में नामांकन लेने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि करियर काउंसलिंग (Career Counseling) एक प्रोफेशनल मार्गदर्शन प्रक्रिया है, जिसमें विशेषज्ञ (Career Counselor) छात्र की रुचि, क्षमता और व्यक्तित्व के आधार पर उसे उपयुक्त करियर विकल्प चुनने में मदद करते हैं. यह प्रोसेस खासतौर पर उन छात्रों के लिए होती है जो बोर्ड परीक्षा या ग्रेजुएशन के बाद करियर को लेकर असमंजस में होते हैं.इस कार्यक्रम में कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

रांची में आयोजित दिवाली मेला में लगी भेंडरा कुटीर उद्योग के औजारों की प्रदर्शनी

बेरमो, संवाददाता

रांची स्थित मोरहाबादी मैदान में आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (जेसोवा) द्वारा आयोजित दिवाली मेला-2025 में नावाडीह प्रखंड के भेंडरा लौह कुटीर उद्योग में निर्मित लौह ओजारों की प्रदर्शनी लगाई गई। उक्त मेले का उद्घाटन सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जेसोवा शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है,समाज सेवा ही जेसोवा की पहचान है।मौके पर गांडेय विधानसभा की विधायक कल्पना सोरेन मौजूद थी। इस मेले में सैकड़ों स्टॉल लगे हैं। वहीं बोकारो जिला प्रशासन की ओर से निः शुल्क उपलब्ध कराए गए स्टॉल में भेंडरा टूल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा भेंडरा के लौह कारीगरों द्वारा हस्त निर्मित लोहे के समानों की प्रदर्शनी लगाई गई हैं।उक्त आयोजन में भेंडरा पंचायत के मुखिया नरेश कुमार विश्वकर्मा एवं विजय विश्वकर्मा शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

घर में अकेली महिला से दरिंदगी, पीड़िता बोली- मुंह दबाकर किया दुष्कर्म, तीन भाइयों पर रिपोर्ट दर्ज

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में नरवल थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला के साथ दरिंदगी की घटना ने इलाके को दहला दिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि बुधवार और गुरुवार की मध्य रात्रि को जब वह घर पर अकेली थी। तब पड़ोसी युवक सिंटू छत के रास्ते आंगन में कूद आया और मुंह दबाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। शोर मचाने पर सिंटू के भाई अरविंद और रवींद्र भी मौके पर पहुंच गए। जब उनको आपबीती बताई, तो वो भी गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देने लगे। गुरुवार को पीड़िता ने नरवल थाने पहुंचकर तीनों आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अखिलेश पाल ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दबिश दी जा रही है और अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है।

चार बहनों के इकलौते भाई की मौत: जर्जर मकान की छत का छज्जा गिरने से एक लड़के की गई जान, दूसरा घायल

गोरखपुर, एजेंसी। चिलुआताल थाना क्षेत्र स्थित विशुनपुर गांव के सप्टहिया टोले में नगीना यादव के मकान का छज्जा गिर गया जिसकी चपेट में आकर नगीना का बेटा सागर चौहान व उसका चचेरा भाई सनी चौहान घायल हो गए जिसमे सनी की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सुबह 11 बजे के आसपास सनी कुमार पुत्र जगदीश चौहान उम्र 19 वर्ष अपने चचेरे भाई सागर चौहान पुत्र नगीना चौहान के साथ उसके घर के सीढ़ी पर बैठा था कि तभी अचानक से घर का छज्जा टूटकर दोनों के ऊपर गिर गया। तेज आवाज सुनकर घर वाले और पड़ोस से जगदीश के परिवार के लोग पहुंचे देखा कि दोनों लड़के छज्जे के नीचे दबे थे। ग्रामीणों की सहायता से दोनों को किसी तरह निकाल कर बालापार स्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ अस्पताल ले गए। जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल में डाक्टरों ने सनी कुमार को मृतक घोषित कर दिया और सागर को इलाज के लिए एडमिट करा दिया सागर का पैर टूट गया है और अन्य हिस्सों पर भी चोट लगा है। मृतक गांव के पास ही वंशराज इंटर कॉलेज में पढ़ाई करता है। उसके पिता नकहा स्टेशन पर मजदूरी का काम करता है, वह चार बहनों में एक अकेला भाई था। मृतक भाई बहनों में तीसरे नंबर में था।

विषाक्त पदार्थ का सेवन करने से महिला की मौत

अलीगढ़, एजेंसी। क्षेत्र के गांव करसुआ में तीन दिन पहले एक महिला ने गृहक्लेश में विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया, बृहस्पतिवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। मायके वालों ने दहेज हत्या का आरोप लगाकर तहरीर दी है। वे महिला का शव अपने साथ कासगंज ले गए। कासगंज के गांव कौनर खेड़ा निवासी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी बहन पूनम उर्फ कविता की शादी करसुआ निवासी दीपक सिंह से की थी। दीपक का 2021 में एक सड़क हादसे में निधन हो गया। गांव के सम्भ्रांत लोगों और परिजनों ने दीपक के छोटे भाई विष्णु उर्फ कलुआ से पूनम की शादी करा दी। पूनम के पहले से ही तीन बच्चे थे। धीरेंद्र का आरोप है कि शादी के बाद से ही विष्णु और उसकी बहन दहेज के लिए पूनम को प्रताड़ित करने लगे। बीते सोमवार को विष्णु ने उनकी बहन को विषाक्त पदार्थ खिला दिया। एसओ लोधा अंकित सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

आईडी हैक कर महिलाओं को ब्लैकमेल करने का आरोप

अलीगढ़, एजेंसी। क्षेत्र के एक गांव के युवक पर गांव की महिलाओं की सोशल मीडिया आईडी हैक कर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया गया है। एक महिला के पिता ने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहित महिला के पिता ने तहरीर देते हुए आरोप लगाया है कि मेरे ही गांव के युवक ने मेरी विवाहित बेटी की आईडी हैक को कर लिया है और उस पर आए दिन अश्लील वीडियो डालता रहता है, जिससे मेरी बेटी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि युवक ने गांव की अन्य महिलाओं की भी आईडी हैक की हुई है, जिसके माध्यम से वह उन्हें भी ब्लैकमेल करता है और परेशान करता है। पीड़ित पिता ने अपनी बेटी एवं अन्य महिलाओं को इस समस्या से छुटकारा दिलाने की गुहार लगाई है। कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

छा गए एसएसपी साहब

सोमेन बर्मा ने पुलिस लाइन में किया धुनुची नृत्य, पत्नी भी रहीं साथ

मिर्जापुर, एजेंसी। मिर्जापुर में नवरात्र की अष्टमी और नवमी की रात पश्चिम बंगाल की परंपरागत धुनुची नृत्य पर मां दुर्गा के पूजन की विधा को देख हर कोई मंत्र मुग्ध रह गया। पुलिस कप्तान सोमेन बर्मा ने पुलिस लाइन में स्थापित दुर्गा पूजा पंडाल में धुनुची नृत्य कर मां को प्रसन्न करने के लिए आराधना की। कप्तान ने हाथों में लोहबान, धूप, नारियल का छिलका और कपूर से भरे धुनुची को लेकर भाव विह्वल होकर नृत्य किया। उनके डांस का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिले के पुलिस लाइन में आयोजित इस आस्था भरे कार्यक्रम में हर अधिकारी और पुलिसकर्मी अपने परिवार के साथ शामिल रहा। सोमेन बर्मा करीब तीन मिनट तक धुनुची नृत्य और देवी की आराधना करते रहे। एसएसपी सोमेन बर्मा बंगाल के रहने वाले है। उनकी पत्नी निवेदिता आईआरएस अधिकारी हैं। वे भी अपने परिवार के साथ

मां की पूजा अर्चना करती दिखीं। एसएसपी को ऐसा नृत्य करते देख हर कोई हैरान दिखा। जिले में शहर से गांव तक पूजा पंडालों में स्थापित शक्ति की अधिष्ठात्री मां दुर्गा की पूजा चलती रही। पंडालों में स्थापित देवी माता के दर्शन पूजन करने के लिए महिलाओं और बच्चों के साथ बुजुर्गों की भीड़ उमड़ी रही। दुर्गा पूजा पंडालों में कुंआरी कन्या पूजन विधि विधान से कर उन्हें पारंपरिक तरीके से विदाई दी गई। जिले के रमईपट्टी, वासलीगंज, तहसील परिसर, घंटाघर, पांडेयपुर, फतहा समेत अन्य स्थानों के दुर्गापूजा पंडालों में कन्या पूजन, भंडारा आयोजित किए गए। इसी तरह अहरौरा नगर के चौक बाजार, गोला स्कूलइन, पांडेय जी दक्षिणी फाटक, पटवा टोला, कोइरान बाजार, रवानी टोला बुढ़ादेई, नई बाजार, डीह, कुदारन, बेलखरा, सरिया, धुरिया, महुली में पचरा की धूम रही।

यूपी में एसडीएम के भाई का कत्ल

● हाथों में पट्टी... शरीर पर चोट के निशान, दोस्तों संग यहां गया; कॉलेज में मिली लाश

मेरठ, एजेंसी। यूपी के बागपत जिले के बड़ौत में युवक की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक युवक की पहचान राजस्थान के जयपुर की एसडीएम दीपिका तोमर के चचेरे भाई संयम तोमर (20) निवासी महावतपुर बावली के रूप में हुई है। शव बृहस्पतिवार की सुबह जनता वैदिक डिग्री कॉलेज परिसर में डेयरी विभाग के पास पड़ा हुआ मिला। संयम के शरीर पर चोट के कई निशान भी मिले। इसमें पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही कॉलेज परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली। शहर के जनता वैदिक डिग्री कॉलेज में डेयरी विभाग के पास कूड़ा डालने के लिए बनाए गए गड्ढे में बृहस्पतिवार सुबह एक युवक का अर्धनग्न हालत में शव पड़ा मिला। कॉलेज परिसर में सुबह की सैर करने आए लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी।

हाथों में बंधी थी पट्टी, शरीर में कई जगह थे चोट के निशान

संयम अविवाहित और दो भाइयों में छोटे थे। उनका बड़ा भाई सचित बागपत शुगर मिल में संविदाकर्मी है। परिजनों ने बताया कि संयम के हाथ में पट्टी बंधी हुई थी और उसके शरीर के कई हिस्से पर चोट के निशान थे। सचित ने बताया कि संयम के दोनों हाथों, कमर, पीठ, जांघ और सिर पर चोट के निशान मिले। उधर, पोस्टमार्टम में चोट के निशान कई दिन पुराने मिले और मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विसरा सुरक्षित किया गया है।

जेब में मिले मोबाइल को चार्ज करने के बाद हुई पहचान

वहां आए सीओ विजय कुमार तोमर, कोतवाली प्रभारी ने शव को गड्ढे से निकालकर जांच की। जेब में मिले मोबाइल को चार्ज करने के बाद कॉल करने पर पता चला कि वह शव महावतपुर बावली गांव के संयम तोमर का है। बाद में उसके परिजनों को फोन कर घटना की जानकारी दी। रिश्तेदार विनोद खोखा ने बताया कि संयम उनके साले का बेटा है और संयम की ताऊ की बेटी दीपिका तोमर जयपुर में एसडीएम हैं। भाई सचित ने बताया कि संयम 30 सितंबर को घर से दोस्तों के साथ हरिद्वार जाने की बात कहकर निकला था। इसके बाद उससे संपर्क नहीं हुआ। बृहस्पतिवार सुबह पुलिसकर्मियों ने फोन कर जनता वैदिक कॉलेज में शव पड़ा होने की जानकारी दी। संयम के जनता वैदिक कॉलेज में जाने के बारे में भी परिजनों को कुछ नहीं पता। इसके बाद पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी।

आजमगढ़ में पुलिस मुठभेड़: 25 हजार का इनामी पशु चोर गिरफ्तार, गैंगस्टर एक्ट सहित आरोपी पर दर्ज हैं 30 मामले

आजमगढ़, एजेंसी। आजमगढ़ जिले के थाना बिलरियागंज पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। वांछित पशु चोर व 25,000 रुपये के इनामी अपराधी आदिल को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ के दौरान उसके दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए सीएचसी बिलरियागंज भेजा गया, जहां से चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल आजमगढ़ रेफर कर दिया।

क्या है पूरा मामला

एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात थाना बिलरियागंज क्षेत्र के ग्राम जगजीवनपुर तिराहा के पास पुलिस और अपराधी आदिल के बीच मुठभेड़ हुई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी की थी। पुलिस को देखकर आदिल ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी।
पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक गोली आदिल के पैर में लगी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। घायल अपराधी के पास से एक तमंचा .315 बोर, दो कारतूस, एक मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल (अपाचे) और 2000 रुपये नगद बरामद हुए हैं। अभियुक्त आदिल ने पूछताछ में खुलासा किया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर 18 अक्तूबर 2024 की रात ग्राम बसिला से एक घर से भैंस चोरी की वारदात में शामिल था। इस मामले में थाना बिलरियागंज में पहले से ही मुकदमा दर्ज है। एसपी ग्रामीण ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त आदिल का आपराधिक इतिहास बेहद गंभीर है। आजमगढ़ जिले के विभिन्न थानों में उसके खिलाफ अवैध हथियार, चोरी, डकैती, गोवध, गैंगस्टर एक्ट, पशु क्रूरता जैसे कुल 30 मुकदमे पंजीकृत हैं।

दुकान में की तोड़फोड़, दो को पीटा

अलीगढ़, एजेंसी। नगर में एक दुकान पर काम कर रहे एक युवक व उसके साथी को हमलावरों ने बुधवार को पीट दिया। दुकान में भी तोड़फोड़ की। पुलिस ने चार नामजद सहित 10 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। बरला के गांव माजीपुर निवासी वीरपाल ने बताया कि वह कस्बे में लवकुश की दुकान पर काम करते हैं। बुधवार की सुबह करीब नौ बजे वह दुकान पर काम कर रहे थे।
इस बीच करीब 14 लोग दुकान में आ गए। आरोप है कि उनके हाथ में तमंचा, डंडे थे। उन्होंने वीरपाल पर हमला कर दिया। दुकान में भी तोड़फोड़ की। बचाव में आए उसके साथी गोपाल को भी पीटा। इससे वह घायल हो गया। आसपास के लोगों के आने पर हमलावर धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने अभिषेक निवासी माजीपुर, ऋषिपाल, प्रीतम, गोविंद व 10 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

छितौना कांड में घायल छोटू राजभर की मौत, तीन महीने से जिंदगी और मौत के बीच लड़ रहा था जंग

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी जिले के चिरईगांव ग्राम पंचायत छितौना में बीते 5 जुलाई को निराश्रित गोवंश को लेकर हुए विवाद में घायल छोटू राजभर (45) ने बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में बीती रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। करीब तीन महीने से वह जिंदगी और मौत से जूझ रहा था। घटना के दिन दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई थी, जिसमें कुल पांच लोग घायल हुए थे। गंभीर घायलों का इलाज बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में चला, जिनमें अधिकांश स्वस्थ होकर घर लौट आए, लेकिन छोटू राजभर की स्थिति नाजुक बनी रही। आखिरकार गुरुवार रात्रि में उसकी मौत हो गई। इस प्रकरण में आरोपी संजय सिंह भी घायल हुआ था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उसके दोनों बेटे पहले से ही इसी मामले में जेल में बंद हैं। घटना के बाद मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया था। सुभासपा और करणी सेना के बीच वाकयुद्ध और शक्ति प्रदर्शन तक हुआ। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एसआईटी गठित कर जांच शुरू कराई थी। छोटू राजभर की मौत के बाद गांव में तनाव का माहौल है। चौबेपुर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के बीच शव का अंतिम संस्कार कराने की तैयारी में जुटी हुई है। प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार वर्मा ने बताया कि छोटू राजभर का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। इसके बाद शव गांव पहुंचेगा। गांव से दाह संस्कार सराय मोहाना घाट पर किया जाएगा। शांति व्यवस्था कायम है। एहतियातन पुलिस तैनात की गई है।
घटना में शामिल भाजपा बूथ अध्यक्ष संजय सिंह को पुलिस ने किया गिरफ्तार - छितौना गांव में असलहा, लाठी, पंच से मारपीट कर घायल करने के आरोपी भाजपा बूथ अध्यक्ष संजय सिंह को पुलिस ने 2अक्टूबर को 12 :40 बजे पं दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल से हत्या के प्रयास सहित विभिन्न मामलों में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस मामले में ज्वाला प्रसाद निवासी छितौना ने हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कराया था। मारपीट के दौरान संजय सिंह भी घायल हो गए थे, तभी से अस्पताल में भर्ती थे।

आईआईटी का काउंसलिंग तंत्र फेल

22 महीने में सात आत्महत्याएं।प्रबंधन बोला- उठा रहे हैं जरूरी कदम

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में नौ प्रोफेशनल काउंसलर, 24 घंटे की ऑनलाइन हेल्पलाइन, डी-एडिक्शन क्लीनिक और हर 30 छात्रों पर फैकल्टी एडवाइजर...आईआईटी कानपुर का मजबूत काउंसलिंग तंत्र एक बार फिर मेधावी की जान बचा पाने में फेल साबित हुआ। काउंसलिंग तंत्र इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र धीरज के मन की बात नहीं समझ सका। उसने फंदा लगाकर जान दे दी। यह सिर्फ एक मामला नहीं बल्कि पिछले 22 महीनों में सात होनहारों ने जीवन लीला समाप्त कर ली।

धीरज की मौत ने न केवल पूरे कैंपस को हिला दिया। बल्कि संस्थान की मौजूदा छात्र कल्याण व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रिवेंशन ऑफ इंडिया फाउंडेशन के जरिये छात्रों, फैकल्टी और हॉस्टल समितियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। हर 30 स्नातक छात्रों पर एक फैकल्टी एडवाइजर तैनात है लेकिन धीरज का यह कदम इन सभी सुविधाओं की प्रभावशीलता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। लगातार बढ़ते मामलों ने आईआईटी कानपुर के माहौल को गहराई से झकझोर दिया है। संस्थान प्रशासन पर दबाव है कि वह मौजूदा काउंसलिंग और हेल्पलाइन तंत्र की समीक्षा कर ठोस कदम उठाए ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके।

दो दिन से कमरे में था शव, प्रबंधन को भनक तक नहीं लगी- आईआईटी कानपुर में आत्महत्या करने वाले छात्र का शव दो दिन तक कमरे में पड़ा रहा, लेकिन आईआईटी प्रबंधन को इसकी भनक तक नहीं लगी। जब कमरे से दुर्गंध आने लगी तब छात्रों की शिकायत के बाद छात्र का शव मिलना आईआईटी प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करता है। सवाल यह है कि हॉस्टल में दो दिन तक दरवाजा बंद रहने के बावजूद न तो वार्डन को सूचना दी गई और न ही किसी ने छात्र की खोजबीन की।

एथलीट धीरज, उद्घोष को लेकर था उत्साहित

आईआईटी कानपुर में तीन अक्तूबर से स्पोर्ट्स इवेंट उद्घोष की शुरुआत होने से पहले ही धीरज की मौत की खबर से खिलाड़ी स्तब्ध हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र धीरज एथलीट भी थे। उन्होंने संस्थान की कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। यही कारण रहा कि संस्थान ने उद्घोष के संबंध में होने वाली प्रेसवार्ता को भी निरस्त कर दिया गया। कहीं न कहीं संस्थान आत्महत्या की बात जगजाहिर नहीं करना चाहता था।

ऑपरेशन महाकाल बंद, आई 412 शिकायतें, 59 में हुई एफआईआर, भूमाफिया के खिलाफ जारी रहेगा अभियान

कानपुर, एजेंसी। कानपुर शहर के साथ प्रदेश भर में चर्चित ऑपरेशन महाकाल 30 सितंबर से बंद हो गया है। अब तक 412 शिकायतें आई हैं जिनमें से 55 से 60 में एफआईआर हुई हैं। अन्य की जांच एसआईटी के अलावा सभी जोन के डीसीपी और अन्य अधिकारी कर रहे हैं। पुलिस कमिश्नर, संयुक्त पुलिस आयुक्त और डीसीपी कार्यालय आने वाली धोखाधड़ी, कब्जा करने, फर्जी मामले में फंसाकर रंगदारी मांगने की शिकायतों की जांच पूर्व की तरह जारी है। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार के पास कई पीड़ित आए थे। इसमें उन्होंने बताया कि उन्हें छेड़छाड़ और दुष्कर्म के फर्जी मामलों में फंसाकर रिपोर्ट दर्ज हुई थी। फिर उसको हटवाने के लिए रंगदारी मांगी गई। पुलिस कमिश्नर ने एसआईटी का गठन किया, जिसके बाद

अधिवक्ता अखिलेश दुबे और उसके साथियों के खिलाफ बर्रा, कोतवाली, ग्वालटोली, किदवईनगर में रिपोर्ट दर्ज की गई। रावतपुर थाने में गजेंद्र सिंह नेगी और उसके भाइयों, चकेरी में अधिवक्ता, कल्याणपुर में लाली शुक्ला समेत अन्य लोगों पर एफआईआर हुई। कुछ शिकायतें थाने, एसीपी, एडीसीपी, डीसीपी, संयुक्त पुलिस आयुक्त कार्यालय पर भी पहुंचीं, जिनकी जांच जारी है।

गाजियाबाद, नोएडा और अन्य जिलों से आईं शिकायतें- ऑपरेशन महाकाल की लोकप्रियता और कमिश्नरी पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए गाजियाबाद, नोएडा और अन्य जनपदों से भी शिकायतें पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचीं। इनमें कुछ शिकायतें ई-मेल से भेजी गई थीं। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार का ट्रांसफर हो गया है। वह दीपावली से पहले ही डिजिटल इंडिया में एमडी का चार्ज संभाल सकते हैं। इस वजह से भी जांच और कार्रवाई पर कुछ असर पड़ा है। हालांकि इस संबंध में अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

भूमाफिया व कब्जेदारों के खिलाफ जारी रहेगा अभियान- स्टाफ ऑफिसर राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि ऑपरेशन महाकाल जरूर समाप्त हो गया है, लेकिन भूमाफिया और कब्जेदारों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। एसआईटी की जांच चल रही है। साक्ष्य और गवाहों के बयान लिए जा रहे हैं।

मैट्रिमोनियल साइट पर डॉक्टर बन लाखों की ठगी, नाइजीरियाई सहित तीन अंतरराष्ट्रीय ठग गिरफ्तार

मुरादाबाद, एजेंसी। महिलाओं को वेबसाइट से शादी का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया। पुलिस ने गिरोह के मुख्य सरगना सहित तीन अंतरराष्ट्रीय अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी चिनवेके एम्मानुअल कानू नाइजीरिया का निवासी है और अवैध रूप से दिल्ली में रह रहा था। गिरोह का यह सरगना महिलाओं से दोस्ती कर विश्वास जीतता और खुद को विदेश में रहने वाला डॉक्टर या व्यवसायी बताकर महंगे उपहार भेजने का झांसा देता। इसके बाद कस्टम या कोरियर शुल्क के नाम पर लाखों रुपये वसूल करता।

शिक्षिका से 94 लाख की ठगी- मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक शिक्षिका ने साइबर ठगी का शिकार होने की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उन्होंने शादी वेबसाइट पर अपना बायोडाटा शेयर किया था। इसके कुछ ही समय बाद उन्हें व्हाट्सएप कॉल आया।
कॉल करने वाले ने खुद को अमेरिका में नौकरी करने वाला एमबीबीएस डॉक्टर बताया और कहा कि वह भारतीय युवती से शादी करना चाहता है। दो दिन बाद आरोपी ने कहा कि वह शिक्षिका के लिए अमेरिका से गिफ्ट भेज रहा है। इसके बाद एक महिला ने कॉल कर बताया कि पार्सल में सोने की चेन, अमेरिकी करेंसी और अन्य सामान है, लेकिन इसे पाने के लिए कुछ भुगतान करना होगा। शिक्षिका ने भुगतान किया, तो आरोपी महिला ने खुद को कस्टम अधिकारी बताकर और अधिक रकम ठगनी शुरू कर दी। इस तरह शिक्षिका से कुल 94 लाख की ठगी की गई।

अंतरराष्ट्रीय गिरोह की गिरफ्तारी

साइबर क्राइम थाना पुलिस ने बुधवार को नाइजीरियाई युवक चिनवेके एम्मानुअल कानू और दो नेपाली युवतियों संगीता और ममता को गिरफ्तार किया है। इसके पहले, मणिपुर निवासी कौसम सुनीता को आठ सितंबर को गिरफ्तार किया जा चुका था।
18 राज्यों की महिलाओं को बनाया शिकार- जांच में पता चला कि यह गिरोह केवल मुरादाबाद तक सीमित नहीं था। देश के 18 राज्यों की महिलाओं को इसका शिकार बनाया गया। इनमें कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, केरल, गुजरात और राजस्थान जैसी राज्य शामिल हैं।

एसबीआई से 40 लाख का होम लोन लेने के लिए आपकी मासिक सैलरी कितनी होनी चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक से घर खरीदने के लिए लोन लेने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। एसबीआई फिलहाल 7.5 प्रतिशत की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है लेकिन सवाल यह उठता है कि 40 लाख का होम लोन लेने के लिए आपकी मासिक सैलरी कितनी होनी चाहिए आइए जानते हैं। एसबीआई के नियमों के अनुसार 40 लाख का होम लोन 30 साल की अवधि के लिए लेने पर आपकी मासिक सैलरी 56,000 होनी चाहिए। यह कैलकुलेशन 7.5 प्रतिशत की सालाना ब्याज दर पर आधारित है। बैंक आपकी सैलरी का 50 प्रतिशत तक ईएमआई के तौर पर ले सकता है इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आप पर पहले से कोई बड़ा लोन न हो। यदि आप 7.5 प्रतिशत की ब्याज दर पर 30 साल के लिए 40 लाख का होम लोन लेते हैं तो आपको हर महीने करीब 28,000 की ईएमआई चुकानी होगी। यह राशि सीधे आपके बैंक अकाउंट से कट जाएगी। यह गणित बताता है कि बैंक यह सुनिश्चित करता है कि आपके पास ईएमआई भरने के बाद भी अपने खर्चों के लिए पर्याप्त पैसा बचे।

पेंशन नियमों में बड़ा बदलाव, 1 अक्टूबर से बदल जाएगा नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डिवेलपमेंट अथॉरिटी ने नेशनल पेंशन सिस्टम से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है। 1 अक्टूबर 2025 से गैर-सरकारी सब्सक्राइबर्स अपनी पूरी पेंशन रकम को 100 प्रतिशत इक्विटी (शेयर बाजार) से जुड़ी स्कीम में निवेश कर सकेंगे। अभी तक इक्विटी में निवेश की सीमा 75 प्रतिशत तय थी, जिसे अब हटा दिया गया है। नए बदलावों के तहत सब्सक्राइबर्स को एक से ज्यादा स्कीमों में निवेश करने की आजादी मिलेगी यानी अब निवेशक अपनी उम्र, जरूरत और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर अपनी पेंशन राशि को इक्विटी, डेब्ट या बैलेंस्ड फंड जैसी विभिन्न स्कीमों में बांट सकेंगे। इससे एनपीएस पहले की तुलना में कहीं अधिक लचीला हो जाएगा। इसके अलावा, निवेशक चाहें तो 50 या 55 साल की उम्र में ही अपनी पेंशन की रकम निकाल सकेंगे। वहीं अगर कोई निवेश जारी रखना चाहता है तो वह 75 साल तक पैसा जमा कर सकता है। यह बदलाव खास तौर पर उन प्रोफेशनल्स, सेल्फ-एम्प्लॉयड लोगों और कॉरपोरेट सेक्टर में काम करने वालों के लिए फायदेमंद साबित होगा, जिनकी जरूरतें और प्लानिंग अलग होती हैं। भले ही एनपीएस में निवेश की नई छूट दी गई है लेकिन सुरक्षा से जुड़े नियम पहले जैसे ही रहेंगे। पेंशन अकाउंट पोर्टेबल होंगे और सब्सक्राइबर्स चाहें तो किसी भी पेंशन फंड मैनेजर के साथ अपना खाता आसानी से ट्रांसफर कर सकेंगे। सबसे अहम बात यह है कि रकम निकालने के समय कुल राशि का कम से कम 40 प्रतिशत हिस्सा अन्यूटी में लगाना जरूरी होगा, ताकि रिटायरमेंट के बाद नियमित आय सुनिश्चित की जा सके। पेंशन फंड के एमडी और सीईओ श्रीराम अय्यर का कहना है कि यह नया फ्रेमवर्क एनपीएस को रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए और आकर्षक बना देगा। उनके मुताबिक 100 प्रतिशत इक्विटी निवेश का विकल्प और 15 साल बाद पैसा निकालने की सुविधा खासकर युवा निवेशकों के लिए बेहद फायदेमंद होगी।

बैन और फ्रॉड के बाद गेमिंग कंपनी की बढ़ी मुसीबत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में रियल मनी गेमिंग पर लगाए गए सख्त प्रतिबंध और कंपनी में सामने आए घोटाले संकट में डाल दिया है। सरकार के बैन और पूर्व सीएफओ पर लगे फ्रॉड के आरोपों के बीच कंपनी ने लगभग 120 कर्मचारियों की छंटनी की है, जिससे उनके करियर और सेक्टर की स्थिरता दोनों प्रभावित हुई हैं। यह फैसला कंपनी-व्यापी पुनर्गठन और सरकारी नियमों में बदलाव के कारण लिया गया। हाल ही में भारत सरकार ने ऐसे ऑनलाइन गेम्स पर रोक लगाई है जिनमें असली पैसे से दांव लगाया जाता है और जीत की संभावना रहती है। रियल मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म का बिजनेस मॉडल प्रभावित हुआ है। कंपनी के फाउंडर पृथ्वी सिंह ने कहा कि यह निर्णय उनके लिए कठिन था और उन्होंने छंटनी किए गए कर्मचारियों का योगदान सराहा। प्रभावित कर्मचारियों को उनके पैकेज, छुट्टियों का पैसा और मार्च 2026 तक ग्रुप हेल्थ बीमा जैसी सुविधाएं दी जाएंगी।
इस बीच, कंपनी को एक और संकट का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व सीएफओ रमेश प्रभु पर 270 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगा है। कंपनी ने उनके खिलाफ बेंगलुरु में एफआईआर दर्ज करवाई है।

अनाज और कपास व्यापार का हब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को विकास की रीढ़ कहा जाता है। यह क्षेत्र न केवल करोड़ों लोगों को रोजगार देता है, बल्कि नवाचार को बढ़ावा देने और स्थानीय व क्षेत्रीय विकास को गति देने में भी बड़ी भूमिका निभाता है। इन्हीं संभावनाओं और चुनौतियों पर चर्चा के लिए अमर उजाला की ओर से 'एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव' का आयोजन किया जा रहा है। रोहतक में एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन 18 सितंबर को दोपहर 11 से 2 बजे तक होगा। इसका अयोजन स्थल राधाकृष्णन सभागार, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय है। इस अवसर पर उद्योग, व्यापार और विकास जगत से जुड़े कई प्रमुख लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री श्री राजेश नागर होंगे। इस मंच पर विशेषज्ञ डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, वित्त तक आसान पहुंच, सप्लाई चेन के आधुनिकीकरण, निर्यात विस्तार, कौशल विकास और नीति सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा करेंगे। साथ ही, फंडिंग के नए विकल्प, ब्रांडिंग और मार्केटिंग की आधुनिक तकनीकें तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के व्यावहारिक उपयोग पर भी प्रकाश डाला जाएगा। वैश्विक पहचान दिलाने पर जोर दिया जाएगा। इस मंच पर विशेषज्ञ डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, वित्त तक आसान पहुंच, सप्लाई चेन के आधुनिकीकरण, निर्यात विस्तार, कौशल विकास और नीति सुधार जैसे अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। साथ ही, फंडिंग के नए विकल्प, ब्रांडिंग और मार्केटिंग की आधुनिक तकनीकें तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के व्यावहारिक उपयोग पर भी रोशनी डाली जाएगी।

अर्बन कंपनी के आईपीओ ने एक्सेल पर बरसा दिया पैसा

14.3 करोड़ लगाकर 390 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
सिलिकॉन वैली की एक बड़ी कंपनी एक्सेल ने फिर कमाल कर दिया है। एक्सेल पहले फेसबुक में निवेश करने के लिए जानी जाती है। अब अर्बन कंपनी में निवेश करके कंपनी ने बहुत अच्छा मुनाफा कमाया है। अर्बन कंपनी का आईपीओ बुधवार को शेयर बाजार में करीब 58 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ।

एक्सेल ने दस साल पहले अर्बन कंपनी में 14.3 करोड़ रुपये का निवेश किया था। तब कंपनी ने शेयर 3.77 रुपये प्रति शेयर के भाव पर खरीदे थे। आईपीओ में शेयर का भाव 103 रुपये था। इस हिसाब से एक्सेल के 14.3 करोड़ रुपये के शेयर अब 390 करोड़ रुपये के हो गए। यानी कंपनी को लगभग 27 गुना फायदा हुआ है।

कुल 55 करोड़ रुपये का निवेश: एक्सेल ने अर्बन कंपनी में कुल 55 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इससे कंपनी को 14.56 करोड़ शेयर मिले थे। आईपीओ के भाव के हिसाब से इन शेयरों की कीमत 1,500 करोड़ रुपये से ज्यादा है। एक्सेल ने 390 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए हैं। फिर भी उसके पास 1,100 करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर बचे हैं।

पहले भी कमाया है मुनाफा

एक्सेल ने पहले भी कई कंपनियों में निवेश करके अच्छा मुनाफा कमाया है। फेसबुक में कंपनी का निवेश 800 गुना बढ़ गया था। भारत में अर्बन कंपनी से कंपनी का पोर्टफोलियो और मजबूत हुआ है।

कंपनी को हुआ मुनाफा: अर्बन कंपनी पहले अर्बनक्लैप के नाम से जानी जाती थी। यह एक ऐसी कंपनी है जो लोगों को घर पर ही कई तरह की सर्विसेज देती है। जैसे कि ब्यूटी पार्लर, एसी रिपेयर, घर की सफाई आदि। कंपनी को वित्त वर्ष 2025 में 240 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल कंपनी को 93 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

शानदार लिस्टिंग के बाद तेजी

अर्बन कंपनी का आईपीओ करीब 58 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्ट हुआ था। इसके बाद यह शेयर 3.76 प्रतिशत की तेजी के साथ 167.05 रुपये पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह शेयर 179 रुपये तक पहुंच गया था। कंपनी के आईपीओ को भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। यह 103.6 गुना सब्सक्राइब हुआ था। सबसे ज्यादा बोलियां क्यूआईबी और गैर-संस्थागत निवेशकों से आईं। क्यूआईबी वे निवेशक होते हैं जो शेयर बाजार में बड़ी मात्रा में निवेश करते हैं।

व्यापार से लेकर ऊर्जा क्षेत्र तक दिखी रफ्तार

वैश्विक झटकों के बावजूद मजबूत बना रहेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी।
वैश्विक आर्थिक झटकों के असर से भारत की विकास दर पर अल्पकालिक दबाव दिख रहा है, लेकिन देश की दीर्घकालिक वृद्धि की कहानी बरकरार है। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने बुनियादी ढांचे के विकास और प्रक्रियाओं में सुधार के माध्यम से अपनी स्थिति मजबूत की है। इससे विकसित देशों की तुलना में भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है। वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच, भारत की वृद्धि मजबूत है और यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में इसकी जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसमें कहा गया है कि भारत वैश्विक व्यापार में अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा,

जिससे आर्थिक वृद्धि, पूंजी आकर्षण और रोजगार सृजन के अवसर बढ़ेंगे। हालांकि, इसके लिए केंद्र, राज्य और नौकरशाही स्तर पर सुधार जरूरी बताए गए हैं, ताकि एक अधिक संगठित प्रणाली तैयार हो सके। निजी क्रेडिट उद्योग को लेकर भी सकारात्मक अनुमान जताया गया है। इसमें कहा गया है कि पारंपरिक बैंकों द्वारा छोड़े गए फाइनेंसिंग गैप के कारण प्राइवेट क्रेडिट सेक्टर मजबूत विस्तार की ओर बढ़ रहा है। घरेलू दिवाला ढांचा इस क्षेत्र को और मजबूती दे रहा है। जोखिम मौजूद होने के बावजूद, व्यापक वित्तीय प्रणाली से सीमित जुड़ाव इस सेक्टर को सुरक्षा प्रदान कर सकता है।

अमेरिका में बड़ा होटल बेचने की तैयारी में टाटा ग्रुप

दो अरब में हो सकती है डील

नई दिल्ली, एजेंसी।
टाटा ग्रुप का ताज ग्रुप न्यूयॉर्क के द पियरे होटल से बाहर निकल सकता है। ब्रुनेई के सुल्तान और सऊदी व्यापारी एस्सम खशोगी मिलकर इसे खरीदना चाहते हैं। यह डील लगभग 2 बिलियन की हो सकती है। अगर यह सौदा हो जाता है, तो ताज लगभग 20 साल के बाद पियरे होटल का प्रबंधन छोड़ देगा। इसके बाद अमेरिका में ताज के पास सिर्फ एक होटल बचेगा, जो सैन फ्रांसिस्को में ताज कैम्पटन प्लेस है। ताज ग्रुप ने इस बारे में कोई भी टिप्पणी करने से मना कर दिया है।

ताज की वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने पियरे होटल को साल 2005 में खरीदा था। इसे उत्तरी अमेरिका में अपना सबसे खास होटल बनाया था। इसके बाद 2009 में कंपनी ने इस लग्जरी होटल का 100 मिलियन डॉलर से रिनोवेशन कराया था। न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को के दोनों होटल यूनाइटेड ओवरसीज होल्डिंग के अंतर्गत आते हैं।

आईएचसीएल, ताज ग्रुप की मालिक है और यह 165 बिलियन के टाटा ग्रुप का हिस्सा है। कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार, आईएचसीएल ने फाइनेंशियल ईयर 2025 में यूओएच में 2,324 करोड़ रुपये का निवेश किया था। हालांकि, यूओएच को उस दौरान 82 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। पियरे होटल में 189 कमरे, रेस्टोरेंट और लग्जरी अपार्टमेंट हैं। इसे पिछले साल बिक्री के लिए रखा गया था। इस होटल में मौजूद अपार्टमेंट के मालिक भी इस प्रॉपर्टी के शेयरधारक हैं। इनमें अमेरिका के कॉमर्स सेक्रेटरी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेड नेगोशिएन के प्रभारी हावर्ड लुट्निक, जॉर्डन की राजकुमारी फिरयाल, फैशन डिजाइनर टोरी बर्च और डिज्नी के पूर्व प्रमुख माइकल आइजनर शामिल हैं। लुट्निक के पास होटल में एक पेंटहाउस है।

जानी-मानी हस्तियों के अपार्टमेंट

कौन है खरीदार?

न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक ताज ने प्रॉपर्टी की स्टीवर्डशिप का बचाव किया है और ऐसे अपग्रेड्स का प्रस्ताव रखा है जिससे रेजिडेंट्स को बाहर निकलने की जरूरत नहीं होगी। अखबार ने यह भी लिखा है कि पियरे का बोर्ड बिक्री के लिए अंतिम दौर की बातचीत कर रहा है। अगर यह सौदा हो जाता है, तो इसका मैनेजमेंट लग्जरी चेन डोर्चेस्टर कलेक्शन को मिल सकता है। डोर्चेस्टर कलेक्शन के मालिक सुल्तान हसनल बोल्किया है। एस्सम खशोगी इस डील को फंड कर सकते हैं।
इस डील से ताज का अंतरराष्ट्रीय कारोबार कम हो जाएगा। आईएचसीएल के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने हाल ही में शेयरधारकों को बताया कि कंपनी की विदेश में विस्तार की कोई आक्रामक योजना नहीं है। उन्होंने जुलाई में उन्होंने कहा था कि विदेशी विस्तार के मामले में हम हर वैश्विक बाजार को नहीं देख रहे हैं।

दीवाली गिफ्ट!, सबसे बड़ा आईपीओ लाई थी कंपनी

हर कर्मचारी की सैलरी में होगा 31,000 का इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी।
ऑटो सेक्टर की दिग्गज कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड और यूनाइटेड यूनियन ऑफ हुंडई एम्प्लॉइज के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता कर्मचारियों की सैलरी को लेकर है। यह तीन साल के लिए किया गया है। यह अप्रैल 1, 2024 से मार्च 31, 2027 तक चलेगा। कंपनी का कहना है कि यह समझौता इंडस्ट्री में सबसे अच्छा है। इसके मुताबिक कर्मचारियों की सैलरी में हर महीने 31,000 की बढ़ोतरी होगी। यह बढ़ोतरी तीन सालों में होगी। पहले साल में 55 प्रतिशत, दूसरे साल में 25 प्रतिशत और तीसरे साल में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी।

एचएमआईएल का कहना है कि वह कर्मचारियों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं और वेलनेस प्रोग्राम भी देगी। कंपनी के एक अधिकारी यंगम्युंग पार्क ने कहा, हुंडई में, हमारे लोग हमारी सफलता की नींव हैं। यह समझौता आपसी विश्वास और सम्मान पर बना है। यह दिखाता है कि हम कर्मचारियों के लिए बेहतर माहौल बनाना चाहते हैं।

यूनियन का लेखाजोखा: यूयूएचई यूनियन 2011 में बनी थी। यह एचएमआईएल के कर्मचारियों की आधिकारिक यूनियन है। अगस्त 31, 2025 तक, इसमें 1,981 सदस्य हैं। ये सदस्य कंपनी के 90 प्रतिशत तकनीशियन और वर्कमैन कैडर हैं। इसका मतलब है कि कंपनी के

ज्यादातर टेक्नीशियन और कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व यूयूएचई यूनियन करती है। गुरुवार को कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.23 प्रतिशत तेजी के साथ 2,684 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 2,711 रुपये है।

हुंडई मोटर इंडिया पिछले साल देश का सबसे बड़ा आईपीओ लेकर आई थी। इसका साइज 27,870 करोड़ रुपये का था। यह 15 से 17 अक्टूबर, 2024 तक खुला था और इसका प्राइस बैंड 1,865-1,960 रुपये प्रति शेयर था। यह इश्यू पूरी तरह ऑफर फॉर सेल था। इसके तहत पैरेंट कंपनी दक्षिण कोरिया की हुंडई मोटर ने अपनी हिस्सेदारी बेची थी।

ट्रंप की फांस से हुआ फायदा, अमेरिका के बाद आयरलैंड कमाई का दूसरा देश, तेजी से बढ़ रहा है एप्पल का हिस्सा

ट्रंप की फांस से टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को हुआ फायदा, अमेरिका को ही माल बेच कर कर रही कमाई

कोलकाता, एजेंसी।
टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का नाम जरूर सुना होगा। इस कंपनी की कमाई में एप्पल आईफोन का बहुत बड़ा योगदान है। एफवाय25 में, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की जितनी भी कमाई हुई, उसका लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका को आईफोन भेजने से आया।

आपको पता ही होगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन से आने वाले समानों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इससे बचने के लिए एप्पलने भारत में अपना प्रोडक्शन बढ़ाया था। इसी का फायदा भारत की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को मिला। उसने यहां एप्पल के आईफोन बनाने की फैक्टरी लगाई। अब जबकि एप्पल चीन से अपना प्रोडक्शन भारत में शिफ्ट करने लगता है तो इसे फायदा पहुंचना लाजिमी है। तभी तो पिछले वित्तीय वर्ष में, भारत से अमेरिका को आईफोन भेजने से टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को 23,112 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई हुई।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए पिछले साल अमेरिका सबसे बड़ा बाजार तो रहा ही, इसके बाद आयरलैंड कंपनी के लिए दूसरा सबसे बड़ा कमाई करने वाला देश रहा। आयरलैंड से

कंपनी को 23 प्रतिशत यानी 14,255 करोड़ रुपये की कमाई हुई। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि यूरोप में एप्पल का बेस आयरलैंड ही है। इसके बाद ताइवान को आईफोन भेजने से कंपनी को 15 प्रतिशत की कमाई हुई। वहीं, भारत में आईफोनबेचने से कंपनी को 20 प्रतिशत की कमाई हुई। यह जानकारी कंपनी ने कंपनियों के रजिस्ट्रार को दी है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की कमाई में एप्पलका हिस्सा तेजी से बढ़ा है। इससे पता चलता है कि ट्रम्प के टैक्स लगाने की धमकी देने से पहले ही एप्पलने अमेरिका के लिए आईफोन का प्रोडक्शन चीन से भारत में शिफ्ट कर दिया था। पिछले साल, कंपनी सिर्फ ताइवान को आईफोन भेजती थी और भारत में आईफोनबेचती थी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ताइवान की फॉक्सकॉन भारत में आईफोन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनियां हैं।

दो फैक्ट्रियों में बनता है आईफोन: भारत में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने दो फैक्ट्रियों से आईफोनबनाना और निर्यात करना शुरू किया है। इनमें विस्ट्रॉन की वो फैक्ट्री भी शामिल है, जिसे टाटा ने मार्च 2024 में खरीदा था। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स सॉल्यूशंस, जो पहले विस्ट्रॉन इन्फोकॉम मैन्युफैक्चरिंग इंडिया के नाम से जानी जाती थी, अब टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की पूरी तरह से स्वामित्व वाली कंपनी है।

रोज तकिए के नीचे रख कर सोएं नमक की पोटली, फायदे जानकर दंग रह जाएंगे!

नमक का इस्तेमाल हम अपने खानपान में डेली बेसिस पर करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये नमक अच्छी नींद लेने में भी आपकी मदद कर सकता है? लाइफस्टाइल कोच ल्यूक कौटिन्हो ने इसी से जुड़ी एक पोस्ट साझा की है, जिसमें वो अपने सिरहाने पर नमक रखकर सोने के फायदे बता रहे हैं। ल्यूक कहते हैं कि इसके कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण तो नहीं हैं, लेकिन बहुत ही पुराने समय से लोग इसका इस्तेमाल करते आ रहे हैं। बस चुटकी भर नमक, चाहें तो सेंधा नमक भी ले सकते हैं, को एक साफ कपड़े में बांध लें और अपने तकिए के नीचे रखकर सो जाएं। कोच के मुताबिक, इससे आपको कई फायदे मिल सकते हैं। आइए जानते हैं।

नेगेटिविटी से रक्षा करता है नमक

नमक को नेचुरल एनर्जी क्लीजर माना जाता है। यानी ये आपके आसपास की बुरी एनर्जी को दूर करता है और एक प्रोटेक्शन शील्ड बना देता है। आज भी कई घरों में जब बच्चे बीमार होते हैं, तो मां थोड़ा सा नमक ले कर बच्चे की नजर उतारती है। इसी तरह अगर आप भी नेगेटिव एनर्जी को खुद से दूर रखना चाहते हैं, तो थोड़ा सा नमक सोते समय सिरहाने रख सकते हैं।

नहीं आते बुरे सपने

कोच ल्यूक कहते हैं कि अगर आपको सोते समय बुरे सपने आते हैं, तो एक बार आपको ये हैक जरूर ट्राई करना चाहिए। कई लोग जो बुरे सपनों की वजह से सो नहीं पाते थे, उन्हें इस हैक से काफी फायदा हुआ है। दरअसल नमक हर तरह की बुरी एनर्जी को आपसे दूर रखता है और मन को शांत रखने में मदद करता है। इससे नींद भी काफी गहरी और अच्छी आती है।

सिरदर्द और थकान को दूर रखे

अगर आपको माइग्रेन या स्ट्रेस की वजह से सिरदर्द रहता है, शरीर में थकान सी बनी रहती है, तो नमक वाला नुस्खा आपको जरूर ट्राई करना चाहिए। हालांकि इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है, लेकिन कहते हैं कि नमक की बैलेंसिंग प्रॉपर्टीज, मन को शांत करने में मदद करती हैं। इससे आप फ्रेश और एनर्जेटिक महसूस करते हैं, जिससे नींद भी बेहतर आती है।

बेहतर और आरामदायक नींद

नमक वाला ये नुस्खा सदियों से अच्छी और बेहतर नींद के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। कहा जाता है कि नमक की एनर्जी आपके नर्वस सिस्टम को शांत और रिलैक्स महसूस कराती है। इससे स्ट्रेस, एंग्जाइटी जैसी परेशानियां कम होती हैं और मूड शांत होता है। कुल मिलाकर ये आपको एक अच्छी और आरामदायक डीप स्लीप लेने में मदद कर सकता है।

इस दीपावली पर मीठे में बनाएं कस्टर्ड रसगुल्ला, नोट करें यूनिक टेस्टी रेसिपी

इस दीपावली पर बनने वाले जलेबी और लड्डू तो आपने अक्सर घर पर बनाकर खाए होंगे लेकिन आज आपके साथ कस्टर्ड रसगुल्ला की यूनिक टेस्टी रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं। जो ना सिर्फ खाने में बेहद टेस्टी है बल्कि बनाने में भी बेहद आसान है। हिंदू धर्म में दीपावली के पर्व का बेहद खास महत्व माना गया है। इस दिन घर आए मेहमानों का मुंह मीठा करवाने के लिए खासतौर पर जलेबी, लड्डू और कस्टर्ड रसगुल्ला जैसी मिठाइयां बनाकर तैयार की जाती हैं। जलेबी और लड्डू तो आपने अक्सर घर पर बनाकर खाए होंगे लेकिन आज आपके साथ कस्टर्ड रसगुल्ला की यूनिक टेस्टी रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं। जो ना सिर्फ खाने में बेहद टेस्टी है बल्कि बनाने में भी बेहद आसान है।

कस्टर्ड रसगुल्ला बनाने के लिए सामग्री

-आधा किलो फुल क्रीम दूध

-5 बड़े चम्मच कस्टर्ड पाउडर

-द कप चीनी

-8-10 छोटे रसगुल्ले। निचोड़कर छोटे टुकड़ों में कटे हुए।

कस्टर्ड रसगुल्ला बनाने का तरीका

कस्टर्ड रसगुल्ला बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरे में आधा कप दूध लेकर उसमें कस्टर्ड पाउडर डालकर अच्छी तरह घोल लें। ताकि मिश्रण में कोई गांठ ना रह जाए। इसके बाद पैन में बचा हुआ दूध मीडियम आंच पर गरम करके उसमें लगातार चलाते हुए चीनी घुलने तक लगातार चलाते हुए पकाएं। इसके बाद कस्टर्ड मिश्रण को धीरे-धीरे पैन में डालकर अच्छी तरह फेंटते रहें। अब मीडियम आंच पर मिश्रण को गाढ़ा होने तक पकाएं। मिश्रण में गांठ ना बने इसलिए लगातार चलाते रहें। जब कस्टर्ड पककर गाढ़ा हो जाए तो पैन को आंच से उतारकर अलग रख दें। अब इस पैन में कटे हुए रसगुल्ले डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद कस्टर्ड में क्रीमी परत लगने से बचाने के लिए पैन को फिल्म रैप से ढक दें। जब कस्टर्ड पूरी तरह से ठंडा हो जाए तो इसे 3-4 घंटे के लिए ठंडा होने के लिए फ्रिज में रख दें। तय समय बाद कस्टर्ड रसगुल्ला को कटे हुए मेवे और आधे कटे हुए छोटे रसगुल्लों से सजाकर ठंडा-ठंडा परोसें।

लिवर पर ज्यादा बोझ पड़ जाए, तो यह धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है

लिवर हमारे शरीर का सबसे अहम अंग है, जो खून को साफ करने, विषैले पदार्थों को छानने और पाचन को सही बनाए रखने का काम करता है। लेकिन अगर लिवर पर ज्यादा बोझ पड़ जाए, तो यह धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है और टॉक्सिन्स (जहरीले तत्व) इसमें जमा होने लगते हैं। नतीजा यह होता है कि खाना सही से पचना बंद हो सकता है, लिवर डैमेज होने लगता है और शरीर में कई बीमारियां जन्म लेने लगती हैं। आइए जानते हैं लिवर में कौन-कौन से जहरीले तत्व जमा होते हैं और उन्हें कैसे बाहर निकाला जा सकता है।

शराब और एसिटैल्डिहाइड

जब हम शराब पीते हैं तो लिवर इसे एसिटैल्डिहाइड नामक जहरीले पदार्थ में बदल देता है। यह कैमिकल लिवर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। लंबे समय तक शराब का सेवन करने से लिवर में सूजन, फैटी लीवर और अंत में सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है। यही वजह है कि शराब लिवर को सबसे ज्यादा डैमेज करने वाला तत्व माना जाता है।

एक्स्ट्रा फैट (चर्बी)

तेल, तली-भुनी चीजें, मीठा और मैदा लिवर में चर्बी जमा कर देते हैं। यह चर्बी धीरे-धीरे फैटी लीवर डिजीज का कारण बनती है। जब लिवर में ज्यादा फैट जमा हो जाता है, तो उसका डिटॉक्सिफिकेशन प्रोसेस धीमा पड़ जाता है और शरीर में गंदगी जमने लगती है। लंबे समय तक यह स्कारिंग (फाइब्रोसिस) और लिवर फेलियर तक का कारण बन सकता है।

भारी धातुएं

सीसा, पारा और आर्सेनिक जैसी धातुएं अगर खाने, पानी या प्रदूषण के जरिए शरीर में प्रवेश कर जाएं तो यह सीधे लिवर में जमा हो जाती हैं। ये धातुएं लिवर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती हैं, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस पैदा करती हैं और लंबे समय में लिवर को कमजोर कर देती हैं। प्रोसेस्ड फूड, प्लास्टिक के कंटेनर, कीटनाशक और प्रदूषण से शरीर में कई तरह के जहरीले रसायन जाते हैं। ये धीरे-धीरे लिवर में जमा होते रहते हैं और उसके सामान्य मेटाबॉलिज्म को बिगाड़ देते हैं। लंबे समय तक इनका असर रहने पर लिवर डिजीज और कैंसर तक का खतरा बढ़ जाता है।

दवाइयों का बोझ

कुछ दवाएं जैसे पेरासिटामोल, पेनकिलर या स्टेरॉयड, अगर लंबे समय तक ली जाएं तो लिवर पर ज्यादा दबाव डालती हैं। लिवर इन दवाओं को मेटाबॉलाइज करने में मेहनत करता है, लेकिन ज्यादा मात्रा में इस्तेमाल करने पर यह डैमेज हो सकता है। कई बार डॉक्टर की बिना सलाह दवाइयां लेना भी लिवर के लिए खतरनाक साबित होता है।

अधिक बिलीरुबिन

बिलीरुबिन लाल रक्त कोशिकाओं के टूटने के बाद बनने वाला एक बाय-प्रोडक्ट है। सामान्य मात्रा में यह शरीर से बाहर निकल जाता है, लेकिन अगर यह ज्यादा बनने लगे तो लिवर का कामकाज बाधित हो जाता है। इससे जॉन्डिस (पीलिया) जैसी गंभीर समस्या पैदा होती है और लिवर पर दबाव बढ़ जाता है।

लिवर से टॉक्सिन्स कैसे निकालें?

लिवर को डिटॉक्स करना आसान है, बस सही लाइफस्टाइल और खानपान अपनाना जरूरी है। पानी ज्यादा पिएं पर्याप्त पानी पीने से टॉक्सिन्स आसानी से बाहर निकल जाते हैं। लहसुन और हल्दी खाएं यह नेचुरल डिटॉक्स एजेंट हैं जो लिवर को मजबूत बनाते हैं। हरी सब्जियां और फल खाएं ब्रोकली, फूलगोभी, चुकंदर, गाजर और हरी पत्तेदार सब्जियां लिवर की सफाई में मदद करती हैं। शराब और तली-भुनी चीजें छोड़ें- यह लिवर पर अनावश्यक बोझ डालते हैं। रोजाना एक्सरसाइज करें एक्सरसाइज से ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है और लिवर में जमी चर्बी कम होती है। वजन कंट्रोल रखें मोटापा फैटी लीवर का सबसे बड़ा कारण है। अगर इन आदतों को अपनाया जाए तो लिवर स्वस्थ रहेगा और शरीर लंबे समय तक एनर्जी और डिटॉक्सिफिकेशन की क्षमता बनाए रखेगा।

40 के बाद लूज हो रही स्किन को टाइट करने के लिए घर में बना ये जेल लगाएं

उम्र बढ़ने के साथ चेहरे की स्किन का लूज होना बिल्कुल कॉमन है। लेकिन काफी सारे लोगों को 30 के बाद ही ये समस्या होने लगती है। फाइन लाइंस, रिंकल चेहरे पर दिखने लगते हैं। जिसकी वजह से उम्र समय से पहले ही ज्यादा नजर आती है। इस लूज होती स्किन को ठीक करने के लिए महंगे ट्रीटमेंट लेने का बजट नहीं है तो कुछ होम रेमेडी जरूर ट्राई करें। जिसका असर कुछ महीनों में ही नजर आने लगेगा। खासतौर पर फेस अपलिफ्ट करने के लिए यूज होने वाले बोटोक्स ट्रीटमेंट की तरह ये होममेड जेल भी असर दिखाएगा। बस इसका प्रोसेस धीमा होगा। तो चलिए जानें कैसे घर में बनाएं लूज स्किन को टाइट करने के लिए होममेड जेल।

अलसी के बीजों से बनाएं होममेड जेल

अलसी में ओमेगा 3 फैटी एसिड काफी अमाउंट में रहता है। वहीं ये छोटे भूरे रंग के बीज मिनरल्स और विटामिंस के भंडार हैं। जिसे खाने से कई तरह के हेल्थ इश्यूज कम होते हैं। अलसी का इस्तेमाल स्किन और बालों की देखभाल में भी किया जाता है। अलसी का जेल बनाकर चेहरे पर लगाएं। इससे ना केवल स्किन टाइट होगी बल्कि स्किन में फर्मनेस भी नजर आएगी।

कैसे बनाए अलसी का जेल

अलसी का जेल बनाने के लिए अलसी आधा कप लेकर करीब एक से डेढ़ लीटर पानी में उसे उबाल लें। जब ये पककर गाढ़ा हो जाए तो गैस की फ्लेम बंद कर दें। अब अलसी और पानी को छानकर अलग कर लें। ठंडा हो जाने के बाद ये जेल की तरह स्टिकी सा हो जाएगा।

कैसे लगाएं होममेड जेल

होममेड जेल को लगाने के लिए रोजाना चेहरे को अच्छी तरह से वॉश करने के बाद अप्लाई करें। जेल की पतली सी लेयर लगाएं और आधे घंटे के लिए छोड़ दें। फिर हल्के से गुनगुने पानी से क्लीन करें और चेहरे को ड्राई कर लें। सप्ताह में दो से तीन दिन लगाना भी पर्याप्त होगा।

सही तरीके से करें स्टोर

घर में बने इस होममेड जेल को स्टोर करने का सही तरीका अपनाएं। कांच के किसी जार में भरकर इस जेल को सप्ताहभर के लिए फ्रिज में स्टोर करें और चेहरे पर अप्लाई करें। ज्यादा मात्रा में एक साथ बनाने की बजाय थोड़ा-थोड़ा बनाकर रखें। जिससे इसके न्यूट्रिएंट्स खत्म ना हो जाएं।

डल स्किन से परेशान हैं तो ट्राई करके देखें ये देसी नुस्खा, बड़े-बड़े सीरम हो जाएंगे फेल

स्किन के निखार के लिए केमिकल वाले प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करके परेशान हो चुके हैं तो आपके लिए एक कमाल का नुस्खा है। कई लोग दावा करते हैं कि इसे लगाने के बाद चेहरे पर काफी असर दिखता है।

शीशे के सामने खड़े होते ही बुझा चेहरा देखकर मूड खराब हो जाता है तो इसके लिए देसी नुस्खा ट्राई कर सकती हैं। कई बार प्रदूषण, नींद की कमी, हॉरमोनल गड़बड़ियां और धूप आपके चेहरे की रंगत फीकी कर देते हैं। यहां एक ऐसा पैक है जो पुराने समय से भारतीय घरों में महिलाएं करती आ रही हैं। यहां सीख लें मलाई, नींबू और हल्दी का ये घरेलू उपाय।

चेहरे की स्किन पर नाजुक होती है। धूप और पलूशन की मार अक्सर इस पर सबसे ज्यादा पड़ती है। इसको हेल्दी रखने के लिए आप कई तरह के महंगे कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स भी खरीद सकते हैं। हालांकि नैचुरल चीजें लगाएं तो ये सस्ती पड़ेंगी और नुकसान भी कम होगा। नींबू, हल्दी और मलाई इन तीनों का मिश्रण स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है।

मलाई

मार्केट में लैक्टिक एसिड के काफी महंगे सीरम आते हैं। ये स्किन को एक्सफोलिएट करके डेड स्किन निकालते हैं। मलाई में लैक्टिक एसिड होता है जो नैचुरली आपकी स्किन एक्सफोलिएट करता है। यह चेहरे से डार्क स्पॉट्स भी हटाती है।

नींबू

महंगे विटामिन सी सीरम को आप नींबू से रिप्लेस कर सकते हैं। विटामिन सी कोलेजन बनाने में हेल्प करता है। दाग-धब्बे कम करता है।

हल्दी

हल्दी एंटी इनफ्लेमट्री है। यह दाग-धब्बे कम करती है साथ ही ऐक्ने में भी राहत देती है।

नारी शक्ति का सवश्रेष्ठ उदहारण है करवा चौथ

रमेश सर्राफ धमोरा

आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीर्घायु को लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है।

करवा चौथ सभी विवाहित महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक पत्नियाँ अपने पति की सलामती के लिए व्रत रखती हैं। पूरे दिन बिना पानी पिए और कुछ भी खाए व्रत रखना आसान नहीं है, लेकिन स्नेही पत्नियाँ अपने पति के प्रति पूरे प्रेम और सम्मान के साथ ये सभी रस्में निभाती हैं। यह त्योहार हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवा चौथ का व्रत हर साल महिलाओं द्वारा अपने पतियों के लिए किया जाता है और यह न केवल एक त्योहार है बल्कि यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है। कहने को तो करवा चौथ का त्योहार एक व्रत है लेकिन यह नारी शक्ति और उसकी क्षमताओं का सवश्रेष्ठ उदहारण है। क्योंकि नारी अपने दृढ़ संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण ले आती है तो फिर वह क्या नहीं कर सकती है। आज के नये जमाने में भी हमारे देश में महिलायें हर वर्ष करवा चौथ का व्रत पहले की तरह पूरी निष्ठा व भावना से मनाती है।

आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीर्घायु को लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है। करवा चौथ शब्द करवा अर्थात मिट्टी का बर्तन और चौथ अर्थात चतुर्थी से मिलकर बना है। इस पर्व पर मिट्टी के करवे का विशेष महत्त्व होता है। सभी विवाहित महिलाएं पूरे वर्ष इस त्योहार की प्रतीक्षा करती हैं और इसकी सभी रस्मों को श्रद्धा के साथ निभाती हैं।

हमारा देश एक धर्म प्रधान देश है। यहां साल के सभी दिनो का महत्व होता है तथा साल का हर दिन पवित्र माना जाता है। भारत में करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब का पर्व है। यह कार्तिक मास को कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चन्द्रमा दर्शन के बाद सम्पूर्ण होता है। ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलायें करवा चौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। यह व्रत लगातार 12 अथवा 16 वर्ष तक हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं।

किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। जो सुहागिन स्त्रियां अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे व्रत रखती हैं। बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाल बांधकर ईश्वर का स्मरण कर स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें। करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। दिन में करवाचौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें।

शास्त्रों के अनुसार पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की पूजा-अर्चना की जाती है। करवा चौथ में दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्घ्य देने के उपरान्त ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवा चौथव्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं। लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं। सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्घ्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएं। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। अपनी सासूजी को वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है। उस दिन प्रातः स्नान करके अपने पति की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें। उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर नैवेद्य हेतु लड्डू बनाएं। काली मिट्टी में शक्कर की चाशनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के अथवा तांबे के बने हुए अपनी सामर्थ्य अनुसार 10 अथवा 13 करवे रखें।

करवा चौथ के बारे में व्रत करने वाली महिलाएं कहानी सुनती है। एक बार पांडु पुत्र अर्जुन तपस्या करने नीलगिरी नामक पर्वत पर गए। इधर द्रोपदी बहुत परेशान थीं। उनकी कोई खबर न मिलने पर उन्होंने कृष्ण भगवान का ध्यान किया और अपनी चिंता व्यक्त की। कृष्ण भगवान ने कहा बहना इसी तरह का प्रश्न एक बार माता पार्वती ने शंकरजी से किया था। पूजन कर चंद्रमा को अर्घ्य देकर भोजन ग्रहण किया जाता है। सोने, चाँदी या मिट्टी के करवे का आपस में आदान-प्रदान किया जाता है। जो आपसी प्रेम-भाव को बढ़ाता है। पूजन करने के बाद महिलाएं अपने सास-ससुर एवं बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेती हैं। तब शंकरजी ने माता पार्वती को करवा चौथका व्रत बतलाया। इस व्रत को करने से स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षा हर आने वाले संकट से वैसे ही कर सकती हैं जैसे एक ब्राह्मण ने की थी। प्राचीनकाल में एक ब्राह्मण था। उसके चार लड़के एवं एक गुणवती लड़की थी। एक बार लड़की मायके में थी। तब करवा चौथ का व्रत पड़ा। उसने व्रत को विधिपूर्वक किया। पूरे दिन निर्जला रही। कुछ खाया-पीया नहीं, पर उसके चारों भाई परेशान थे कि बहन को प्यास लगी होगी, भूख लगी होगी, पर बहन चंद्रोदय के बाद ही जल ग्रहण करेगी।भाइयों से न रहा गया उन्होंने शाम होते ही बहन को बनावटी चंद्रोदय दिखा दिया। एक भाई पीपल की पेड़ पर छलनी लेकर चढ़ गया और दीपक जलाकर छलनी से रोशनी उत्पन्न कर दी। तभी दूसरे भाई ने नीचे से बहन को आवाज दी देखो बहन चंद्रमा निकल आया है। पूजन कर भोजन ग्रहण करो।

बहन ने भोजन ग्रहण किया। भोजन ग्रहण करते ही उसके पति की मृत्यु हो गई। अब वह दुःखी हो विलाप करने लगी। तभी वहां से रानी इंद्राणी निकल रही थीं। उनसे उसका दुःख न देखा गया। ब्राह्मण कन्या ने उनके पैर पकड़ लिए और अपने दुःख का कारण पूछा। तब इंद्राणी ने बताया कि तूने बिना चंद्र दर्शन किए करवा चौथ का व्रत तोड़ दिया इसलिए यह कष्ट मिला। अब तू वर्ष भर की चौथ का व्रत नियमपूर्वक करना तो तेरा पति जीवित हो जाएगा। उसने इंद्राणी के कहे अनुसार चौथव्रत किया तो पुनः सौभाग्यवती हो गई। इसलिए प्रत्येक स्त्री को अपने पति की दीर्घायु के लिए यह व्रत करना चाहिए। द्रोपदी ने यह व्रत किया और अर्जुन सकुशल मनोवांछित फल प्राप्त कर वापस लौट आए। तभी से हिन्दू महिलाएं अपने अखंड सुहाग के लिए करवा चौथ व्रत करती हैं।

कहते हैं इस प्रकार यदि कोई मनुष्य छल-कपट, अहंकार, लोभ, लालच को त्याग कर श्रद्धा और भक्तिभाव पूर्वक चतुर्थी का व्रत को पूर्ण करता है। तो वह जीवन में सभी प्रकार के दुखों और क्लेशों से मुक्त होता है और सुखमय जीवन व्यतीत करता है। भारत देश में चौथमाता का सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान राज्य के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा गांव में स्थित है। चौथ माता के नाम पर इस गांव का नाम बरवाड़ा से चौथ का बरवाड़ा पड़ गया। यहां के चौथ माता मंदिर की स्थापना महाराजा भीमसिंह चौहान ने करवायाथा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

आर्थिक नगरी के नए युग की उड़ान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई के लिए एक ऐतिहासिक क्षण साबित हुआ है। लगभग 19650 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित यह एयरपोर्ट न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश की विकास गाथा में नया अध्याय जोड़ने जा रहा है। देश के सबसे व्यस्ततम हवाई अड्डों में से एक-छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट-पर लंबे समय से यात्रियों और उड़ानों का अत्यधिक दबाव था। ऐसे में नवी मुंबई एयरपोर्ट का बनना इस दबाव को कम करने के साथ-साथ देश की उभरती अर्थव्यवस्था को पंख देने का काम करेगा। जिससे आर्थिक नगरी की उड़ान बेहतर हो सकेगी। मुंबई पहले से ही व्यापार, उद्योग और वित्त का केंद्र मानी जाती है। अब जब उसके पास दूसरा विश्वस्तरीय एयरपोर्ट होगा, तो न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि निवेशकों और उद्योगपतियों के लिए नए अवसर भी खुलेंगे। नवी मुंबई एयरपोर्ट के माध्यम से दक्षिण मुंबई से लेकर रायगढ़ और पुणे क्षेत्र तक की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। यह क्षेत्र अब आईटी, पर्यटन, व्यापारिक और लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित हो सकता है। यह परियोजना न केवल भौतिक अवसंरचना का विस्तार है, बल्कि एक नए आर्थिक क्षेत्र की नींव भी है। इस एयरपोर्ट के संचालन से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों रोजगार सृजित होंगे। निर्माण से लेकर हवाई सेवाओं, होटल उद्योग, परिवहन और व्यापार तक हर क्षेत्र को गति मिलेगी। साथ ही, यह पर्यावरणीय दृष्टि से भी एक आधुनिक परियोजना मानी जा रही है, जिसमें सौर ऊर्जा और हरित तकनीक का उपयोग किया गया है। इससे भारत की 'ग्रीन एविएशन की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। परंतु हर बड़े प्रोजेक्ट की तरह चुनौतियां भी हैं-स्थानीय निवासियों का पुनर्वास, पर्यावरण संरक्षण और यातायात व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार और स्थानीय निकायों को संवेदनशील और पारदर्शी रहना होगा। केवल ढांचागत विकास ही नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण भी उतना ही आवश्यक है ताकि विकास समावेशी हो। इस एयरपोर्ट के शुभारंभ के साथ मुंबई की उड़ानें अब और ऊंची होंगी। यह परियोजना न्यू इंडिया की उस सोच का प्रतीक है, जो आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा दोनों को साथ लेकर चलना चाहती है। मुंबई-जो कभी सपनों का शहर कही जाती थी-अब विश्व स्तरीय संपर्क के साथ एक नई दिशा में बढ़ रही है। नवी मुंबई एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि भारत के विकास की नई राह है-जहां आसमान अब सिर्फ उड़ानों का नहीं, संभावनाओं का प्रतीक बन चुका है।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। विश्वामित्र और भर्तृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुर्गुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुर्गुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठित और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य दिवसः अनेक कामनाओ के कारण मनुष्य का मन बिखरा हुआ और अस्थिर है

कांतिलाल मांडोत

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयासों को गति देना है। मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय आ गया है।आज व्यक्ति के जीवन में अनेक विसंगतियों हैं। इन विसंगतियों का कारण मनुष्य-जीवन में बढ़ता तनाव है। व्यक्ति की लालसा है कि समग्र आकाश उसके आँगन में उतर आये। जो चीज असम्भव है, उसी को ही प्रत्यक्ष में वह दिन-रात लगा हुआ है। चाहे उसके लिए उसे अपनी अस्मिता को ही दाँव पर क्यों न लगाना पड़े ? वह दौड़ रहा है। एक पल भी रुकने का उसके पास समय नहीं है।

आज इन्सान अपना सारा समय संसार की नश्वर चीजों को ही बटोरने में लगा रहा है। संग्रह की प्रवृत्ति उसमें निरन्तर बढ़ती जा रही है।भौतिक प्यास कभी बुझती नहीं है। जो सम्पदा उसके पास अनादिकाल से है इसकी ओर उसे न कोई ध्यान है और न चाह है। उसका लगाव तो क्षणिक और नश्वर चीजों में ही है। इन सब बातों का उस पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है जिसके कारण उसका जीवन अशांत व अस्थिर है। उसे कदाचित यह नहीं मालूम है कि दुनियाँ में सारी चीजें किसी एक को नहीं मिल पाती हैं।

अनेकानेक कामनाओं के कारण आज मनुष्य का मन यत्र-तत्र बिखरा हुआ है, अस्थिर है। कदाचित वह इस बात से अनभिज्ञ है कि वह अपनी समस्त कामनाओं की पूर्ति नहीं कर सकता है। जैसा किसी व्यक्ति का छलनी में जल भरना सम्भव नहीं है, ठीक उसी प्रकार कामनाओं की पूर्ति उसके लिए अशक्य है।आज पूरा विश्व तनावों से जूझ रहा है। तनावों के बोझ तले किसी एक राष्ट्र विशेष के ही नहीं, सभी राष्ट्रों के नागरिक अपना जीवन बसर कर रहे हैं। कोई भी राष्ट्र इससे अछूता नहीं है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आज यह एक विकट समस्या है। इसलिए इस पर अनेक चर्चाएँ-परिचर्चाएँ, संगोष्ठियों-सेमिनार आदि हो रहे हैं। जब से औद्योगिकीकरण, प्रौद्योगिकीकरण तथा शहरीकरण पनपा है या विकसित हुआ है, महानगरों में धुआँ उगलते, शोर मचाते यातायात बढ़े हैं, आबादी-भीड़ और मँहगाई बढ़ी है, बाजारों से रोजमर्रा की चीजें कठिनाइयों से उपलब्ध हो रही हैं, जल, वायु, भोजन, सब दूषित प्रदूषित हो रहे हैं, तब तनावों की यह समस्या और भयावह हुई है।

आज अधिकांश मानव तनावों की गिरफ्त में है। यह तो हो सकता है कि अमुक राष्ट्र के लोगों में यह कम या बहुतायत में हो, पर कोई राष्ट्र इससे अछूता नहीं है। आश्चर्य तो तब होता है जब भारत देश के लोग भी आज तनावों से सर्वाधिक पीड़ित-प्रपीड़ित नजर आ रहे हैं। यहाँ के लोगों की तनावपूर्ण जिन्दगी को देखकर हर कोई यह अनुभव कर सकता है कि आज का भारत पहले का भारत नहीं रहा है। उसकी छवि निश्चय ही धूमिल हुई है। कभी यह देश आध्यात्मिक शान्ति का मार्गद्रष्टा था। यहाँ अध्यात्म की गंगा सतत प्रवहमान थी। शान्त, सहज, सरल व प्रामाणिक जीवन जीने वाले यहाँ के पूर्वज जीने की कला में ही नहीं, मरने की कला में मन की मूढ़ अवस्था में विभिन्न तनाव, रोग पनपते हैं जबकि मन की अमूढ़ता में ये ही तनाव विनसते भी हैं। इस प्रकार मन तनाव का कारण भी है और निवारक भी है। मन की यह विशेषता है कि वह सदा सक्रिय रहता है, जाग्रत रहता है। एक क्षण को भी वह न सोता है और न विश्राम ही लेता है। चाहे निद्रा में व्यक्ति हो या अनिद्रा में, किसी भी स्थिति में हो यह सदा जागता रहता है। यह बात अलग है कि उसका जागरण या उसकी सक्रियता बहिर्जगत की ओर हो या अन्तर्जगत की ओर, पर उसकी सक्रियता सदा बनी रहती है। स्वस्थ व तनावरहित रहने के लिए तथा शांति व आनन्द के लिए मन को रोकना नहीं अपितु मन की दिशा को मोड़ना होता है। बहिर्जगत से अन्तर्जगत की ओर यानी अध्यात्म की दिशा में मन को प्रवृत्त करना होता है।

मन, अमन की स्थिति में आए, इसके लिए नीतिकारोंने कहा कि व्यक्ति प्रामाणिकता के साथ, वर्तमान में जीना सीखे जिससे अनावश्यक कल्पनाओं, योजनाओं, स्मृतियों, चेष्टाओं का चक्र टूट सके। सोते-जागते हर समय उठने वाली अनावश्यक स्मृतियाँ-कल्पनाएँ मन को भटकाती हैं जबकि जीवन के लिए कल्पनाएँ, स्मृतियाँ जितनी आवश्यक हैं उतनी ही होनी चाहिए। क्योंकि बिना इनके जीवन चल नहीं सकता है। आवश्यक कल्पनाओं-स्मृतियों का अपना एक उपयोग होता है। इससे मन तो विश्राम पाता ही है, भारमुक्त भी होता है। साथ ही मानसिक तनावों से छुटकारा भी मिलता है।

मन की अनन्त पर्यायें होती हैं। प्रतिपल ये परिवर्तित होती रहती हैं। अनुकूलता में इसका कुछ और रूप तथा प्रतिकूलता में कुछ और ही रूप होता है। इसलिए साधकों ने इस बात पर अत्यधिक बल दिया कि पहले मन को अनुकूल और प्रतिकूल दोनों स्थितियों में सम बनाया जाए। मन को समत्व में लाने का उन्होंने एक सूत्र दिया है। यह सूत्र है सहिष्णुता का। सहिष्णुता का अभ्यास मन को समत्व भूमि पर प्रतिष्ठित कराता है। मन का समत्व भूमि पर प्रतिष्ठित होना ही मन की निर्मल अवस्था है। इससे शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की स्वस्थता प्राप्त की जा सकती है।

बदलाव एवं विकास की राह ताकता बिहार चुनाव

ललित गर्ग

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। मतदान की तिथियों की घोषणा के साथ ही लोकतंत्र का वह महायज्ञ आरंभ हो चुका है, जिसमें करोड़ों मतदाता दो चरणों में दिनांक 6 और 11 नवंबर को अपने मत के माध्यम से राज्य की दिशा और दशा दोनों तय करेंगे। इस बार का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि विचार और व्यवस्था परिवर्तन का चुनाव है। बिहार लंबे समय से जिस पिछड़ेपन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अराजकता की बेड़ियों में जकड़ा रहा है, उससे मुक्ति का यह अवसर है। 14 नवंबर को मतगणना के साथ बिहार में नई सरकार की तस्वीर सामने होगी, लेकिन राज्य में सियासत जिस तरह आकार ले रही है, मतदान तक कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। बिहार के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह धरती कभी बुद्ध की करुणा और चाणक्य की नीति की जननी रही है, लेकिन आज वहीं बिहार कानून व्यवस्था की विफलताओं, जातिवाद की जंजीरों और विकासहीनता की विवशताओं से जूझ रहा है। सड़कें टूटी हैं, शिक्षा व्यवस्था जर्जर है, चिकित्सा तंत्र कमजोर है, और रोजगार की तलाश में हर साल लाखों युवा अपनी मातृभूमि छोड़ने को विवश हैं। ऐसे में यह चुनाव एक सामाजिक जागृति का अवसर भी है, जब मतदाता केवल चेहरे नहीं, चरित्र और चिंतन को वोट देंगे।

राजनीतिक दल अपनी-अपनी घोषणाओं, वादों और दृष्टि-पत्रों के साथ मैदान में हैं। कोई 'नया बिहार' बनाने का नारा दे रहा है, तो कोई 'विकसित बिहार' का। लेकिन सवाल यह है कि क्या घोषणाओं से बिहार का भाग्य बदलेगा, या फिर यह चुनाव भी परंपरागत नारों और जातीय समीकरणों के हवाले हो जाएगा? यह समय है कि जनता दलों से नहीं, दिशा से जुड़ाव करे; नारे से नहीं, नैतिकता से संवाद करे। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार का चेहरा बने हुए हैं और यह चुनाव भी अलग होता नहीं दिख रहा। मूल सवाल यही है कि क्या नीतीश को एक और मौका जनता देगी? राज्य में एनडीए ने उन्हें आगे कर रखा है और महागठबंधन से सीधी टक्कर मिल रही है। 2005 से नीतीश कुमार बीच के कुछ समय को छोड़ कर सत्ता पर काबिज हैं। इस दौरान उन्होंने 9 बार शपथ ली और कई बार पाला बदला। गठबंधन के साथी बदलते रहने और कम सीटों के बावजूद मुख्यमंत्री वही बने। इसके पीछे उनकी असली 'सुशासन बाबू' की छवि भी है, लेकिन अब इसे चुनौती मिल रही है। पहली बार नीतीश सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की कोशिश हो रही है। वहीं, कानून-व्यवस्था का मामला भी चिंता बढ़ाने वाला है। हाल के महीनों में पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका और हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या ने सरकार की परेशानी बढ़ाई। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हर चुनाव में जंगलराज की तरह पेश किया, पर अब सवाल विपक्षी दल पूछ रहे हैं। यह चुनाव ऐसे अनेक सवालों के घेरे में है।

विकास पर जोर के बावजूद बिहार की राजनीति में जाति एक निर्णायक कारक है। हर पार्टी की चुनावी रणनीति समुदाय आधारित लामबंदी से गहराई से प्रभावित है। दोनों प्रमुख गठबंधन एनडीए और महागठबंधन सीट बंटवारे की बातचीत में उलझे हैं। 243 विधानसभा सीटों में से गठबंधन में से किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी और किसे कौन-सी सीट मिलेगी, यह विवाद का विषय है। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला हुआ था- इस बार समीकरण में प्रशांत किशोर की जन सुराज भी है, जो भ्रष्टाचार और पलायन का मुद्दा उठाए हुए हैं। कुछ और भी नये राजनीतिक दल मैदान में हैं। बिहार की सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सुदृढ़ता की है। आए दिन होने वाली अपराध घटनाएं और अराजकता ने राज्य की छवि को धूमिल किया है। एक ऐसा शासन चाहिए जो भयमुक्त समाज दे सके, जहां नागरिक सुरक्षित महसूस करें, जहां अपराध पर अंकुश हो और न्याय त्वरित मिले। विकास तभी संभव है जब विश्वास का माहौल बने।

बिहार की राजनीति में इस बार कई नए दल और कई पुराने चेहरे नए दल के साथ दिखाई देने वाले हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी 'जनसुराज', तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी पहली बार बिहार विधानसभा के चुनाव में नजर आने वाली है। ऐसे में सभी दल चुनावी जंग में ताल ठोकने को तैयार है। मगर देखने वाली बात ये होगी कि कौन सी पार्टी अपना कितना दम दिखा पाती है? क्या प्रशांत किशोर की पार्टी उनके दावे के अनुसार प्रदर्शन करती है या फुस्स साबित होती है, वहीं, तेजप्रताप यादव अपनी पार्टी बनाकर तेजस्वी यादव को कितना झटका देते है। यह सब अब चुनाव के परिणाम पर तय होगा। साथ ही यह भी तय होगा कि कौन सी पार्टी अपना अस्तित्व बचा पाती है कौन नहीं? यह चुनाव बिहार की आत्मा को झकझोरने वाला क्षण है। यहां की जनता अब सिर्फ रोटी-कपड़ा-मकान नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, और सम्मानजनक जीवन चाहती है। यह चुनाव इस आकांक्षा का प्रतीक है। जो भी दल इस वास्तविकता को समझेगा, वही बिहार का भविष्य गढ़ पाएगा।

आज बिहार के मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील हैं। वे जानते हैं कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता और प्रशासनिक जवाबदेही। यह चुनाव केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि क्या बिहार अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ पाएगा। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा होती रहती है, इसलिये यह स्वाभाविक है कि राज्य का विकास, कानून व्यवस्था एवं रोजगार का मुद्दा भी पक्ष-विपक्ष के बीच एक प्रमुख चुनावी मुद्दा होगा। हालांकि पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली हैं। इस बार बिहार चुनाव बदला-बदला होगा, इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। वहीं आरजेडी और कांग्रेस ने पूछा है कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा? जनता वादों पर भरोसा करती है या बदलाव संग जाती है, जवाब मिलने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

वैसे, बिहार चुनाव का इतना ज्यादा महत्व कोई नई बात नहीं है। विगत दो दशक से एक विशेष क्रम बना हुआ है। लोकसभा चुनाव के अगले साल बिहार विधानसभा के चुनाव होते हैं। केंद्र में जो पार्टी विपक्षी गठबंधन में रहती है, वह बिहार विधानसभा चुनाव में अपना पूरा जोर लगा देती है, जिससे चुनाव कुछ ज्यादा रोचक एवं उत्तेजक बन जाता है। सियासी स्थिति का आकलन करें, तो बिहार में लगभग बीस साल शासन के बावजूद जनता दल युनाइटेड या नीतीश कुमार की ताकत को कोई भी खारिज नहीं कर रहा है। भाजपा पूरी मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ी है, ताकि सत्ता बनी रहे। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला महागठबंधन अभी नहीं, तो कभी नहीं वाले अंदाज में जोर लगा रहा है। लोकतंत्र की इस परीक्षा में बिहार एक नई इबारत लिख सकता है-एक ऐसा बिहार जो शिक्षित हो, संगठित हो, और सजग हो। जहां राजनीति सेवा का माध्यम बने, संघर्ष का नहीं; जहां सत्ता संवेदना की भाषा बोले, स्वार्थ की नहीं। बिहार का यह जनादेश वास्तव में इतिहास रच सकता है-यदि जनता 'जाति' नहीं, 'न्याय' को चुने; 'वादा' नहीं, 'विश्वास' को चुने। यह चुनाव बिहार के भाग्य परिवर्तन की कुंजी बन सकता है-बशर्ते हम सब मिलकर कहें- 'अब की बार, सुशासन और सुधार।'

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

करवाचौथ से पहले प्रियंका ने लगाई पति निक के नाम की मेहंदी

देशभर में शुक्रवार को करवाचौथ का फेस्टिवल सेलिब्रेट किया जाएगा। सुहागिन महिलाओं ने फेस्टिवल की तैयारी भी शुरू कर दी है। ऐसे में बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने पति निक जोनस के नाम की मेहंदी अपने हाथों पर रचा ली है और सोशल मीडिया पर प्यारा सा वीडियो शेयर किया है। प्रियंका चोपड़ा ने इस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है। वीडियो में प्रियंका अपने हाथों की मेहंदी का डिजाइन फ्लॉन्ट कर रही हैं। एक्ट्रेस ने मेहंदी पर निक का नाम भी लिखवाया है। सिर्फ प्रियंका ने ही नहीं, बल्कि उनकी बेटी मालती ने भी अपने नन्हें हाथों में मेहंदी लगाई है। मालती के क्यूट छोटे हाथ बहुत ही प्यारे लग रहे हैं। प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, शिरीन चारनिया, इस करवाचौथ पर आपकी पसंद का काम कर रही हूं, बता दें कि शिरीन चारनिया मेहंदी आर्टिस्ट हैं, जिन्होंने कई सेलिब्रिटीज को मेहंदी लगाई है। प्रियंका पहले भी कई इंटरव्यू में खुलासा कर चुकी हैं कि निक उनके धर्म का बहुत सम्मान करते हैं और वह भी ईसाई धर्म के हर रीति-रिवाज को निभाती हैं। उनके घर में दोनों धर्मों के त्योहारों को तवज्जो दी जाती है और मालती को भी वह दोनों धर्मों की शिक्षा दे रही हैं। निक और प्रियंका की जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में साल 2018 में शादी हुई थी। कपल ने हिंदू और ईसाई दोनों रीति-रिवाजों के साथ शादी की थी, जिसके बाद साल 2022 में सेरोगेसी से कपल ने मालती को जन्म दिया। एक्ट्रेस ने अपनी मां के कहने पर एग फ्रिज करा लिए थे। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर वीडियो भी शेयर की थी जिसमें प्रियंका और निक की बॉन्डिंग साफ दिख रही थी। एक्ट्रेस आराम से बैठी हैं और निक खड़े होकर उनके बाल बना रहे हैं।

एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ

एक रोमांचक नए सहयोग में क्राफ्टन के बीजीएमआई का बने चेहरा

बैटलग्राउंड्स मोबाइल इंडिया ने आज बॉलीवुड के एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ को BGMI का आधिकारिक चेहरा घोषित किया है, जो उनके बेजोड़ करिश्मे, फीयरलेस एनर्जी और डायनेमिक पर्सनैलिटी को सीधे बैटलग्राउंड में लेकर आएगा। जिससे यह BGMI की अब तक की सबसे बड़ी और रोमांचक साझेदारियों में से एक मानी जा रही है। यह साझेदारी एक कल्चरल उपलब्धि है, जो सिनेमा और गेमिंग की दुनिया को एकजुट करके BGMI के 240 मिलियन से अधिक गेमर्स के लिए एक शानदार, इमर्सिव अनुभव प्रदान करती है। इस सहयोग पर बात करते हुए, टाइगर श्रॉफ ने कहा, मैं BGMI के साथ सहयोग करने और प्रशंसकों के साथ इस तरह के इंटरैक्टिव तरीके से जुड़ने के लिए बेहद उत्साहित हूँ। गेमिंग का मतलब ही है – एक्शन, एड्रेनालिन और एनर्जी, और यही तो मेरी फिल्मों और परफॉर्मेंस की पहचान है। अब BGMI के खिलाड़ी वही जोश और खाइव गेम में भी महसूस कर पाएंगे। मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ उन्हें मेरे इन-गेम अवतार के साथ एक्शन में देखने का। इसके अलावा, क्राफ्टन इंडिया के बिजनेस डेवलपमेंट और पार्टनरशिप प्रमुख, सिद्धार्थ मेरोत्रा ने कहा, बीजीएमआई के साथ, हमारा उद्देश्य हमेशा ऐसे पलों का निर्माण करना रहा है जिन्हें न केवल खेला जाए, बल्कि याद भी रखा जाए। टाइगर श्रॉफ के साथ साझेदारी इसी दिशा में एक कदम है - सिनेमा की इंटेसिटी और गेमिंग के रोमांच को एक ऐसे तरीके से एक साथ लाना जो सीधे भारत के युवाओं से जुड़ता है। यह कोलैबोरेशन खिलाड़ियों को एक ऐसा अनुभव देगा जो व्यक्तिगत, प्रेरणादायक और हमारी कम्युनिटी की ऊर्जा को सटीक रूप में दर्शाता है।

मलाइका ने दी अरबाज और शूरा को बधाई!

खान फैमिली में इस वक्त खुशियों का माहौल है। अरबाज खान और शूरा खान बेबी गर्ल के माता-पिता बने हैं। इस बीच अरबाज खान की एक्स वाइफ मलाइका अरोड़ा ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है।

अरबाज खान 58 साल की उम्र में दूसरी बार पिता बने हैं। अरबाज की पत्नी शूरा खान ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है। शूरा और अरबाज 05 अक्तूबर को पेरेंट्स बने। शूरा को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वे बेबी गर्ल को लेकर गैलेक्सी अपार्टमेंट पहुंची हैं, जहां खान परिवार ने भव्य स्वागत किया। बेबी गर्ल के जन्म के चौथे दिन अरबाज खान की एक्स वाइफ मलाइका ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है।

मलाइका ने शेयर की क्रिप्टिक पोस्ट

बता दें कि शूरा खान, एक्टर अरबाज खान की दूसरी पत्नी हैं। अरबाज की पहली शादी मलाइका अरोड़ा से हुई। मगर, 2017 में इनका तलाक हो गया। मलाइका से राहें जुदा होने के बाद अरबाज ने 2023 में शूरा से निकाह किया। 05 अक्तूबर को शूरा और अरबाज ने बिटिया का स्वागत किया। शूरा की बेबी गर्ल के जन्म के चार दिन बाद आज बुधवार को मलाइका ने क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर तीन रेड हार्ट इमोजी बनाए हैं। इसके साथ उन्होंने कुछ लिखा नहीं है। ऐसे में सोशल मीडिया पर सवाल किया जा रहा है कि क्या इस अंदाज से मलाइका ने अरबाज और शूरा को बधाई दी है।

नीरू बाजवा ने की नई फिल्म की घोषणा

बॉलीवुड फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में अपनी अदाकारी से सभी को अपना दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस नीरू बाजवा ने अपनी नई पंजाबी फिल्म जवाक की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर की है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया है। नीरू बाजवा ने 5 अक्तूबर 2025 को अपनी आगामी फिल्म जवाक की घोषणा इंस्टाग्राम पोस्ट पर की है। इस पोस्ट के साथ नीरू ने कैप्शन में लिखा, और अधिक पढ़ें...अपने आदे जवाक नू हमेशा जिओंदा राखो, जे वड्डे बन ना ता। सिनेमाघरों में 17 अप्रैल 2026। जवाक का निर्देशन जतिंद्र महुअर कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण संतोष सुभाष कर रहे हैं। जबकि फिल्म की स्क्रिप्ट जगदीप वारिंग ने लिखी है। यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नीरू बाजवा का करियर

हाल ही में नीरू बाजवा अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में नजर आई थीं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत देव आनंद की हिंदी फिल्म मैं सोलह बरस की (1998) से की थी, जिसके बाद उन्होंने कई हिंदी टेलीविजन धारावाहिकों में काम किया.

शूजित सरकार ने दीपिका के आठ घंटे शिफ्ट के मुद्दे पर दी प्रतिक्रिया, बोले- 'हर कोई फैसला लेने के लिए स्वतंत्र'

'पीकू' फिल्म में दीपिका को डायरेक्ट करने वाले निर्देशक शूजित सरकार ने अभिनेत्री के आठ घंटे शिफ्ट पर प्रतिक्रिया दी है। पिछले कुछ वक्त से अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपने आठ घंटे काम करने की शर्त को लेकर चर्चाओं में बनी हैं। कथित तौर पर दीपिका के संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' से बाहर होने की वजह भी उनके आठ घंटे शिफ्ट की मांग थी। इसके बाद पिछले दिनों दीपिका 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से भी बाहर हो गईं। इसके पीछे भी मेकर्स ने काम के प्रति प्रतिबद्धता को ही जिम्मेदार बताया था। अब दीपिका के प्रोफेशनलिज्म और आठ घंटे की शिफ्ट पर निर्देशक शूजित सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। दीपिका के साथ 'पीकू' में काम कर चुके शूजित ने अभिनेत्री का समर्थन किया है।

शूजित ने किया दीपिका का समर्थन: बातचीत में शूजित सरकार ने दीपिका के दो बड़ी पैन इंडिया फिल्मों से बाहर होने पर कहा कि मैं हर व्यक्ति के व्यक्तिगत फैसलों का सम्मान करता हूं। वे क्या करते हैं, इसके लिए वो स्वतंत्र है। मुझे नहीं पता कि पूरी कहानी क्या है। हालांकि, दीपिका के आठ घंटों की शिफ्ट को लेकर निर्देशक ने कहा कि कोई बात नहीं। हमें हर व्यक्ति की सीमाओं का सम्मान करना चाहिए। इसलिए उसकी पूरी इज्जत करनी चाहिए। मैं ऐसा ही करता हूं। दीपिका के प्रोफेशनलिज्म पर बात करते हुए शूजित ने कहा कि एक पेशेवर कलाकार के रूप में वह शानदार है। वह बहुत ही प्रतिभाशाली हैं।

'पीकू' में शूजित सरकार के साथ दीपिका ने किया काम

दीपिका पादुकोण ने शूजित सरकार के साथ साल 2015 में आई फिल्म 'पीकू' में काम किया था। इस फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार ने ही किया था। फिल्म में दीपिका के साथ अमिताभ बच्चन और इरफान खान सरीखे कलाकार भी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा था।

'बंदर' की आलोचनाओं पर अनुराग ने तोड़ी चुप्पी

आपनी पिछली रिलीज फिल्म 'निशानची' को लेकर सुर्खियां बटोरने वाले अनुराग कश्यप अब अपनी आगामी फिल्म 'बंदर' को लेकर चर्चाओं में हैं। बॉबी देओल स्टारर इस फिल्म का हाल ही में टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रीमियर हुआ था। वहां प्रीमियर होने के बाद फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे काफी उत्तेजक और भड़काऊ फिल्म बता रहे हैं। जबकि कई लोग इसे मीटू मूवमेंट से जोड़कर मीटू विरोधी बता रहे हैं। अब इन आलोचनाओं के बीच निर्देशक अनुराग कश्यप ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और प्रतिक्रिया दी है।

मीटू से फिल्म का कोई लेना-देना नहीं

स्क्रीन के साथ बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप ने फिल्म को लेकर हो रही आलोचनाओं पर रिएक्शन देते हुए कहा कि इसका मीटू से कोई लेना-देना नहीं है। निर्देशक ने कहा कि जब कोई फिल्म झूठे बलात्कार के आरोप के बारे में होती है, तो ऐसी बातें होती हैं। लेकिन 'मीटू' ताकत के बारे में है, किसी व्यक्ति द्वारा ताकत के पद का इस्तेमाल करके कुछ करने के बारे में। इस फिल्म का उस तरह के पावरप्ले या उस तरह के पहलू से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए इस फिल्म का मीटू अभियान से कोई लेना-देना नहीं है।

बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं रही 'निशानची'

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'निशानची' पिछले महीने सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को क्रिटिक्स ने सराहा था। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। वहीं बॉबी देओल आखिरी बार आर्यन खान के शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए थे। अब बॉबी यशराज के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगे।

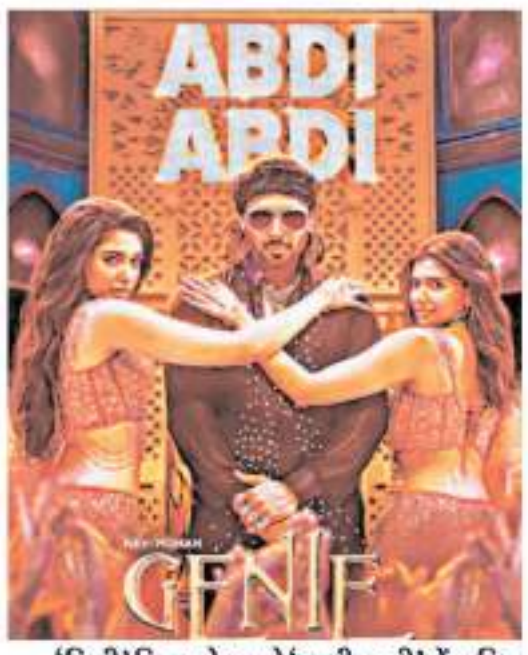

'जिनी' फिल्म के गाने 'अब्दी अब्दी' में कृति शेट्टी और कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने शानदार बेली डांस परफॉर्मेंस से मचाई धूम

कृति शेट्टी के फैन्स का इंतजार अब खत्म हो गया है क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म जीनी का बहुप्रतीक्षित गाना अब्दी अब्दी आखिरकार रिलीज हो गया है, और वह किसी विजुअल धमाके से कम नहीं है। इस गाने में दोनों अभिनेत्रियाँ एक बिल्कुल नए अंदाज में नजर आ रही हैं, जहाँ वे दिलकश बेली डांस परफॉर्मेंस के साथ सोशल मीडिया पर धूम मचा रही हैं। आकर्षक कोरियोग्राफी, मनमोहक दृश्य और थिरकने पर मजबूर कर देने वाली धुन के साथ, 'अब्दी अब्दी' दोनों अभिनेत्रियों के लिए एक साहसिक बदलाव का प्रतीक है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और सीमाओं को लांघने की इच्छा शक्ति को दर्शाता है। कृति और कल्याणी के बीच की केमिस्ट्री साफ़ दिखाई देती है, और उनका तालमेल इस बात का प्रमाण है कि दोनों ने इस कठिन डांस कला को सीखने के लिए कितनी मेहनत की है। ट्रैक की शूटिंग के बारे में बात करते हुए, कृति ने बताया, मुझे कहना होगा कि गणेश आचार्य मास्टर ने इस गाने को बहुत खूबसूरती से कोरियोग्राफ किया है। उनकी टीम शूटिंग के दौरान भी बहुत सहयोगी और मददगार रही। उनके साथ काम करने की सबसे खास बात यह थी कि वे पूरे दिन, रिहर्सल के दौरान, हमारे साथ मौजूद रहते थे और हमें खुद आकर सुझाव देते थे कि हम कहाँ सुधार कर सकते हैं।

बच्चों की पढ़ाई और करियर पर बोले बॉबी देओल

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड की कामयाबी के बाद बॉबी देओल सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने बेटों आर्यमान देओल और धरम देओल के बारे में खुलकर बात की है। अभिनेता ने दोनों की शिक्षा और करियर पर अपनी राय रखी है।

उन्होंने बताया है कि कैसे दोनों ने जीवन में बहुत अलग रास्ते चुने हैं। रेडियो नशा से बातचीत में बॉबी देओल ने बताया कि वह हमेशा चाहते थे कि उनके बेटे पढ़ाई पर ध्यान दें, लेकिन उनकी पसंद बिल्कुल अलग निकली। उन्होंने हंसते हुए कहा मैं चाहता था कि मेरे बेटे पढ़ाई करें। मेरे छोटे बेटे ने बारहवीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी, लेकिन मेरे बड़े बेटे ने जिस भी कॉलेज में आवेदन किया, सभी में उसका चयन हो गया। उसे एनआईयू स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस में दाखिला मिल गया। मुझे उस कॉलेज के बारे में पता नहीं था, लेकिन जब मैं लोगों को बताता था कि मेरा बेटा उस कॉलेज में पढ़ता है, तो लोग कहते थे, वाह, यह तो कमाल का कॉलेज है। इस पर मैं कहता था कि हां ठीक है।

बॉबी ने यह भी बताया कि उनके बड़े बेटे आर्यमान देओल ने पहले ही इंडस्ट्री का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। उनको फिल्मों के ऑफर मिल रहे हैं। हालांकि वह अभी एक्टिंग में आने की जल्दी में नहीं है। बॉबी ने बताया वह काम कर रहे हैं, ट्रेनिंग ले रहे हैं। बहुत सारे ऑफर आ रहे हैं, लेकिन मैं उन्हें तैरना सीखे बिना बीच समंदर में नहीं फेंकना चाहता।

साभार एजेंसी

रोहित और विराट के संन्यास के बाद केएल राहुल पर है बड़ी जिम्मेदारी : पार्थिव पटेल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने केएल राहुल की प्रशंसा करते हुए कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद राहुल पर बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। जियोहॉटस्टार से बात करते हुए पार्थिव पटेल ने कहा, केएल राहुल जिम्मेदारी के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी राहुल पर आ गई है। हम उनके कौशल को जानते हैं। वह स्पिनरों के खिलाफ गेंद को अपने पास आने देते हैं और अपने पैरों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हैं। यह शैली उन पर पूरी तरह से जंचती है।

अब सबसे जरूरी चीज है गति पकड़ने की उनकी क्षमता, जिसका जिक्र उन्होंने खुद किया है। वह शुरुआत में समय लेते हैं, गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षण का आकलन करते हैं, और फिर आक्रमण करने के लिए सही मौके चुनते हैं। वर्तमान में, टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत लगभग 36 का है। वह इस आंकड़ों से कहीं बेहतर बल्लेबाज हैं। इस साल उन्हें निरंतरता बनाए रखते देखना उत्साहजनक है। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में राहुल ने शतक लगाया था। उन्होंने 100 रन की पारी खेली थी। इंग्लैंड दौरे पर राहुल ने बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। पांच टेस्ट मैचों की 10 पारियों में दो शतक और दो अर्धशतक लगाते हुए 532 रन बनाए थे। केएल राहुल मौजूदा टीम में सबसे अनुभवी बल्लेबाज हैं। रोहित शर्मा की मौजूदगी में राहुल को बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव का सामना करना पड़ता था।

कभी ओपनिंग और कभी मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी पड़ती थी। रोहित के संन्यास के बाद राहुल के लिए टेस्ट में सलामी बल्लेबाज की जगह तय हो गई है और वह पूरी जिम्मेदारी के साथ अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उनका लय में होना भारतीय टीम के लिए अच्छा है। राहुल 64 टेस्ट में 11 शतक और 19 अर्धशतक की मदद से 3,889 रन बना चुके हैं।

28 महीने से नहीं खेला टेस्ट मैच; आकाशदीप को भी मिला मौका

मोहम्मद शमी की हुई इस टीम में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। वेस्टइंडीज सीरीज में मौका नहीं मिलने और फिर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए जारी वनडे टीम से भी बाहर रहने के बाद उनके करियर पर कई प्रश्न चिन्ह लग रहे थे। मगर अब शमी एक बार फिर से मैदान पर लौटने को तैयार हैं। 35 वर्षीय भारतीय तेज गेंदबाज ने भले ही 28 महीने से टेस्ट मैच नहीं खेला हो लेकिन अब उनकी रेड बॉल क्रिकेट में वापसी होने वाली है। शमी को आगामी रणजी ट्रॉफी 2025 के लिए बंगाल के 17 सदस्यीय स्क्वाड में चुना गया है। उनके साथ आकाशदीप को भी मौका मिला है। जबकि इस टीम की कप्तानी सौंपी गई है अभिमन्यु ईश्वरन को जो लंबे समय से टीम इंडिया के लिए डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं। वह इंग्लैंड दौरे पर भारतीय स्क्वाड का हिस्सा थे, मगर वेस्टइंडीज सीरीज के लिए उन्हें नहीं चुना गया। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को उपकप्तान बनाया गया है। शमी और आकाशदीप के आने से बंगाल का स्क्वाड काफी मजबूत नजर आ रहा है। गौरतलब है कि शमी ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच जून 2023 में खेला था। हाल ही में दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में भी वह नजर आए थे।

क्रिकेटर रिंकू सिंह को मिली डी-कंपनी की धमकी, 10 करोड़ की फिरौती की डिमांड...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है. उनसे दाऊद इब्राहिम के गिरोह डी-कंपनी का नाम लेकर 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई. पुलिस ने इस मामले में क्रिकेटर रिंकू को धमकी देने वाले आरोपी से पूछताछ की, जिसके बाद इस बात का खुलासा हुआ. दरअसल, रिंकू सिंह से भी फिरौती मांगी गई है, इस बात का खुलासा मुंबई पुलिस की जांच में हुआ. ध्यान रहे दिवंगत एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को धमकी देने के मामले में गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद दिलशाद नौशाद गिरफ्तार हुआ था, उससे पूछताछ में यह बात सामने आई. नौशाद ने पूछताछ के दौरान खुलासे में बताया कि उसने भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह से भी 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी. सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान पता चला कि दिलशाद ने रिंकू सिंह के इवेंट मैनेजर को भी धमकी भरा ईमेल भेजा था. दोनों मामलों में आरोपी ने खुद को डी-कंपनी का सदस्य बताते हुए फिरौती न देने पर जान से मारने की धमकी दी थी. मुंबई पुलिस ने इस मामले में पहली बार बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार के दरभंगा निवासी 33 वर्षीय मोहम्मद दिलशाद नौशाद को त्रिनिदाद और टोबैगो से प्रत्यर्पित किया था.

शुभमन गिल को पहले से पता था! टीम इंडिया के नए ओडीआई कप्तान का बड़ा खुलासा

जाने वाली है रोहित शर्मा की कैप्टेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल अब भारतीय टीम के टेस्ट और वनडे फॉर्मेट के कप्तान हैं. 4 अक्टूबर को गिल को वनडे टीम की कमान देने की घोषणा चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने की थी. वहीं रोहित से वनडे क्रिकेट की कप्तानी छीने जाने को लेकर कई सवाल भी उठे थे. सवाल यह है कि आखिर उनकी शादियों में खेले टीम इंडिया के किसी खिलाड़ी का रिएक्शन क्यों नहीं आया. सबसे बड़ा सवाल इस बात का भी था कि आखिर नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने इस पूरे मसले पर चुपचाप क्यों रहे?

इन तमाम सवालों के बीच आखिरकार शुभमन गिल ने दिल्ली में आज (9 अक्टूबर) वेस्टइंडीज संग दूसरे टेस्ट मैच (10 अक्टूबर से होना) से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया. जहां उन्होंने इशारों-इशारों में यह कह दिया कि उनको रोहित शर्मा के वनडे कप्तान से हटने की जानकारी पहले से ही थी. वनडे कप्तानी मिलने पर गिल ने कहा- पहले टेस्ट (वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में) के बाद इसका ऐलान हुआ था, लेकिन मुझे इसके बारे में थोड़ा पहले ही पता चल गया था. भारत की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात है.

रोहित भाई से बॉन्डिंग की प्रेरणा लूंगा: शुभमन गिल अब टीम इंडिया के नए ODI कप्तान बन चुके हैं. उन्होंने गुरुवार को कहा कि वो अपने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के शांत स्वभाव और टीम में बनाए गए आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहते हैं. रोहित भाई की शांत प्रकृति और जिस तरह उन्होंने टीम में दोस्ती का माहौल बनाया, मैं उसे अपनाना चाहता हूं.

रोहित-कोहली खेलते रहेंगे वनडे, गिल ने किया साफ

नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने यह भी साफ किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर जो अटकलें लगाई जा रही हैं, उनमें कोई सच्चाई नहीं है. दोनों खिलाड़ी अब केवल वनडे फॉर्मेट में उपलब्ध हैं. कोहली लंदन में हैं, जबकि रोहित शर्मा मुंबई में अपने घर पर हैं. दोनों 15 अक्टूबर को टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे. गिल ने कहा, इन दोनों ने भारत के लिए अनगिनत मैच जिताए हैं. बहुत कम खिलाड़ियों में इतनी स्किल और एक्सपीरियंस होता है, हमें उनकी जरूरत है.

महिला विश्व कप:

पाकिस्तान की शर्मनाक हार, 107 रन से जीती ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 के नौवें मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 107 रन से हराकर अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की स्थिति बेहद खराब थी। टीम ने महज 76 के स्कोर पर 7 और 115 के स्कोर पर 8 विकेट गंवा दिए। इस समय ऐसा लग रहा था कि मैच का परिणाम पाकिस्तान के पक्ष में आएगा, लेकिन नौवें विकेट के लिए बेथ मूनी और अलाना किंग के बीच रिकॉर्ड 106 रन की साझेदारी हुई। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 221 तक पहुंचा दिया। बेथ मूनी आखिरी गेंद पर आउट हुईं। मूनी ने 114 गेंद पर 11 चौके की मदद से 109 रन की पारी खेली। मूनी का वनडे में पांचवां शतक था। वहीं, अलाना किंग ने 49 गेंद पर 51 रन बनाए। दसवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाने वाली वह पहली बल्लेबाज बनीं। पाकिस्तान के लिए नशरा संधु ने 3, कप्तान फातिमा सना और रमीन शमीम ने 2-2, और डायना बेग और सादिया इकबाल ने 1-1 विकेट लिए। 222 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत भी ऑस्ट्रेलिया की तरह ही हुई। पाकिस्तान ने भी 49 पर 6 और 78 रन पर अपने 7 विकेट खो दिए। ऐसी स्थिति से ऑस्ट्रेलिया निकल गई थी, पाकिस्तान नहीं निकल सकी। पाकिस्तान 36.3 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। सिद्रा अमीन 52 गेंद पर 35 रन बनाकर श्रेष्ठ स्कोरर रहीं। रमीन शमीम ने 15, फातिमा सना और नशरा संधु ने 11-11 रन बनाए। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका।

टेस्ट रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ स्थान पर पहुंचे रवींद्र जडेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में 104 रन की नाबाद पारी खेलने वाले भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जडेजा ने छह पायदान की छलांग लगाई है। 36 वर्षीय जडेजा की इससे पहले टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 29 थी, जो उन्होंने इसी साल जुलाई में हासिल की थी। न सिर्फ बल्ले, बल्कि रवींद्र जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ गेंद से भी सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में 4 विकेट हासिल किए। शानदार प्रदर्शन के चलते जडेजा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज के विरुद्ध पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 3 विकेट हासिल करने वाले मोहम्मद सिराज गेंदबाजों की सूची में 3 पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पहली बार 700 रेटिंग अंकों को पार किया है। इस टेस्ट मैच के साथ अपनी रैंकिंग सुधारने वाले अन्य खिलाड़ियों में केएल राहुल और ध्रुव जुरेल शामिल हैं, जिन्होंने शतकीय पारियों के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में तरक्की की है। केएल राहुल चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के बाद ध्रुव जुरेल 20 पायदान ऊपर चढ़कर 65वें स्थान पर आ गए। इस बीच, बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल चार विकेट लेकर सात पायदान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर, आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श फरवरी 2024 के बाद पहली बार बल्लेबाजी सूची में टॉप-10 में वापस आ गए हैं। मार्श ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 85 और तीसरे मैच में नाबाद 103 रन बनाए थे। वहीं, न्यूजीलैंड के टिम रॉबिन्सन ने माउंट माउंगानुई में सीरीज के पहले मैच में नाबाद 106 रन बनाए, जिससे वह 58 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में अफगान खिलाड़ी नूर अहमद आठ स्थान ऊपर चढ़कर 17वें और मुजीब उर रहमान छह स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आर्कटिक ओपन:

आर्कटिक ओपन से लक्ष्य सेन बाहर, मन्नेपल्ली ने भारतीय उम्मीदों को जीवित रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मन्नेपल्ली ने पहले गेम में मिली हार से उबरते हुए पोपोव को एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 21-11, 22-20 से हराया। वहीं, पेरिस ओलंपिक के

सेमीफाइन में जगह बनाने वाले लक्ष्य को दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नाराओका ने 57 मिनट में 21-15, 21-17 से हरा दिया। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी थारुण मन्नेपल्ली ने आर्कटिक ओपन 2025 में देश की पुरुष एकल उम्मीदों को जीवंत रखा है। उन्होंने रोमांचक मुकाबले में दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हराकर उलटफेर किया जबकि लक्ष्य सेन इस साल 10वीं बार पहले दौर में बाहर हो गए। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मन्नेपल्ली ने पहले गेम में मिली हार से उबरते हुए पोपोव को एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 21-11, 22-20 से हराया। उन्होंने निर्णायक गेम में चार मैच प्वाइंट बचाकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 प्रतियोगिता में शानदार जीत हासिल की। अब प्री क्वार्टर फाइनल में उनका सामना दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी जापान के कोकी वातानबे से होगा।

जापान के खिलाड़ी ने लक्ष्य सेन को दी मात

पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइन में जगह बनाने वाले लक्ष्य को दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नाराओका ने 57 मिनट में 21-15, 21-17 से हरा दिया। लक्ष्य को शुरुआत से ही संघर्ष करना पड़ा।

ग्लेन मैक्सवेल ने करवाई सर्जरी, भारत के खिलाफ टी-20 में खेलने की उम्मीद

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने खुलासा किया है कि उन्होंने भारत के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में खेलने का मौका पाने के लिए हाल ही में कलाई की सर्जरी करवाई। मैक्सवेल ने नेट प्रैक्टिस के दौरान हुई एक अजीब चोट की वजह से अपनी कलाई में फ्रैक्चर झेला था। इसके कारण वे न्यूजीलैंड के खिलाफ पूरी ज20ह सीरीज और भारत के खिलाफ पहले दो मैचों से बाहर रहेंगे।

सर्जरी का मकसद

मैक्सवेल ने कहा, सर्जरी कराने का मतलब था कि मेरे पास भारत के खिलाफ सीरीज में खेलने की एक छोटी उम्मीद बनी रहे। अगर सर्जरी नहीं कराता, तो पूरे सीरीज से बाहर होना पड़ता। साथ ही यह मेरे लिए बिग बैश लीग में जल्दी फिट होने का मौका भी देता है।

चोट कैसे लगी

मैक्सवेल ने बताया कि चोट उस समय लगी जब वे माइकेल ओवेन के शॉट को रोकने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, शायद यह थोड़ी बदकिस्मती थी। चोट बस हड्डी पर लगी, मांस पर नहीं, इसलिए मैं शुक्रगुजार था कि ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

पुनर्वास और भविष्य

मैक्सवेल ने 8 अक्टूबर को कास्ट हटाने के बाद थैरेपिस्ट से मुलाकात की और कलाई के लिए बेसिक मूवमेंट्स और स्ट्रेथनिंग एक्सरसाइज शुरू की। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि आगामी बीबीएल्में वे नेट में बड़ी स्ट्राइकर्स को अलग लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करेंगे ताकि चोट का जोखिम कम हो। पहले दो टी20 मैच 29 और 31 अक्टूबर को खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट समिति ने अभी बाकी तीन मैचों के लिए टीम का ऐलान नहीं किया है। चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने संकेत दिए हैं कि एशेज टीम के खिलाड़ी अंतिम तीन मैच छोड़ सकते हैं ताकि वे रेड-बॉल क्रिकेट पर फोकस कर सकें।

सिर्फ 886 गेंदों में खत्म हो गया ये टेस्ट मैच, वैभव सूर्यवंशी की टीम ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उनके घर में धूल चटाकर इतिहास रच दिया है. आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारतीय युवा टीम ने दो मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम की. इस जीत को खास बनाता है दूसरा टेस्ट मैच, जो सिर्फ 886 गेंदों तक चला और खत्म हो गया, यानी दो दिन के अंदर ही टीम इंडिया ने मुकाबला जीत लिया. इस तरह भारत ने 30 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए सबसे कम गेंदों में यूथ टेस्ट मैच जीतने का नया कीर्तिमान स्थापित किया.

वैभव सूर्यवंशी का शानदार प्रदर्शन: इस सीरीज में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने दो टेस्ट मैचों में कुल 133 रन बनाए, जिसमें एक शतक भी शामिल रहा. वैभव की यह पारी टीम की नींव को मजबूत करने में अहम साबित हुई. उनके साथ-साथ कप्तान आयुष म्हात्रे की रणनीति और गेंदबाजों की घातक गेंदबाजी ने भी ऑस्ट्रेलियाई टीम को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया.

वनडे और टेस्ट, दोनों में ऑस्ट्रेलिया का सफाया: भारत ने सिर्फ टेस्ट में ही नहीं, बल्कि वनडे सीरीज में भी ऑस्ट्रेलिया को क्लीन स्वीप किया. तीन मैचों की यूथ वनडे सीरीज में भी भारत ने 3-0 से जीत दर्ज की थी. पहले मैच में भारत को 7 विकेट से जीत हुई. दूसरे मैच में 51 रन से धमाकेदार शानदार जीत दर्ज की और तीसरे मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 167 रनों से धूल चटा दी. भारत का टेस्ट सीरीज में भी यही दबदबा जारी रहा. टीम ने पहला यूथ टेस्ट पारी और 58 रन से जीता, जबकि दूसरा टेस्ट 7 विकेट से अपने नाम किया.

ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी पूरी तरह ढही: दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी बेहद कमजोर नजर आई. पहली पारी में उनकी टीम सिर्फ 135 रन ही बना सकी, जिसमें विकेटकीपर एलेक्स ली यंग ने 66 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली. दूसरी पारी में तो पूरी टीम 116 रन पर सिमट गई. भारत को जीत के लिए सिर्फ 81 रन चाहिए थे, जिसे उसने तीन विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया.

1995 का रिकॉर्ड टूटा

इस जीत के साथ भारत ने वेस्टइंडीज का 1995 में बनाया गया रिकॉर्ड तोड़ दिया, जब विंडीज ने पाकिस्तान को फैसलाबाद में 992 गेंदों के भीतर हराया था. अब भारत के नाम यह उपलब्धि दर्ज हो गई है कि उसने सिर्फ 886 गेंदों में यूथ टेस्ट जीत लिया.

ट्रंप की कोशिशों को लग सकता है झटका, नोबेल मिलने के आसार कम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नोबेल पुरस्कार जीतने की कोशिश में जुटे हुए हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि इस साल ट्रंप की इच्छा पूरे होने के आसार कम है। खुद ट्रंप भी कह रहे हैं कि नोबेल कमेटी उनके बजाए किसी और को पुरस्कार देने की वजह खोज लेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति दावा कर रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान समेत 7 युद्ध रुकवाए हैं।

एएफपी से बातचीत में स्वीडन के प्रोफेसर पीटर वालेनस्टीन ने कहा, नहीं, ट्रंप इस साल नहीं जीतेंगे। उन्होंने कहा, लेकिन शायद अगले साल? तब तक गाजा संकट समेत उनकी कई पहलों पर स्थिति साफ हो चुकी होगी।

तो इस बार कौन हो सकता है विजेता? जब ये बात लगभग-लगभग तय मानी जा रही है कि ट्रंप को इस बार नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलने जा रहा है। तो ये सवाल भी लगातार सामने आ रहा है कि अगर ट्रंप नहीं तो कौन? ध्यान रहे कि नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को दोपहर 2:30 बजे (भारतीय समयानुसार) ओस्लो में की जाएगी। ऐसे में इस पुरस्कार के लिए इस बार 338 व्यक्ति और संस्थाओं को नामांकित किया गया है। हालांकि, नामों की अधिकारिक सूची 50 वर्षों तक गोपनीय रखी जाती है। 2024 में यह पुरस्कार जापान के निहोन हिदान्क्यो को मिला था, जो परमाणु हमलों के जीवित बचे लोगों का संगठन है। दूसरी ओर इस बार विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार विजेता के नाम का चयन थोड़ा मुश्किल भी हो सकता है। कारण है कि इस साल की स्थिति बेहद गंभीर है, क्योंकि दुनिया भर में संघर्ष चरम पर हैं। इजराइल और ईरान की सीधी भिड़ंत, गाजा में संघर्ष, भारत-पाकिस्तान के बीच ड्रोन और मिसाइल हमले, थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद जैसी घटनाओं ने माहौल तनावपूर्ण बना दिया है। 2024 में रिकॉर्ड संख्या में राज्य-स्तरीय युद्ध भी हुए थे, जैसा कि स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी के डेटा से पता चलता है। 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए कई प्रभावशाली नाम चर्चा में हैं। सूडान की इमरजेंसी रिस्पॉन्स रूम्स, जो युद्ध प्रभावित इलाकों में लोगों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं, एक मजबूत दावेदार मानी जा रही है। वहीं रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की विधवा यूलिया नवलनाया भी इस सूची में शामिल हैं, जो अपने पति की विरासत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर आगे बढ़ा रही हैं। इसके अलावा, ऑफिस फॉर डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशंस एंड ह्यूमन राइट्स , जो चुनाव निगरानी और लोकतंत्र की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, भी एक प्रमुख उम्मीदवार है। वहां कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि नोबेल समिति इस बार वैश्विक व्यवस्था के समर्थन में कोई संदेश देना चाहेगी, खासकर उन नेताओं के खिलाफ जो इसे चुनौती दे रहे हैं, जैसे डोनाल्ड ट्रंप। ऐसे में संभावित विजेताओं की सूची में यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, यूएनएचसीआर (शरणार्थी मामलों की एजेंसी), यूएनआरडब्ल्यूए (फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी) का भी नाम शामिल है।

कौन जीत सकता है पुरस्कार

खबर है कि इस साल 338 लोग और संगठन नॉमिनेशन प्रक्रिया में है, लेकिन यह सूची गुप्त रखी जाती है। नॉमिनेट करने वालों में सांसद, सरकारी अधिकारी, पूर्व विजेता और कमेटी के सदस्य शामिल होते हैं। साल 2024 में यह पुरस्कार जापान के एटम बम पीड़ितों से जुड़े निहोन हिदान्यको को मिला था। साफ नहीं है कि 2025 की रेस में कौन-कौन है। माना जा रहा है कि सुडान के इमरजेंसी रिस्पॉन्स रूम, रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवेलनी की विधवा युलिया नवलनाया और चुनावी गतिविधियों पर नजर रखने वाले ऑफिस फॉर डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशन्स एंड ह्यूमन राइट्स का नाम दौड़ में शामिल हो सकता है। इनके अलावा संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, यूएनआरडब्ल्यूए के नाम पर मुहर लग सकती है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि इस बार नोबेल कमेटी अपने चुनाव से सभी को चौंका सकती है। भारतीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजकर 30 मिनट पर पुरस्कार की घोषणा की जा सकती है।

जैश-ए-मोहम्मद ने किया महिला विंग का ऐलान

इस्लामाबाद, एजेंसी। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद को ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारी नुकसान झेलना पड़ा है। इसी दबाव में आकर संगठन ने अब अपनी दशकों पुरानी नीति बदल दी है और महिलाओं को अपनी ब्रिगेड में शामिल करना शुरू कर दिया है। जैश महिलाओं के हथियार उठाने के सख्त खिलाफ था, लेकिन पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले हालात में संगठन के मुखिया मसूद अजहर और उसके भाई तलहा अल सैफ ने यह बड़ा फैसला लिया है। बुधवार को मसूद अजहर के नाम से एक चिट्ठी जारी करके जैश ने अपनी महिला विंग लॉन्च करने की घोषणा की। इस महिला विंग का नाम जमात-अल-मोमिनात होगा। इस विंग की प्रमुख सादिया अजहर होंगी, जो आतंकी मसूद अजहर की बहन हैं। सादिया के पति यूसुफ अजहर को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की स्ट्राइक में जैश मुख्यालय पर मारा गया था। जैश ने अपनी प्रोपेगंडा विंग अल-कलाम मीडिया के जरिए यह जानकारी दी है कि उन्होंने बहावलपुर स्थित मरकज उस्मान-ओ-अली में महिलाओं की भर्ती शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक शुरुआती भर्ती में आतंकी कमांडरों की पत्नियों के साथ-साथ बहावलपुर, कराची, मुजफ्फराबाद और अन्य केंद्रों पर पढ़ने वाली गरीब महिलाएं शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार जैश द्वारा नया महिला दस्ता बनाने से इस बात की संभावना है कि संगठन इन महिलाओं का उपयोग भविष्य में फिदायीन हमलों को अंजाम देने के लिए कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

ह्यूस्टन में दो जगहों पर गोलीबारी, चार की मौत

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य के ह्यूस्टन में बुधवार को हुई दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें हमलावर भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच से पता चलता है कि दोनों घटनाएं आपस में जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि पहली वारदात दोपहर लगभग 1 बजे शुगर लैंड उपनगर में हुई, जहां एक व्यक्ति ने अपनी कार से दूसरी गाड़ी पर गोली चलाई। घायल चालक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह रोड रेज (सड़क विवाद) का मामला था या नहीं। करीब आधे घंटे बाद ह्यूस्टन शहर के एक मैकेनिक वर्कशॉप में दूसरी गोलीबारी की सूचना मिली। पुलिस अधिकारी लैरी क्रॉसन के अनुसार, हमलावर ने एक मैकेनिक और एक गवाह को गोली मारी। गवाह उस समय घटना का वीडियो बना रहा था। जांच में दोनों घटनाओं में शामिल वाहन और हमलावर के विवरण समान थे। कुछ समय बाद पुलिस ने हमलावर को उसकी गाड़ी में मृत पाया। अधिकारियों का मानना है कि उसने खुद को गोली मार ली।

सीरिया में लापता हजारों लोगों की तलाश तेज

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में वर्षों से लापता हजारों लोगों का पता लगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र की संस्था ने कहा है कि वह नई सीरियाई सरकार के साथ मिलकर काम करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र की सहायक महासचिव कार्ला क्विंटाना, जो 2023 में गठित सीरिया में लापता व्यक्तियों की स्वतंत्र संस्था की प्रमुख हैं, ने बताया कि यह संस्था जनवरी 2025 में पहली बार सीरिया में प्रवेश कर सकी। यह तब हुआ जब राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता से हटाया गया था। क्विंटाना ने कहा कि अब सबसे बड़ी चुनौती मई 2025 में गठित सीरियाई आयोग के साथ समन्वय स्थापित करना है, जो लापता व्यक्तियों की खोज के लिए बना है।

श्रीलंका की नौसेना ने 47 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार, पांच नावें जब्त

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका की नौसेना ने यहां कहा कि उत्तरी श्रीलंका के तलाईमन्नार में बृहस्पतिवार को 47 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है और उनकी पांच नौकाएं जब्त कर ली गई है। उन पर श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने का आरोप है। ये गिरफ्तारियां मन्नार और डेल्फ्ट के समुद्री क्षेत्रों में चलाए गए समन्वित गश्ती अभियानों के दौरान की गईं। नौसेना ने कहा कि गिरफ्तार किए गए 47 मछुआरों और उनके उपकरणों को आगे की कार्रवाई के लिए उत्तर में स्थित मत्स्य निरीक्षक कार्यालय को सौंप दिया जाएगा। श्रीलंकाई नौसेना प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने 'पीटीआई-भाषा को बताया कि उन्हें गिरफ्तार करने के लिए नौसेना का अभियान कल देर रात शुरू हुआ था और बृहस्पतिवार की तड़के सुबह तक चला। भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंधों में मछुआरों का मुद्दा विवादास्पद बना हुआ है। यहां तक ??कि श्रीलंकाई नौसेना के जवानों ने पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी की है और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने की कई कथित घटनाओं में उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया है। पिछले महीने भी उत्तरी श्रीलंका के जाफना के पास 12 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया था और उनकी नाव को जब्त कर लिया गया था।

आ रहा भयंकर चक्रवाती तूफान हैलॉन्ग, हवा की रफ्तार 250 किमी/घंटा

टोक्यो , एजेंसी। जापान एक बार फिर प्रकृति के प्रचंड रूप का सामना करने जा रहा है। प्रशांत महासागर में उठे भयंकर चक्रवाती तूफान हैलॉन्ग ने जापानी मौसम एजेंसी की चिंताओं को और गहरा कर दिया है। इस शक्तिशाली तूफान को टाइफून नंबर 22 का नाम दिया गया है और इसे अत्यंत शक्तिशाली श्रेणी में रखा गया है। एजेंसी के अनुसार, बुधवार सुबह 9 बजे तक यह तूफान समुद्र में सक्रिय था और लगभग 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर दिशा की ओर बढ़ रहा था।

मीट मत खाना बस ग्रेवी खा लो...,

फ्लाइट में यात्री को दिया वेज की जगह नॉनवेज खाना, दम घुटने से मौत

कतर , एजेंसी। कतर एयरवेज की उड़ान में दम घुटने से 85 वर्षीय शाकाहारी यात्री डॉ. अशोका जयवीरा की मौत मांसाहारी भोजन की वजह से हो गई थी। दरअसल उन्होंने शाकाहारी भोजन ऑर्डर किया था लेकिन उन्हें मांसाहारी भोजन दिया गया था। यह घटना 30 जून, 2023 को लॉस एंजिल्स से कोलंबो जा रही 15.5 घंटे की उड़ान में हुई। अब डॉक्टर जयवीरा के बेटे ने कतर एयरवेज पर मुकदमा किया है। दक्षिणी कैलिफोर्निया के रिटायर्ड हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जयवीरा को फ्लाइट अटेंडेंट ने मांसाहारी भोजन में से मांस हटाकर खाने की सलाह दी गई। इसके बाद परिणामस्वरूप उनकी दुखद मृत्यु हो गई। डॉ. जयवीरा ने विशेष रूप से शाकाहारी भोजन का ऑर्डर किया था, लेकिन फ्लाइट अटेंडेंट ने कहा कि ऐसा कोई भोजन उपलब्ध नहीं है। इसके बजाय उन्हें मांसाहारी भोजन दिया गया। मांस को हटाकर खाने की कोशिश में डॉ. जयवीरा का दम घुटने लगा और वे बेहोश हो गए। फ्लाइट क्रू ने मदद की कोशिश की और मेडएयर के दूरस्थ चिकित्सा सलाहकारों से संपर्क किया गया, लेकिन उनकी हालत बिगड़ती गई।

लापरवाही के लिए कतर एयरवेज पर मुकदमा दर्ज

उड़ान को आखिरकार एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड में उतारा गया। फिर डॉ. जयवीरा को अस्पताल ले जाया गया। 3 अगस्त, 2023 को उनकी मृत्यु हो गई। मृत्यु का कारण एस्पिरेशन निमोनिया बताया गया, जो भोजन या तरल पदार्थ के फेफड़ों में चले जाने से होने वाली एक गंभीर फेफड़े की बीमारी है।

ट्रंप-शी बैठक से उठाया भड़काऊ कदम! अमेरिका को लगेगा बड़ा झटका

चीन ने रेयर अर्थ्स पर बढ़ाया और शिकंजा

बीजिंग , एजेंसी। चीन ने गुरुवार को रेयर अर्थ्स (दुर्लभ खनिज तत्वों) और उनसे जुड़ी तकनीकों के निर्यात पर सख्त नियंत्रण लागू करने की घोषणा की है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब इस महीने के अंत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात होने वाली है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी नए नियमों के तहत अब विदेशी कंपनियों को उन वस्तुओं के निर्यात के लिए विशेष अनुमति लेनी होगी, जिनमें चीन से प्राप्त रेयर अर्थ तत्वों की थोड़ी भी मात्रा शामिल है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि रेयर अर्थ्स की माइनिंग (खनन), स्मेल्टिंग (गलन), रीसाइक्लिंग और मैग्नेट निर्माण से जुड़ी तकनीकों के निर्यात पर भी परमिट प्रणाली लागू की जाएगी।

दुनिया में रेयर अर्थ्स के उत्पादन में चीन का दबदबा है। यह वैश्विक रेयर अर्थ्स खनन का लगभग 70 प्रतिशत और प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा नियंत्रित करता है। ये खनिज जेट इंजन, रडार सिस्टम, इलेक्ट्रिक वाहनों, कंप्यूटरों और मोबाइल फोन जैसे उत्पादों के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। रेयर अर्थ्स को लेकर अमेरिका और चीन के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ है। जैसे-जैसे अमेरिका ने चीन से आने वाले कई उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाए हैं, बीजिंग ने भी इन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खनिजों पर नियंत्रण को और सख्त कर दिया है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि नए नियंत्रण राष्ट्रीय सुरक्षा की बेहतर रक्षा के लिए लगाए जा रहे हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कि चीन से प्राप्त रेयर अर्थ्स या तकनीक का इस्तेमाल संवेदनशील सैन्य क्षेत्रों में न हो। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि कुछ विदेशी कंपनियां और व्यक्ति चीन से रेयर अर्थ्स तकनीक को सैन्य या अन्य संवेदनशील उपयोगों के लिए बाहर भेज रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर नुकसान पहुंचा है। रेयर अर्थ्स की आपूर्ति पर चीन की सख्ती से अमेरिका और अन्य देशों में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को झटका लग सकता है। इन खनिजों के बिना इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, गाड़ियों और रक्षा उपकरणों का निर्माण प्रभावित हो सकता है। एशिया ग्रुप के विशेषज्ञ जॉर्ज चेन के अनुसार, रेयर अर्थ्स आने वाले महीनों में अमेरिका और चीन के बीच वार्ता का अहम हिस्सा बने रहेंगे। दोनों देश स्थिरता चाहते हैं, लेकिन असली सौदा अगले साल ही हो पाएगा।

ड्रग माफियाओं पर बेरोकटोक कार्रवाई करते रहेंगे ट्रंप!

राष्ट्रपति की शक्तियों पर निगरानी का प्रस्ताव खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में बुधवार को एक बड़ा राजनीतिक टकराव देखने को मिला। रिपब्लिकन सांसदों ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य शक्ति पर नियंत्रण लगाने के लिए लाया गया था। यह प्रस्ताव ट्रंप को मादक पदार्थों के कार्टेल पर आगे की सैन्य कार्रवाई से पहले कांग्रेस से अनुमति लेने के लिए बाध्य करता। इस प्रस्ताव के पक्ष में 48 और विरोध में 51 वोट पड़े। वोटिंग में ज्यादातर रिपब्लिकन सांसदों ने विरोध किया। सिर्फ दो रिपब्लिकन ने समर्थन किया जबकि एक डेमोक्रेटिक सांसद ने विरोध में वोट डाला। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में कैरिबियाई क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले जहाजों को निशाना बनाकर सैन्य हमले किए। व्हाइट हाउस का कहना है कि चार जहाज नष्ट किए गए, 21 लोगों की मौत हुई और अमेरिका में पहुंचने वाली बड़ी मात्रा में ड्रग्स को रोका गया। प्रशासन का दावा है कि ड्रग तस्कर सशस्त्र दुश्मन हैं और उन पर युद्ध की तरह कार्रवाई की जा सकती है। लेकिन इस पर कांग्रेस में असहमति गहराती जा रही है। वॉर पावर्स रिजॉल्यूशन ऑफ 1973, एक ऐतिहासिक कानून है, जो वियतनाम युद्ध के बाद बनाया गया था। इसका उद्देश्य राष्ट्रपति को बिना कांग्रेस की अनुमति के युद्ध शुरू करने से रोकना है। इस कानून के तहत राष्ट्रपति को किसी भी सैन्य अभियान के लिए कांग्रेस से स्पष्ट मंजूरी लेनी होती है। डेमोक्रेटिक सांसदों ने कहा कि ट्रंप बिना कांग्रेस की अनुमति के सैन्य हमले नहीं कर सकते। उनके अनुसार यह अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों का उल्लंघन है। टिम केन और एडम शिफ ने इस प्रस्ताव को पेश किया था। उन्होंने कहा कि इस वोटिंग ने भले ही कानून पास न कराया हो, लेकिन यह एक मजबूत राजनीतिक संदेश गया है कि हर कोई राष्ट्रपति की असीमित शक्ति से सहमत नहीं। रैंड पॉल, जो रिपब्लिकन पार्टी से हैं लेकिन लंबे समय से युद्ध अधिकारों पर कांग्रेस की भूमिका को मजबूत करने के पक्षधर हैं, उन्होंने भी प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस को कार्यपालिका को जज, ज्यूरी और जल्लाद बनने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। दूसरी ओर, रिपब्लिकन नेताओं ने डेमोक्रेट्स पर आरोप लगाया कि वे राजनीतिक खेल खेल रहे हैं। कमेटी के प्रमुख है, ने कहा कि ड्रग्स अमेरिकी नागरिकों को मारने का हथियार बन चुके हैं। उन्होंने कहा, जो जहाज नष्ट किए गए, उनमें जो जहरीला माल था वो अब समुद्र की गहराइयों में है। मार्को रुबियो ने रिपब्लिकन सीनेटरों को समझाने के लिए लंच मीटिंग में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि कई कार्टेल अब कैरेबियाई देशों के बड़े हिस्सों पर कब्जा कर चुके हैं और ये सरकारों की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ये संगठन अमेरिकी सड़कों पर हिंसा और अपराध फैला रहे हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए कई रक्षा समझौते

कैनबरा, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस की उपस्थिति में प्रमुख रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए है। बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय दौरे के तहत बीते दिन सिडनी पहुंचे थे। इस समझौते के बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ऑस्ट्रेलिया और भारत की रक्षा साझेदारी लगातार मजबूत होती जा रही है - जो विश्वास, साझा हितों और शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित है। ऑस्ट्रेलिया-भारत रक्षा मंत्रियों की पहली वार्ता के लिए भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की पहली ऑस्ट्रेलिया यात्रा पर उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई। वहीं इस समझौते के बाद ऑस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा, मुझे लगता है कि आज का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम जो गहरा विश्वास और रणनीतिक तालमेल देख रहे हैं, वह अब दोनों रक्षा बलों के बीच कहीं अधिक गहन परिचालन स्तर की सहभागिता में व्यक्त हो रहा है। हमारे परिचालन कमांडों के बीच स्टाफ वार्ता के संदर्भ में हमने जो समझौता किया है, वह अत्यंत महत्वपूर्ण है... हम इसे लेकर बहुत उत्साहित हैं। इसके अहम रक्षा समझौते के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने कार्यक्रमों के तहत ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा पहुंचे, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करना है। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के सहायक रक्षा मंत्री पीटर खलील और संयुक्त अभियान प्रमुख वाइस एडमिरल जस्टिन जोन्स ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। संसद भवन में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स से मुलाकात की।

हमास-इजराइल शांति समझौते के पहले चरण पर सहमत, ट्रम्प बोले- बंधकों की रिहाई संभव

स्थायी शांति की दिशा में यह पहला कदम

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। गाजा में दो साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए इजराइल और हमास ने अमेरिका की मध्यस्थता वाले शांति समझौते (पीस डील) के पहले चरण पर सहमति जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर लिखा, जल्द ही सभी बंधकों को रिहा किया जाएगा और इजराइल अपनी सेना को एक तय लाइन तक वापस बुलाएगा। यह मजबूत और स्थायी शांति की दिशा में पहला कदम है। फॉक्स न्यूज से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा पहले चरण के तहत गाजा में इजराइल के बंधक बनाए गए लोगों को सोमवार तक रिहा किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हमें लगता है कि वे सभी सोमवार को वापस आ जाएंगे। वहीं, इस हफ्ते के आखिर तक ट्रम्प मिस्र जा सकते हैं।

समझौते के 72 घंटे के अंदर बंधकों की रिहाई होगी

यह समझौता मिस्र में 8 अक्टूबर को हुई इनडायरेक्ट बातचीत के बाद हुआ है। समझौते में गाजा से इजराइली सेना की वापसी और कैदियों की अदला-बदली शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, समझौते के लागू होने के 72 घंटे के भीतर लगभग 2,000 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले सभी जीवित इजराइली बंधकों को रिहा किया जाएगा। इजराइल सरकार के प्रवक्ता ने रॉयटर्स को बताया कि इजराइल को उम्मीद है कि बंधकों की रिहाई जल्द शुरू होगी। बंधकों की रिहाई में मृत लोगों के शव भी शामिल हैं। कतरी मध्यस्थों ने भी समझौते की पुष्टि की है। हालांकि, इसके आगे की जानकारी बाद में घोषित करने की बात कही।

इजराइल गाजा से पीछे हटेगा: कैदियों की रिहाई के बदले इजराइल गाजा से अपनी सेना पीछे हटाएगा। हमास ने ट्रम्प और गारंटर देशों से अपील की है कि वे इजराइल से समझौते का पूरी तरह पालन करवाएं। इसपर ट्रम्प ने कहा कि सभी पक्षों के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाएगा। इसके साथ ही ट्रम्प ने कतर, मिस्र और तुर्किये को मध्यस्थता के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, यह अरब, इजराइल, अमेरिका और आसपास के सभी देशों के लिए एक महान दिन है। ट्रम्प ने 5 अक्टूबर को इजराइल की वापसी को दिखाते हुए एक मैप भी शेयर किया था। इसमें उन्होंने पीली लाइन के जरिए बताया की

इजराइली सेना पहले चरण में कहां तक पीछे हटेगी।

संघर्षविराम के पहले चरण में क्या-क्या?: बता दें कि इस संघर्षविराम के पहले चरण के तहत, हमास सात अक्टूबर 2023 के हमले के बाद बंदी बनाए गए 48 इजराइली नागरिकों को रिहा करेगा। हालांकि, इनमें से केवल लगभग 20 लोगों के जीवित होने की उम्मीद है। इसके बदले में इजराइल सैकड़ों फलस्तीनियों को रिहा करेगा, जिनमें महिलाएं, बच्चे और आजीवन कारावास की सजा पाए हुए कैदी शामिल होंगे।

व्हाइट हाउस ने क्या कहा?

व्हाइट हाउस के अनुसार, जब सभी बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा, तब इस्राइल 250 आजीवन कारावास पाए हुए फलस्तीनी कैदियों और हमास हमले के बाद हिरासत में लिए गए 1,700 गाजावासियों को छोड़ेगा। इसके अलावा प्रत्येक मृत इस्राइली बंधक के शव के बदले इस्राइल 15 मृत गाजावासियों के शव लौटाएगा। ट्रंप की योजना के तहत, समझौते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के 72 घंटे के भीतर सभी बंधक, चाहे जीवित हों या मृत रिहा कर दिए जाएंगे। कतर के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस पहले चरण में गाजा में राहत सामग्री और जरूरी सहायता भी पहुंचाई जाएगी, जहां अब भुखमरी जैसे हालात हैं। वहीं इस संघर्ष विराम को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसे ऐतिहासिक बताया। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि यह अरब, मुस्लिम देश, इस्राइल, आसपास के सभी देशों और अमेरिका के लिए महान दिन है। हम कतर, मिस्र और तुर्की के मध्यस्थों का धन्यवाद करते हैं। गौरतलब है कि गाजा में संघर्ष की शुरुआत दो साल पहले सात अक्तूबर 2023 को हमास का इस्राइल पर हमला करने के साथ हुई थी, जिसमें लगभग 1,200 लोगों की जान गई और 250 को बंधक बना लिया गया इसके बाद क्या, जब इस्राइल ने हमले करने शुरू किए तब गाजा में तबाही सातवें आसमान पर पहुंच गई। गाजा पर पूर्ण घेराबंदी और युद्ध की घोषणा की। उसके बाद हमले करने शुरू कर दिए। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय की मानें तो अब तक के संघर्ष में कुल 67,000 फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में मानवीय संकट और भुखमरी की स्थिति की पुष्टि की है। यह अभी भी साफ नहीं है कि वार्ताकारों ने गाजा में हमास के हथियार छोड़ने के मुद्दे को हल किया है या नहीं। दरअसल, ट्रम्प की पीस डील में हमास के गाजा का शासन छोड़ने के साथ हथियार डालने की भी बात कही गई थी।

मुंबई एयरपोर्ट पर 21.78 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, तस्कर गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों में से एक मुंबई एयरपोर्ट पर दुनिया भर से यात्री आते हैं। इसलिए एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहती है। इसके अलावा, चूंकि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है, इसलिए एयरपोर्ट पर सुरक्षा की भी हमेशा समीक्षा होती रहती है। वहां अक्सर सोने या ड्रग्स जैसी वस्तुओं की तस्करी होती है। अब, यह खुलासा हुआ है कि खजूर के पैकेट से कोकीन की तस्करी की जा रही है। दरअसल एयरपोर्ट के सुरक्षा गार्डों ने एक खजूर के पैकेट से 2 किलो 178 ग्राम कोकीन जब्त किया है और इसकी मौजूदा बाजार कीमत 21.78 करोड़ रुपये है। बताया गया है कि तस्करों द्वारा खजूर के पैकेट से खजूर निकालकर, खजूर से बीज निकालकर और उनमें कोकीन भरकर तस्करी करने की कोशिश की थी। हालांकि, मुंबई एयरपोर्ट पर इस साजिश का पर्दाफाश हो गया। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 21.78 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन की जब्ती को हवाई अड्डा सुरक्षा और पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की यह एक बड़ी कार्रवाई है और सुरक्षा एजेंसियों ने 2 किलो 178 ग्राम कोकीन जब्त की है। बताया गया है कि सिएरा लियोन से आए यात्री के साथ कोकीन की डिलीवरी लेने आए एक शख्स को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि जब्त पाउडर कोकीन है, जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। अब यह जांच की जा रही है कि कोकीन कहां से लाया गया था और कहां ले जाया जा रहा था। इसके अलावा, पुलिस भारत में इस तस्करी के कनेक्शन की भी जांच कर रही है।

कैबिनेट की मंजूरी, कर्नाटक में महिलाओं को हर महीने एक दिन की पेड पीरियड लीव

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य और कार्यस्थल पर समानता को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य कैबिनेट ने मैन्स्ट्रुअल लीव पॉलिसी-2025 को मंजूरी दे दी है। नई नीति के तहत राज्यभर में कार्यरत सभी महिलाओं को हर महीने एक दिन की सवेतन (पेड) पीरियड लीव मिलेगी। यह नीति अब आधिकारिक रूप से लागू कर दी गई है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस सुविधा का लाभ केवल सरकारी कर्मचारियों को ही नहीं, बल्कि वस्त्र उद्योग, बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी), आईटी सेक्टर और अन्य निजी संस्थानों में काम करने वाली महिलाओं को भी मिलेगा। राज्य के श्रम मंत्री संतोष ने बताया कि यह प्रस्ताव गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में पारित किया गया। उन्होंने कहा कि यह देश का पहला ऐसा व्यापक कानून है, जो महिलाओं के स्वास्थ्य, कल्याण और कार्यस्थल पर उनके अधिकारों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। गौरतलब है कि वर्ष 2024 में सरकार ने एक साल में छह पीरियड लीव देने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर हर महीने एक दिन यानी सालाना 12 दिन कर दिया गया है। सरकार का मानना है कि यह नीति महिलाओं की कार्यक्षमता, मानसिक स्वास्थ्य और समावेशी कार्यसंस्कृति को मजबूत करेगी।

20 बच्चों की मौत के मामले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप कंपनी का लाइसेंस रद्द

चेन्नई (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप से 20 बच्चों की मौत के बाद, तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री सुब्रमण्यम ने गुरुवार को बताया कि कंपनी का लाइसेंस अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है और जांच के बाद इसे स्थायी रूप से रद्द कर दिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट में छिंदवाड़ा एसपी के मुताबिक कंपनी के मालिक रंगनाथन को चेन्नई की कोर्ट में पेश किया जाएगा और ट्रांजिट रिमांड हासिल करने के बाद छिंदवाड़ा लाया जाएगा। इस बीच मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने बुधवार को बताया कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से मध्य प्रदेश में 20 बच्चों की मौत हुई है। पांच का इलाज चल रहा है। इन 20 बच्चों में से 17 छिंदवाड़ा जिले के, दो बैतूल और एक पांढुर्ना जिले का है। डिप्टी सीएम शुक्ला ने कहा कि इस घटना को लेकर राज्य सरकार सख्त है। छिंदवाड़ा से पुलिस की टीमें कोल्ड्रिफ निर्माण कंपनी के मालिक रंगनाथन को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में सख्त कार्रवाई की जा रही है। बता दें डॉक्टरों के एक समूह और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को छिंदवाड़ा जिले में एक विरोध प्रदर्शन किया और सरकारी डॉक्टर प्रवीण सोनी की रिहाई की मांग की, जिन्हें हाल ही में जिले में कथित तौर पर कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के मामले में जेल भेजा गया था।

पुलिस ने दिल्ली में 28 बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया, डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पूर्व जिला पुलिस के बांग्लादेशी प्रकोष्ठ ने दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 28 बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई बढ़ती अवैध प्रवास की चिंताओं को देखते हुए की गई, जिसमें बिना वैध दस्तावेज के रह रहे लोगों की पहचान और निर्वासन पर जोर दिया गया। पुलिस उन्हें वापस भेजने की कार्रवाई कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन अवैध प्रवासियों को दिल्ली के विभिन्न इलाकों में झुग्गी-झोपड़ियां, श्रमिक शिविरों और अनधिकृत कॉलोनियों से हिरासत में लिया है। पुलिस ने मुखबिरों की मदद से खुफिया जानकारी जुटाई और अवैध तरीके से भारत आने वाले रास्तों की पहचान की। पुलिस टीम ने फील्ड इंटेलिजेंस, मुखबिर नेटवर्क और स्थानीय पूछताछ का सहारा लिया। सत्यापन अभियान चलाकर कड़ी निगरानी की, जिसके बाद 28 लोगों को हिरासत में लिया। पूछताछ में पता चला कि ये पश्चिम बंगाल की खुली सीमा से अवैध तरीके से भारत आए थे और उनके साथ कई अन्य अज्ञात लोग भी शामिल हो सकते हैं। इनमें से किसी के पास भी वैध दस्तावेज नहीं मिले। गिरफ्तार किए गए सभी प्रवासियों को अस्थायी हिरासत केंद्र में रखा गया है, जहां उनके निर्वासन की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक ये लोग अकुशल मजदूर हैं जो कूड़ा बीनने, खेतिहर काम या अनौपचारिक व्यवसायों में लगे थे।

पार्टी आपकी आभारी है और हम इस समर्थन को बेकार नहीं जाने देंगे

–बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांशीराम की पुण्यतिथि पर की लखनऊ में बड़ी रैली

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ की सड़कों पर हर तरफ नीले झंडे, पोस्टर और बैनर दिखाई दे रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती गुरुवार को लखनऊ में कांशीराम की पुण्यतिथि पर एक बड़ी रैली कर रही हैं। उन्होंने इस दौरान कांशीराम को श्रद्धांजलि दी। अपार संख्या में पहुंचे लोगों और कार्यकर्ताओं-समर्थकों का मायावती ने आभार जताते हुए कहा कि जनता ने इस बार जबरदस्त समर्थन दिखाया है। साथ ही योगी सरकार की सराहना की तो वहीं समाजवादी पार्टी पर जमकर तीखा हमला बोला।

मायावती ने कहा कि आज का जनसमूह यह दिखाता है कि हमने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। पार्टी आपकी आभारी है और हम इस समर्थन को बेकार नहीं जाने देंगे। इसके अलावा उन्होंने लखनऊ के स्मारकों और पार्कों के रखरखाव का मुद्दा उठाया और कहा कि जब उनकी सरकार ने कांशीराम के सम्मान में यह स्मारक बनवाए थे, तो एक व्यवस्था की गई थी कि यहां आने वाले दर्शकों से जो टिकट का पैसा लिया जाएगा, वह इन्हीं स्मारकों के रखरखाव पर खर्च होगा।

मायावती ने सत्ताधारी यूपी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सीएम योगी को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि टिकट से मिलने वाला पैसा इन स्थलों के रखरखाव में लगाया जाए। बीजेपी सरकार ने इस पर सकारात्मक रुख अपनाया और मरम्मत का पूरा खर्च उठाया। इसके लिए हम उनका आभार जताते हैं। सपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब अखिलेश यादव सत्ता में होते हैं तो न उन्हें कांशीराम याद आते हैं, न ही पीडीए। सत्ता से बाहर होते ही उन्हें ये सब याद आने लगता है। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि अगर सपा को कांशीराम जी से इतना ही सम्मान था, तो अलीगढ़ मंडल में जो जिला कांशीराम जी के नाम पर बनाया गया था, सपा सरकार आते ही उसका नाम क्यों बदल दिया गया? हमने कांशीराम जी के नाम पर कॉलेज, यूनिवर्सिटी और जनकल्याण योजनाएं शुरू कीं, लेकिन सपा का रवैया हमेशा से दोहरा रहा है- ना नीयत साफ है, ना नीति।

मायावती ने कहा कि जब सत्ता में रहते हैं तो उन्हें न तो पीडीए याद आता है और न ही कोई पुण्यतिथि। लेकिन जब सपा सत्ता से बाहर हो जाती है तो उन्हें संगोष्ठी की याद आती है। मैं अखिलेश से पूछना चाहती हूं कि यदि कांशीराम जी के प्रति आपका इतना ही आदर सम्मान था तो जब उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार थी और हमने अलीगढ़ मंडल में कासगंज नाम से एक जिला बनाया और उस जिले का नाम कांशीराम जी के नाम पर रखा गया था। समाजवादी पार्टी ने सत्ता में आते ही उसका नाम क्यों बदल दिया? हमने कांशीराम जी के नाम पर अनेकों संस्थानों के नाम रखे, अनेक योजनाएं शुरू की जिसे समाजवादी पार्टी ने सत्ता में आते ही बंद कर दिया-क्या यह उनका दोहरा चरित्र नहीं है तो क्या है?

मायावती ने कहा कि मरने से पहले कांशीराम जी की दिली तमन्ना थी कि जहां दलितों और अन्य उपेक्षित वर्गों की आबादी ज्यादा है तो अकेले ही अपने दम पर पूरे दम से सरकार बनानी होगी, लेकिन दुख की बात ये है कि कांशीराम के जीते जी तो इनका ये सपना साकार नहीं हो सका था तो 2007 में हमने बहुजन समाज के अकेले पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई, इससे पहले हमने मिली जुली सरकार बनाई, लेकिन चौथी बार हमने यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई।

उन्होंने कहा कि ये बीजेपी, कांग्रेस सपा और दूसरे जातिवादी दलों को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा, जबकि इससे पहले केंद्र की बीजेपी सरकार ने मेरे, भाई बहन, रिश्तेदारों पर जबरदस्ती गलत केस लगाकर आईटी और सीबीआई को पीछे लगाकर छवि को धूमिल करने का काम किया, कांग्रेस ने भी हमें राहत देने की बजाय का उलझा दिया। ऐसे हालातों में भी हमने डॉ. अंबेडकर के बताए रास्तों पर चलते हुए 2007 में अपनी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई।

भारत के स्टार क्रिकेटर को अंडरवर्ल्ड से धमकी, 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी

मुंबई (एजेंसी)। एशिया कप जीतने वाले भारत के स्टार क्रिकेटर रिंकू सिंह को अंडरवर्ल्ड ने धमकी देते हुए उनसे 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है। मुंबई पुलिस ने रिंकू को धमकी देने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि रिंकू सिंह को पहले भी धमकी मिल चुकी है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने बताया कि रिंकू सिंह को यह धमकी किसी और की नहीं, बल्कि मोस्ट वांटेड गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के गिरोह यानी डी-कंपनी की तरफ से आई है। फरवरी से अप्रैल 2025 के बीच रिंकू की प्रमोशनल टीम को तीन धमकी भरे मैसेज भेजे गए थे। रिंकू सिंह को इस साल तीन बार धमकियां मिलीं। धमकी भरे मैसेज रिंकू सिंह को नहीं, बल्कि उनकी प्रमोशनल टीम को भेजे गए थे।

क्राइम ब्रांच ने बताया कि यह मामला किसी बड़े रैकेट से जुड़ा है। क्योंकि जीशान सिद्दीकी को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले थे। रिंकू सिंह को धमकी देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने धमकी देने की बात कबूल कर ली है। इससे पहले, जीशान सिद्दीकी के पिता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद उन्हें धमकी दी गई थी और 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई थी। इस मामले में इंटरपोल की मदद से मोहम्मद दिलशाद और मोहम्मद नवीद को त्रिनिदाद और टोबैगो से पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। जीशान को ये धमकी भरे ईमेल 19 से 21 अप्रैल के बीच मिले थे। इनमें उन्हें यह भी चेतावनी दी गई थी कि अगर उन्होंने फिरौती नहीं दी, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

केदारनाथ में टूटा 2024 का रिकॉर्ड, श्रद्धालुओं की संख्या 16.56 लाख के पार

–पिछले वर्ष पूरे यात्रा काल में पहुंचे थे 16 लाख 52 हजार 76 यात्री

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा फिर रफ्तार पकड़ गई है। बारिश और बर्फबारी के बावजूद यात्रियों में भारी उत्साह बना हुआ है। केदारनाथ यात्रा ने नया रिकॉर्ड बनाया है। आज बुधवार को यहां श्रद्धालुओं की संख्या 16 लाख 52 हजार के पार पहुंच गई, जबकि अभी धाम कपाट बंद होने में 14 दिन का समय बचा है। वर्ष 2024 में पूरे यात्रा काल में 16 लाख 52 हजार 76 यात्री केदार दर्शन के लिए पहुंचे थे। बुधवार को केदारनाथ धाम में 5614 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। केदार धाम के कपाट आगामी 23 अक्टूबर को भैया दूज के अवसर पर बंद होंगे। अभी यात्रा 15 दिन और चलेगी। इस प्रकार यहां यात्रियों की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया है। बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में भी अब यात्रियों की संख्या बढ़ी है। प्रदेश सरकार की ओर से श्रद्धालुओं के उत्साह को देखते हुए सुरक्षित यात्रा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यात्रा मार्ग में सुरक्षा जवानों की तैनाती की गई है। यात्रा मार्ग पर यातायात सुचारू बना रहे, इसके लिए भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों पर मलबे की सफाई के लिए जेसीबी की व्यवस्था की गई है। बता दें कि इस वर्ष 30 अप्रैल को गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा का आगाज हो गया था। इसके बाद दो मई को केदारनाथ और चार मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए थे। मानसून सीजन में अतिवृष्टि, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के चलते चारधाम यात्रा बुरी तरह प्रभावित हुई है। प्रकृति की विनाशलीला में गंगोत्री धाम का महत्वपूर्ण पड़ाव धराली बुरी तरह तबाह हो गया। मार्ग बुरी तरह तहस-नहस हो जाने से गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा को रोकना पड़ा था। बारिश थमने पर भी यहां यात्रा को बहाल करना बड़ी चुनौती था, लेकिन शासन-प्रशासन की टीमों ने युद्धस्तर पर कार्य कर आम जनजीवन को बहाली के साथ ही यात्रा मार्गों को सुचारू किया। दोनों धामों की यात्रा भी सुरक्षा इंतजामों के साथ शुरू हो गई। प्रशासन की ओर से यात्रियों को अभी भी एहतियात बरतने की सलाह दी गई है। यात्रियों को बार-बार आगाह किया गया है कि मौसम खराब होने पर यात्रा करने से बचें। यदि यात्रा मार्ग में हैं, तो सुरक्षित स्थान पर शरण लें। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी जिलाधिकारियों से कहा है कि श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी यात्रा मार्गों पर आवश्यक यात्री सुविधाओं और सुरक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। सभी जिम्मेदार अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखा जाए।

आईपीएस अफसर आत्महत्या मामले में डीजीपी और एसपी की हो गिरफ्तारी

–मृतक पूरन कुमार की पत्नी आईएएस अमनीत ने लगाए गंभीर आरोप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या मामले ने जोर पकड़ लिया है। अफसर की आत्महत्या के दौरान जापान गईं उनकी पत्नी अमनीत पी कुमार भारत लौट आई हैं और उन्होंने इस मामले में चंडीगढ़ पुलिस को शिकायत दी है। हरियाणा कैडर की आईएएस अमनीत ने अपनी शिकायत में डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनिया पर आरोप लगाया है कि वे पति का उत्पीड़न कर रहे थे। इसके चलते उन्होंने खुदकुशी की।

अमनीत ने मांग की है कि हरियाणा के डीजीपी और रोहतक के एसपी के खिलाफ एससी-एसटी ऐक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाए। आईपीएस वाई पूरन कुमार दलित समाज से आते थे। उन्होंने हाल ही में रोहतक की सुनारिया जेल की जिम्मेदारी मिली थी और आईजी की पोस्ट पर तैनात थे। उन्होंने खुद को चंडीगढ़ के सेक्टर 11 स्थित आवास पर खुद को गोली मार ली थी।

आईएएस अफसर और पूरन की पत्नी अमनीत ने दावा किया है कि उनके पति ने सुसाइड नोट में मांग की है कि डीजीपी और रोहतक के एसपी के खिलाफ मामला दर्ज हो और उन्हें गिरफ्तार किया जाए। अमनीत ने अपनी शिकायत में लिखा है कि मेरे पति जो बेहद ईमानदार थे। वह घर में गोली लगने से मृत पाए गए। आधिकारिक रूप से इसे आत्महत्या कहा जा रहा है, लेकिन मेरी आत्मा कहती है कि यह उनका लगातार उत्पीड़न होने का परिणाम है।

अमनीत ने आरोप लगाया कि उनके पति का सालों से उत्पीड़न किया जा रहा था। उन्हें सीनियर अधिकारी व्यक्तिगत तौर पर परेशान करते थे और इन लोगों में डीजीपी शत्रुजीत कपूर भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पति बताते थे कि जाति के आधार पर उनके खिलाफ भेदभाव हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया था कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है और किसी मामले में उन्हें फंसाया जा सकता है। ऐसा डीजीपी के इशारे पर हो रहा है।

यही नहीं अमनीत ने रोहतक के अर्बन एस्टेट पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर को भी गलत बताया। उन्होंने कहा कि 6 अक्टूबर को जो एफआईआर दर्ज की गई थी, वह गलत है। इसमें उनके पति के स्टाफ में शामिल सुशील कुमार का इस्तेमाल किया गया।

अमनीत ने कहा कि उनके पति को इस मामले में फंसाया गया और इसके चलते उन्होंने आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि उनके पति पूरन कुमार ने इस मामले को लेकर डीजीपी शत्रुजीत कपूर से बात की थी, लेकिन उन्होंने नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कहा कि पूरन ने इसके बाद रोहतक के एसपी से भी बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि इस मामले में डीजीपी और रोहतक के एसपी की गिरफ्तारी होनी चाहिए और इंसाफ मिलना चाहिए।

टीवीके प्रमुख विजय के आवास पर बम की धमकी... पुलिस ने घर का एक-एक कोने की तलाशी ली

–कॉल करने वाले की पहचान करने की तैयारी में जुटी पुलिस

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के नीलंकरई में अभिनेता से नेता बने टीवीके प्रमुख विजय के आवास पर गुरुवार सुबह बम की धमकी भरा कॉल मिलने से हड़कंप मच गया। एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस नियंत्रण कक्ष को मोबाइल फोन पर संपर्क कर बम होने की सूचना देकर कॉल काट दी। हालांकि सघन जांच के बाद यह अफवाह निकली। बम की सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ते मौके पर पहुंचे और विजय के आवास की गहन तलाशी ली। तलाशी में पुलिस को कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि धमकी भरा कॉल फर्जी था। पुलिस ने कॉल करने वाले की पहचान और स्थान का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। मामले की गहन छानबीन जारी है। इसके पहले 28 सितंबर को विजय को धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे। विजय को मिले मेल की जांच के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों की टीम ने मामले की गंभीरता को देखकर कार्रवाई शुरू कर दी। बम स्क्वायड की टीम को बुलाया गया। स्निफर डॉग्स की मदद से विजय के घर की जांच पड़ताल की गई। सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई कई घंटे चली। जांच के बाद कोई संदिग्ध या खतरनाक वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों ने साफ किया था कि भेजा गया धमकी वाला ईमेल केवल एक धोखा था, इसका मकसद अफरातफरी फैलाना था। यह ईमेल किसने और क्यों भेजी, इस बारे में अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस की साइबर सेल मामले की तहकीकात कर रही है ताकि जल्द ही दोषियों को पकड़ा जा सके। इस बीच गुरुवार को फिर बम की धमकी का कॉल प्राप्त होना, पुलिस और सुरक्षाबलों के लिए चुनौती है। हालांकि जांच में कॉल फर्जी निकली है, लेकिन पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार जांच की जा रही है कि कॉल करने वाला कौन था। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही आरोपी को पकड़ा जाएगा।

नए उपराष्ट्रपति की पहली ही बैठक में विपक्ष ने सत्तारुढ़ बीजेपी को घेरा

संसद में सरकार विपक्ष की आवाज दबा रही और सवालों से बच रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की अध्यक्षता में बुलाई गई राज्यसभा फ्लोर लीडर्स की बैठक में सरकार और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। बैठक में विपक्षी दलों ने सत्तारुढ़ बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह संसद में विपक्ष की आवाज दबा रही है और सवालों से बच रही है। बैठक में राज्यसभा में नेता जेपी नड्डा भी मौजूद थे। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद जॉन ब्रिटास ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह विपक्ष के सवालों से बचती है और पारदर्शिता से काम करने से इनकार करती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे सवालों की अनुमति तक नहीं देती, जिनकी जानकारी आम जनता सूचना का अधिकार के जरिए भी हासिल कर सकती है। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने नए संसद भवन की लागत से जुड़ा एक सवाल पूछा था, जिसे अनुमति नहीं दी गई। इसी तरह, पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर पूछे गए सवाल को गोपनीय बताकर अस्वीकृत कर दिया, जबकि ऐसी जानकारी तेल कंपनियों के संगठन खुद सार्वजनिक रूप से जारी करते हैं।

विपक्षी नेताओं का कहना है कि संसद में सरकार द्वारा सूचना साझा करने में हिचकिचाहट बढ़ रही है। कई बार ऐसे मुद्दों पर भी सवाल रोके जा रहे हैं जो सीधे जनता से जुड़े होते हैं। एक विपक्षी नेता ने कहा कि जब संसद ही जवाब मांगने का सर्वोच्च मंच है और अगर वहां भी सवाल नहीं पूछे जा सकते तो फिर जवाबदेही कहां होगी?

सूत्रों के मुताबिक बैठक में बीजेपी नेताओं ने विपक्ष के आरोपों पर स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि, उन्होंने यह जरूर कहा कि सभी प्रश्न संसद के नियमों और प्रक्रियाओं के मुताबिक ही स्वीकार किए जाते हैं। बता दें पिछले कुछ सत्रों में संसद में सवालों की अस्वीकृति और विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर बार-बार विवाद हुआ है। विपक्ष का कहना है कि इससे संसद का लोकतांत्रिक चरित्र कमजोर हो रहा है, जबकि सरकार का तर्क है कि वह सदन में सद्भावना और अनुशासन बनाए रखने की कोशिश कर रही है।

जजों को कोर्ट में कम बोलना चाहिए, प्रवचन या उपदेश नहीं देने चाहिए

–पूर्व जज ने सीजेआई गवई को ही जूता फेंकने की घटना का जिम्मेदार बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय काटजू ने भारत के सीजेआई बीआर गवई को ही जूता फेंके जाने वाली घटना का जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को कोर्ट में कम बात करनी चाहिए प्रवचन नहीं देने चाहिए। वकील राकेश किशोर ने कोर्ट में ही सीजेआई गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। किशोर का दावा था कि वह सीजेआई की टिप्पणियों से आहत था।

पूर्व जज काटजू ने एक्स पर लिखा- मैं सीजेआई पर जूते फेंके जाने की निंदा करता हूं, लेकिन उन्होंने खजुराहो में भगवान विष्णु की मूर्ति से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए खुद ही इस घटना को न्योता दिया था। उन्होंने कहा था कि आप कहते हैं कि आप विष्णु के बहुत बड़े भक्त हैं। जाएं और जाकर देवता से कहें कि वह खुद ही कुछ करें। उन्होंने आगे लिखा कि ऐसी टिप्पणियों की कोई जरूरत नहीं थी, ये अनुचित थीं और गैर जरूरी थीं। इसका मामले के कानूनी मुद्दों से कोई लेना देना नहीं था। जजों को कोर्ट में कम बोलना चाहिए, प्रवचन, उपदेश नहीं देने चाहिए।

वहीं वकील राकेश किशोर ने सीजेआई गवई को लेकर कहा कि बात यह है कि मैं बहुत ज्यादा आहत हुआ कि 16 सितंबर को चीफ जस्टिस की कोर्ट में किसी व्यक्ति ने जनहित याचिका लगाई थी। तो गवई साहब ने पहले तो उसका पूरी तरह से मजाक उड़ाया। सीजेआई ने यह कहा कि आप मूर्ति से प्रार्थना करो जाकर, मूर्ति से कहो कि अपना सिर खुद दोबारा बना ले। किशोर ने कहा कि ठीक है उस आदमी को रिलीफ नहीं देनी थी, तो मत दीजिए, लेकिन ऐसा मजाक भी मत कीजिए। फिर उसने कहा कि आप उसी मूर्ति के सामने जाकर ध्यान लगाएं। अन्याय यह किया कि उसकी याचिका को खारिज भी कर दिया। इन चीजों को लेकर आहत था।

बेंगलुरु पुलिस ने वकील किशोर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि अखिल भारतीय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष भक्तवत्सला की शिकायत के बाद वकील राकेश किशोर के खिलाफ कई धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान-बांग्लादेश बढ़ा रहे अपनी सैन्य ताकत

–अमेरिका देगा घातक मिसाइल, तो चीन देगा लड़ाकू विमान!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान में तनाव जारी है। साथ ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भी अपदस्थ पीएम शेख हसीना को लेकर भारत पर निशाना साध रही है। ऐसे में ये दोनों पड़ोसी देश अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। एक ओर जहां पाकिस्तान को अमेरिका एडवांस और घातक मिसाइल देने की बात कह रहा है। वहीं, चीन से बांग्लादेश को लड़ाकू विमान मिलने के आसार हैं। हालांकि इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के युद्ध मंत्रालय की ओर से हाल ही में अधिसूचित एक हथियार अनुबंध में एआईएम-120 अमराम मिसाइलों के खरीदारों में पाकिस्तान का भी नाम शामिल है। अधिसूचना में कहा गया है कि इस अनुबंध में ब्रिटेन, पोलैंड, पाकिस्तान, जर्मनी, फिनलैंड, ऑस्ट्रेलिया, रोमानिया, कतर, ओमान, कोरिया, यूनान, स्विट्जरलैंड, पुर्तगाल, सिंगापुर, नीदरलैंड, चेक गणराज्य, जापान, स्लोवाकिया, डेनमार्क, कनाडा, बेल्जियम, बहरीन, सऊदी अरब, इटली, नॉर्वे, स्पेन, कुवैत, फिनलैंड, स्वीडन, ताइवान, लिथुआनिया, इजरायल, बुल्गारिया, हंगरी और तुर्की को विदेशी सैन्य बिक्री शामिल है।

वहीं बांग्लादेश ने 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत से चीन निर्मित 20 जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बनाई है। मीडिया रिपोर्ट में सरकारी दस्तावेजों के हवाले से कहा गया है कि इस सौदे में प्रशिक्षण, रखरखाव और अन्य संबंधित खर्च भी शामिल है। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेश को ये लड़ाकू विमान 2026 और 2027 में बांग्लादेशी वायु सेना के आधुनिकीकरण और राष्ट्रीय हवाई रक्षा को मजबूत करने के लिए मिलेंगे। इस सौदे पर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बता दें साल 2020 में गलवान में हुई सैन्य झड़प के बाद से ही भारत और चीन के रिश्तों में तनाव आ गया था। बाद में दोनों मुल्कों ने डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया शुरू की थी। फिलहाल, दोनों पक्ष तनाव कम करने की संभावनाएं जता रहे हैं। अगस्त में एससीओ की बैठक में पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात भी की थी।

इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, जो पाकिस्तान और चीन के मुकाबले काफी ज्यादा है। रूसी तेल की खरीद को लेकर अमेरिका भारत को निशाना बना रहा है। जबकि चीन भी रूसी तेल का बड़ा खरीदार है। साथ ही भारत ने साफ किया है कि अमेरिका और यूरोपीय संघ भी रूस से व्यापार करते हैं। खबरें है कि अमेरिका ने जी7 देशों से अपील की है कि रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर भारी टैरिफ लगाया जाए।